TNF® TODAY

टीएनएफ टुडे

थॉट्स न्यूज फैक्ट्स टुडे

tnftoday | tnftoday

www.tnftoday.com / epaper | Trial Edition | पृष्ठ- 08 | वर्ष-01 अंक-10 | मूल्य ₹ 7 | बुधवार | दिनांक- 8 .07 .2026

कांग्रेसियों की गूंज से घबरा गई सरकार (पेज-3)

राम मंदिर ट्रस्ट में प्रोफेशनल मैनेजमेंट की तैयारी, सीईओ की नियुक्ति पर फैसला जल्द

एजेंसी, अयोध्या।

श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष गोविंद देव गिरी महाराज के अनुसार, ट्रस्ट अपने कामकाज के बेहतर मैनेजमेंट के लिए एक चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफिसर (सीईओ) की नियुक्ति करने पर विचार कर रहा है ताकि प्रोफेशनल ब्यूरोक्रेटिक अनुशासन लाया जा सके। ट्रस्ट के सामने हाल ही में आई समस्याओं का ज़िक्र करते हुए महाराज ने कहा कि यह सब उएड न होने की वजह से हुआ, क्योंकि देखरेख के काम के लिए उस अनुशासन की जरूरत होती है जो प्रोफेशनल ब्यूरोक्रेटिक लोग लाते हैं। हमने यहाँ उस तरह की प्रोफेशनल देखरेख की व्यवस्था नहीं की थी, और नतीजा यह हुआ। इसलिए, हम एक उएड लाएंगे; हमने तीन नामों को चुनने और उनकी सिफारिश करने के लिए एक कमेटी बनाई है, और हम उनमें से किसी एक को चुनेंगे।

उन्होंने साफ किया कि जब मैं कहता हूँ कि वह बेगुनाह हैं, तो मेरा मतलब है कि इस पूरे घोटाले में उनकी कोई निजी भूमिका नहीं हो सकती। मैं उन्हें 32 साल से जानता हूँ, इसलिए मैं उनके ऐसे किसी मामले में शामिल होने के बारे में सोच भी नहीं सकता। यह उनके चरित्र को दिखाता है; उनकी ईमानदारी पर हमें अब भी कोई शक नहीं है। हालाँकि, यह मानना होगा कि उन्होंने अपने काम में लापरवाही बरती; आखिरकार, उन्होंने एक अपराधी को अपना ड्राइवर रखा था। उस आदमी के पास चाबियाँ थीं और वही सब कुछ कंट्रोल करता था।

गोविंद महाराज ने मंदिर के दान में कथित हेराफेरी के लिए गिरफ्तार ड्राइवर, राम यादव (टिन्नू यादव) को सीधे तौर पर जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने कहा कि हो सकता है कि ड्राइवर को चोरी करने के लिए बाहरी लोगों ने उकसाया हो। उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि ड्राइवर ने ही यह सब किया; मुझे शक है कि ड्राइवर का बाहरी लोगों से भी कनेक्शन था।

मथुरा पुलिस की चार थाना क्षेत्रों में 'सर्जिकल स्ट्राइक', 90 शातिर दबोचे

17 थानों के 400 पुलिसकर्मियों ने सुबह सुबह गोवर्धन, बरसाना, कोसी, शेरगढ़ थाना क्षेत्रों में दी दबिश

- एसएसपी श्लोक कुमार के निर्देशन और एसपी देहात सुरेश चंद्र रावत के नेतृत्व में हुई ताबड़तोड़ कार्रवाई
- महीनों से चल रही थी आपरेशन की तैयारी, सर्विलांस टीम ने खंगाले थे संदिग्ध और ठिकाने
- रविवार की रात ही सभी टीमों को कर दिया था अलर्ट, सुबह भेजा टारगेट पर

विशेष संवाददाता

मथुर। साइबर शातिर जब लोगों को अपने जाल में फंसाने की साजिश रच रहे थे, मथुरा के एसएसपी श्लोक कुमार तब उन्हें पुलिस के शिंकजे में कसने के ऑपरेशन की रूपरेखा में सक्रिय थे। सर्विलांस टीम एक-एक संदिग्ध की निगरानी कर रही थी। ठिकाने चिन्हित किए जा रहे थे। तेजतर्रार पुलिसकर्मियों की टीमें गठित की जा रही थीं। जब टारगेट फिक्स हो गए तो रविवार की रात में ही चुनिंदा अधिकारियों को सोमवार तड़के 'सर्जिकल स्ट्राइक' का निर्देश दे दिया गया। इसका नेतृत्व सौंपा गया एसपी देहात सुरेश चंद्र रावत को। सुनियोजित प्लानिंग और सटीक निशानों के साथ गोवर्धन, बरसाना, कोसीकलां और शेरगढ़ थाना क्षेत्रों में पुलिस की टीमों ने ताबड़तोड़ कार्रवाई करते हुए शातिरों को धर दबोचा। किसी को सोते समय दबोचा तो किसी को खेत की ओर जाते समय। किसी ने भागने की कोशिश की तो दौड़ा-दौड़ा कर पकड़ लिया। किसी के परिजन आड़े आए लेकिन, पुलिस के तेवर देख उन्होंने कदम पीछे कर लिए।

इस कार्रवाई का जब कंपाइलेशन किया गया तो कार्रवाई की चपेट में आए तो पकड़े गए शातिरों का आंकड़ा पहुंच गया 90। पुलिस की इस कार्रवाई से चारों थाना क्षेत्रों में साइबर ठगों और उनके मददगारों में हड़कंप मच गया।

पुलिस उनके आपराधिक रिकॉर्ड, मोबाइल फोन, बैंक खातों, डिजिटल लेनदेन और साइबर अपराध से संभावित संबंधों की गहन जांच कर रही है। कोसीकलां थाना क्षेत्र के शाहपुर चौकी अंतर्गत ग्राम शाहपुर, नगला उटावर और नगला सिरोही क्षेत्र में पुलिस टीम ने छापेमारी की।इस दौरान पुलिस ने टटलू गिरोह से जुड़े करीब 40 से 50 संदिग्ध लोगों को हिरासत में लिया है। पुलिस सभी से पूछताछ कर गिरोह के नेटवर्क, मुख्य सरगनाओं और ठगी से जुड़े अन्य पहलुओं की जानकारी जुटा रही है। राजस्थान और हरियाणा सीमा से सटे इन क्षेत्रों में लंबे समय से टटलू गिरोह की गतिविधियां सामने आती रही हैं। यह गिरोह लोगों को नकली सोना, सस्ते दामों पर सामान या अन्य लालच देकर अपने जाल में फंसाता था। आरोपी पहले लोगों का विश्वास जीतते थे और फिर सुनसान स्थानों पर बुलाकर नकली धातु देकर रकम हड़पने जैसी घटनाओं को अंजाम देते थे। पुलिस अब गिरोह से जुड़े अन्य सदस्यों,आर्थिक लेन-देन और नेटवर्क की गहराई से जांच कर रही है।

एसएसपी श्लोक कुमार ने बताया कि मंगलवार को जिलेभर के कई स्थानों पर साइबर ठगों पर कार्रवाई की गई है। पूछताछ के लिए कुछ संदिग्धों को हिरासत में लिया गया है। गोवर्धन, बरसाना, शेरगढ़ और कोसीकलां के कुछ क्षेत्र पिछले कुछ समय से साइबर ठगों के नए गढ़ के रूप में उभर रहे थे। ये ठग फर्जी लॉटरी, सिम ब्लॉक करने, और बैंक अधिकारी बनकर देश भर के भोले-भाले लोगों को अपना शिकार बनाते रहे हैं। पुलिस प्रशासन के अनुसार, इस अभियान का मुख्य उद्देश्य इन ठगों के नेटवर्क को पूरी तरह से ध्वस्त करना है। इस ऑपरेशन के दौरान ड्रोन कैमरों की भी मदद ली गई। साथ ही, अन्य तकनीकी साधनों का भी इस्तेमाल किया जा रहा है।

केतन हत्याकांड में खुलासा, सिया ने प्रेमी से पहले ही कर ली थी शादी

पुणे। पुणे के चर्चित लोहागढ़ किला हत्याकांड में नया मोड़ सामने आया है। सूत्रों के अनुसार, मुख्य आरोपी सिया गोयल ने कारोबारी केतन अग्रवाल से तय शादी से कई महीने पहले ही अपने प्रेमी चेतन चौधरी से कथित तौर पर गुपचुप शादी कर ली थी। सूत्रों के मुताबिक, सिया गोयल और चेतन चौधरी ने करीब चार महीने पहले स्पेशल मैरिज एक्ट के तहत अपनी शादी का पंजीकरण कराया था। हालांकि, इसी साल फरवरी में सिया की सगाई पुणे के 25 वर्षीय रियल एस्टेट कारोबारी केतन अग्रवाल से हुई थी और दोनों की शादी नवंबर में होने वाली थी। बता दें कि 18 जून को लोहागढ़ किले पर केतन अग्रवाल की खाई में गिरने से मौत हो गई। जांच एजेंसियों को संदेह है कि यह एक सुनियोजित साजिश थी और सिया गोयल, केतन अग्रवाल से शादी नहीं करना चाहती थी। पुलिस अब इस दावे की जांच कर रही है कि दोनों ने कानूनी रूप से विवाह का पंजीकरण कराया था। अधिकारी यह भी पता लगा रहे हैं कि क्या विवाह प्रमाणपत्र मौजूद है, क्योंकि ऐसा दस्तावेज जांच में अहम साक्ष्य साबित हो सकता है। सूत्रों के अनुसार, विवाह पंजीकरण के दौरान गवाह के रूप में हस्ताक्षर करने वाले सिया के कॉलेज के दो दोस्तों से भी पूछताछ की जा रही है।

यूपीएससी, एसएससी और बैंकिंग की तैयारी के लिए

ग्रामीण छात्रों को अब नहीं जाना पड़ेगा शहर

आगरा के ग्रामीण क्षेत्रों में खुले 106 हाईटेक 'ई- ज्ञानालय', 1000 से अधिक डिजिटल अध्ययन संसाधनों से लैस हैं केंद्र

- युवाओं को गांव में ही मिल रही हाई-स्पीड इंटरनेट और मुफ्त डिजिटल शिक्षा की सुविधा
- ग्रामीण युवाओं के भविष्य निर्माण में मील का पत्थर साबित हो रहे ई- ज्ञानालय

टीएनएफ टुडे, आगरा।।

उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा और डिजिटल सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के लिए निरंतर धरातल पर कार्य कर रही है। इसी कड़ी में आगरा जनपद में ग्राम पंचायत स्तर पर स्थापित किए जा रहे 'ई-ज्ञानालय' (ई-लाइब्रेरी) ग्रामीण युवाओं और छात्र-छात्राओं के लिए सफलता और नई संभावनाओं के द्वार खोल रहे हैं। योगी सरकार की इस अभिनव पहल के तहत जनपद की 110 ग्राम पंचायतों में आधुनिक पुस्तकालय की सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं, जिनमें 106 नवीन ई-ज्ञानालयों की स्थापना की गई है। अब गांव के बच्चों को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए शहर की तरफ पलायन नहीं करना पड़ेगा।

हाई-स्पीड इंटरनेट और 1000 से अधिक संसाधनों की सुविधा

योगी सरकार के विजन के अनुरूप इन ई-ज्ञानालयों को पूरी तरह से हाईटेक बनाया गया है। यहां छात्र-छात्राओं के लिए हाई-स्पीड इंटरनेट, आधुनिक कंप्यूटर प्रणाली, डिजिटल ई-बुक्स, ऑडियो-विजुअल अध्ययन सामग्री और वीडियो लेक्चर की बेहतरीन सुविधा मौजूद है। इसके अलावा इंटरैक्टिव क्विज और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए हार्ड कॉपी पुस्तकों सहित 1000 से अधिक शिक्षण संसाधन उपलब्ध कराए गए हैं। इन पुस्तकालयों के सुचारू संचालन के लिए बाकायदा एक मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) भी लागू की गई है। ग्राम प्रधान की अध्यक्षता में एक प्रबंधन समिति का गठन किया गया है, जबकि दैनिक संचालन की जिम्मेदारी पंचायत सहायक को सौंपी गई है। ग्रामीणों के लिए निशुल्क पंजीकरण के साथ ये ई-ज्ञानालय प्रतिदिन न्यूनतम 8 घंटे संचालित होंगे।

यूपीएससी, एसएससी और बैंकिंग की तैयारी में जुटे युवा

इन ई-ज्ञानालयों का सकारात्मक प्रभाव अब ग्रामीण क्षेत्रों में साफ नजर आने लगा है। संसाधनों के अभाव में जो युवा अपनी पढ़ाई की लय खो चुके थे, वे अब यूपीएससी (वढरउ), एसएससी (ररउ), बैंकिंग सहित विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए इन डिजिटल प्लेटफॉर्म्स और ऑनलाइन संसाधनों का भरपूर उपयोग कर रहे हैं। छात्र-छात्राओं का कहना है कि ई-ज्ञानालय के शांत एवं प्रेरणादायक माहौल ने उन्हें पुनः शिक्षा से जुड़ने के लिए एक नई ऊर्जा दी है।

युवाओं के भविष्य निर्माण में मील का पत्थर साबित हो रहे ई- ज्ञानालय

मुख्य विकास अधिकारी प्रतिभा सिंह ने कहा कि प्रदेश सरकार की मंशा के अनुरूप ग्रामीण युवाओं को उनके गांव में ही बेहतर शैक्षणिक माहौल और आधुनिक डिजिटल सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए जनपद में 106 ई-ज्ञानालयों की स्थापना की गई है। हमारा मुख्य उद्देश्य ग्रामीण शिक्षा को सीधे डिजिटल युग से जोड़ना है। यह प्रयास न केवल दूरस्थ क्षेत्रों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तक पहुंच को आसान बना रहा है, बल्कि युवाओं के भविष्य निर्माण और ज्ञान आधारित सामाजिक परिवर्तन की एक मजबूत नींव भी तैयार कर रहा है। ग्रामीण युवा इन सुविधाओं का भरपूर लाभ उठा रहे हैं।

आदर्श बना बरीगवां खुर्द पंचायत का ई-ज्ञानालय

इस पूरी पहल में जनपद आगरा के जगनेर विकास खंड की ग्राम पंचायत बरीगवां खुर्द का ई- ज्ञानालय ग्रामीण छात्रों के लिए एक बेहतरीन रोल मॉडल बनकर उभरा है। यहां एक साथ 30 छात्र- छात्राओं के बैठने के लिए व्यवस्थित अध्ययन कक्ष बनाया गया है। बिजली जाने पर पढ़ाई बाधित न हो, इसके लिए इन्वर्टर की व्यवस्था है। साथ ही शुद्ध पेयजल (आर.ओ. वाटर) और हाई-स्पीड वाई-फाई की सुविधा भी उपलब्ध कराई गई है। यहां 1500 से अधिक पुस्तकों का शानदार संग्रह विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण अध्ययन सामग्री प्रदान कर रहा है।

इंडोनेशिया की पार्लियामेंट में गूंजे रामायण-महाभारत

पीए मोदी बोले- यही हमारे संबंधों का आधार है

एजेंसी, नई दिल्ली।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को जकार्ता की अपनी यात्रा के दूसरे दिन इंडोनेशिया की संसद को संबोधित किया। यह संबोधन उन्हें राष्ट्रपति प्राबोवो सुबियांतो द्वारा इंडोनेशिया के सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'बिंतंग आदिपूर्णा' से सम्मानित किए जाने के बाद हुआ। संसद को संबोधित करते हुए, पीएम मोदी ने भारत के प्रति गर्मजोशी, स्नेह और सम्मान के लिए इंडोनेशिया के लोगों का धन्यवाद किया।

उन्होंने मिले सम्मान के लिए आभार व्यक्त किया और राष्ट्रपति सुबियांतो के साथ अपनी गहरी दोस्ती और मजबूत कामकाजी संबंधों की सराहना करते हुए भारत-इंडोनेशिया संबंधों को और मजबूत करने की प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने कहा यहां आना मेरे लिए सौभाग्य की बात है। 140 करोड़ भारतीयों का प्रतिनिधित्व करते हुए और 'लोकतंत्र की जननी' के एक गर्वित नागरिक के तौर पर, मैं सभी भारतीयों की ओर से आपको शुभकामनाएं देता हूं... आज सुबह इंडोनेशिया के लोगों ने जो प्यार और गर्मजोशी भरा स्वागत किया, उसे मैं कभी नहीं भूल सकता। मुझे इंडोनेशिया का सर्वोच्च सम्मान प्राप्त करने का सौभाग्य भी मिला। मैं विनम्र और आभारी हृदय से अनगिनत भारतीयों के प्रति इंडोनेशियाई लोगों के स्नेह को स्वीकार करता हूं।

समुद्र भारत और इंडोनेशिया को जोड़ता है, अलग नहीं करता

दोनों देशों के बीच भौगोलिक निकटता का जिक्र करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भले ही उनकी राजधानियाँ हजारों किलोमीटर दूर हैं, लेकिन उनके बीच का समुद्री फासला सिर्फ 150 किलोमीटर के आसपास है। उन्होंने कहा कि दुनिया के कई हिस्सों में समुद्र ने जहाँ दूरियाँ पैदा की हैं, वहीं इसने भारत और इंडोनेशिया को हमेशा जोड़े रखा है। प्रधानमंत्री के अनुसार, दोनों देशों के बीच का समुद्री इलाका एक प्राकृतिक कड़ी है जो उनके साझा भविष्य को आकार दे रही है।

प्रधानमंत्री मोदी ने भारत और इंडोनेशिया के बीच सदियों पुराने रिश्तों पर जोर देते हुए कहा कि यहाँ तक कि उनके नाम भी हिंद महासागर के साथ गहरे ऐतिहासिक जुड़ाव को दर्शाते हैं। उन्होंने याद दिलाया कि पीढ़ियों से दोनों देशों के बंदरगाह व्यापार, सांस्कृतिक आदान-प्रदान और सभ्यताओं के मेल-जोल के केंद्र रहे हैं, जिन्होंने इस क्षेत्र को व्यापक दुनिया से जोड़ने में मदद की है।

मजबूत रणनीतिक साझेदारी का आह्वान

इस साझा विरासत को आगे बढ़ाते हुए, प्रधानमंत्री ने इंडोनेशिया से आग्रह किया कि वह द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत करने के लिए भारत के साथ मिलकर काम करे। विशाल हिंद महासागर से प्रेरणा लेते हुए, उन्होंने कहा कि दोनों देशों को अपनी समुद्री साझेदारी की अपार संभावनाओं का लाभ उठाना चाहिए और सहयोग, कनेक्टिविटी तथा क्षेत्रीय समृद्धि के नए रास्ते बनाते हुए अपने संबंधों को नई ऊंचाइयों पर ले जाना चाहिए।

प्रांत व्यवस्था के स्थान पर संभाग आधारित प्रणाली अपनाएगा संघ

आरएसएस की अखिल भारतीय.प्रांत प्रचारक बैठक 10 से 12 जुलाई तक कर्नाटक के बेलगावी में

राजेश मिश्रा

- प्रांत प्रचारक का पद होगा समाप्त, राज्य में सिर्फ एक होगा प्रचारक
- उप्र में ब्रज सहित हैं संघ के छह प्रांत, एक प्रांत में होंगे दो से तीन संभाग

आगरा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ अपने शताब्दी वर्ष के अवसर पर संगठनात्मक ढांचे में ऐतिहासिक बदलाव करने जा रहा है। 10 से 12 जुलाई तक कर्नाटक के बेलगावी में होने वाली अखिल भारतीय प्रांत प्रचारक बैठक मौजूदा प्रांत आधारित व्यवस्था की अंतिम बैठक होगी। इसके बाद संघ प्रांत व्यवस्था के स्थान पर संभाग आधारित प्रणाली लागू करेगा। संघ की ये व्यवस्था बदलते सामाजिक, प्रशासनिक और संगठनात्मक परिदृश्य में देखी जा रही है।

अब तक देशभर में संघ का कार्य 46 प्रांतों के माध्यम से संचालित होता रहा है। नई व्यवस्था लागू होने के बाद 85 संभाग संगठन की प्रमुख इकाई बनेंगे। इससे संगठन की पहुंच और कार्यक्षमता को और अधिक मजबूत बनाने का लक्ष्य रखा गया है। उप्र की बात करें तो संघ के छह प्रांत हैं। इनमें से एक ब्रज प्रांत हैं। आगरा में माधव भवन ब्रज प्रांत का मुख्यालय है। संघ जब संभाग व्यवस्था लागू करेगा तो ब्रज प्रांत में दो या तीन संभाग हो सकते हैं। तब संभाग प्रमुख को संभाग प्रचारक पुकारा जाएगा। इस व्यवस्था के साथ ही प्रांत प्रचारक का पद भी समाप्त हो जाएगा। राज्य स्तर पर राज्य प्रचारक पदाधिकारी तैनात होगा। पूरे राज्य में संघ के कार्यकलापों के संचालन के लिए राज्य प्रचारक ही सक्षम होंगे। राज्य प्रचारक की अपनी एक टीम होगी।

संघ के भीतर इस बदलाव को केवल प्रशासनिक परिवर्तन नहीं बल्कि भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप एक व्यापक पुनर्गठन के रूप में देखा जा रहा है। संगठन का मानना है कि बढ़ती जनसंख्या, विस्तृत भौगोलिक क्षेत्र और तेजी से बदलते सामाजिक वातावरण में छोटे-छोटे संगठनात्मक क्षेत्रों के माध्यम से कार्य करना अधिक प्रभावी रहेगा। इससे स्थानीय स्तर पर संपर्क, संवाद और सेवा गतिविधियों का विस्तार अपेक्षाकृत अधिक गति से हो सकेगा।

बेलगावी में आयोजित होने वाली इस बैठक में संघ के सर्वोच्च नेतृत्व की उपस्थिति रहेगी। इसमें सरसंघचालक, सरकार्यवाह, अखिल भारतीय स्तर के सभी प्रमुख पदाधिकारी तथा देशभर के प्रांत प्रचारक शामिल होंगे। तीन दिनों तक चलने वाली इस बैठक में संगठन के आगामी कार्यक्रमों, शताब्दी वर्ष के आयोजनों और नई कार्यप्रणाली को अंतिम रूप दिए जाने पर विस्तृत चर्चा होने की संभावना है। इस बैठक में देशभर के सभी प्रांतों के प्रांत प्रचारक, सह प्रांत प्रचारक एवं क्षेत्र प्रचारक तथा सह क्षेत्र प्रचारक सहभागी होंगे। इस बैठक में संघ प्रेरित 32 विविध संगठनों के अखिल भारतीय संगठन मंत्री भी शामिल होंगे। संगठनात्मक ढांचे में यह परिवर्तन केवल वर्तमान व्यवस्था को बदलने तक सीमित नहीं है, बल्कि आने वाले दशकों की कार्ययोजना को ध्यान में रखकर तैयार किया गया कदम माना जा रहा है। नई व्यवस्था लागू होने के बाद निर्णय लेने की प्रक्रिया अधिक विकेंद्रीकृत होगी और क्षेत्रीय स्तर पर संगठन की सक्रियता बढ़ने की उम्मीद जताई जा रही है।

जानकारों का मानना है कि संभाग आधारित मॉडल से संघ को नए क्षेत्रों तक पहुंच बनाने, सेवा कार्यों का विस्तार करने और स्थानीय आवश्यकताओं के अनुसार योजनाएं लागू करने में सुविधा मिलेगी। छोटे संगठनात्मक क्षेत्र होने से कार्यकर्ताओं के बीच समन्वय बेहतर होगा और कार्यक्रमों के क्रियान्वयन में भी तेजी आएगी। राजनीतिक और सामाजिक विश्लेषकों की नजर भी इस बैठक पर बनी हुई है, क्योंकि संघ देश के सबसे बड़े स्वयंसेवी संगठनों में से एक है और उसके संगठनात्मक निर्णयों का प्रभाव व्यापक स्तर पर देखा जाता है।

झपकी आने पर कैंटर डिवाइडर पर चढ़ी, चालक घायल

टीएनएफ टुडे, फतेहाबाद।

थाना फतेहाबाद क्षेत्र के आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर मंगलवार सुबह चालक को नींद की झपकी आने के कारण कैंटर अनियंत्रित मध्य डिवाइडर पर चढ़कर पलट गई। हादसे में चालक घायल हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस व यूपीडा की टीम ने घायल को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया तथा कैंटर को क्रेन की मदद से सीधा करवाया गया।

कैंटर चालक हरिराम पुत्र रामूराम निवासी धोलिया थाना जनसगढ़ राजस्थान जो अहमदाबाद से लखनऊ जा रहा था। जैसे ही मंगलवार सुबह 5:00 बजे के करीब थाना फतेहाबाद क्षेत्र के आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे के किलोमीटर 18 पर पहुंचा तो कैंटर चालक को नींद की झपकी आने के कारण डिवाइडर पर चढ़कर पलट गई। हादसे में चालक घायल हो गया सूचना पर पहुंची पुलिस व यूपीडा की टीम ने घायल को उपचार के लिए अस्पताल भेजा तथा कैंटर को क्रेन की मदद से सीधा करवाया गया। यूपीडा सहायक सुरक्षा अधिकारी प्रथम राधामोहन द्विवेदी ने बताया कि केंटर चालक शराब के नशे में था और नींद आने के कारण डिवाइडर से टकराकर पलट गया था चालक को चोट आई है। जिसे अस्पताल में भेज दिया गया है।

पालीवाल पार्क से हरित आगरा अभियान का शुभारंभ

महापौर ने लगाया दुर्लभ अंकोल का पौधा

टीएनएफ टुडे, आगरा।

शहर को हरित और पर्यावरण के प्रति जागरूक बनाने की दिशा में सोमवार को पालीवाल पार्क से मानसून वृक्षारोपण अभियान का शुभारंभ किया गया। महापौर श्रीमती हेमलता दिवाकर कुशवाहा ने दुर्लभ देशी प्रजाति अंकोल का पौधा रोपित कर अभियान की शुरूआत की। इस अवसर पर बड़ी संख्या में पर्यावरण प्रेमियों, सामाजिक कार्यकताओं और प्रातःकालीन भ्रमणकताओं ने भी पौधारोपण किया। अधिवक्ता एवं पर्यावरणविद् के.सी. जैन ने बताया कि अंकोल भारत का अत्यंत दुर्लभ देशी वृक्ष है,जिसकी आगरा में संख्या बहुत कम है। पालीवाल पार्क में इसका केवल एक परिपक्व वृक्ष मौजूद है। उन्होंने कहा कि यह वृक्ष कम पानी में भी आसानी से विकसित हो जाता है, अत्यंत मजबूत होता है तथा इसकी जीवित रहने की संभावना लगभग शत-प्रतिशत मानी जाती है। भविष्य में इसे शहर के हरित अभियान का महत्वपूर्ण हिस्सा बनाया जा सकता है। वृक्षारोपण के बाद के.सी.जैन ने महापौर को ₹ग्रीन आगराझ्रस्वस्थ आगरा₹ की परिकल्पना पर आधारित कई सुझाव भी दिए। इनमें पूरे शहर में देशी वृक्षारोपण को बढ़ावा देना, वजीरपुरा प्रवेश मार्ग को ग्रीन कॉरिडोर के रूप में विकसित करना, सार्वजनिक पार्कों में आधुनिक झूले एवं ओपन जिम स्थापित करना, पालीवाल पार्क में नेचर इंटरप्रिटेशन सेंटर बनाना, प्रमुख वृक्षों पर नाम एवं उपयोगिता संबंधी पट्टिकाएं लगाना, जैव विविधता को बढ़ावा देना, नगर निगम परिसर में सुव्यवस्थित पार्किंग, आधुनिक प्राणी उद्यान की स्थापना तथा दीर्घकालिक ₹ग्रीन आगरा मिशन₹ शुरू करने जैसे प्रस्ताव शामिल रहे। के.सी.जैन ने कहा कि यदि इन सुझावों को चरणबद्ध तरीके से लागू किया जाए तो आगरा पर्यावरण संरक्षण, जनस्वास्थ्य और जैव विविधता के क्षेत्र में देश के अग्रणी शहरों में शामिल हो सकता है। महापौर हेमलता दिवाकर कुशवाह ने सभी सुझावों को गंभीरता से सुना और पर्यावरण संरक्षण एवं नागरिक हित से जुड़े विषयों पर सकारात्मक विचार करते हुए आवश्यक कार्रवाई का आश्वासन दिया। कार्यक्रम में नगर निगम की उप आयुक्त सविता सिंह, किशोर जैन, डॉ. अनिल अग्रवाल, पार्षद धर्मवीर, अधिवक्ता टीकम सिंह कुशवाह,डॉ.मुकुल पंड्या सहित अनेक गणमान्य नागरिक, पर्यावरण प्रेमी एवं प्रातःकालीन भ्रमणकताओं ने सहभागिता की। सभी ने अधिक से अधिक देशी वृक्ष लगाने तथा ₹ग्रीन आगराझ्रस्वस्थ आगरा₹ के संकल्प को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया।

उपजिलाधिकारी ने किया सितोली गांव का निरीक्षण

खेरागढ़। शासन के निर्देश पर चल रहे विशेष अंश निर्धारण अभियान के तहत सोमवार को उपजिलाधिकारी न्यायिक सदर संदीप यादव ने खेरागढ़ तहसील क्षेत्र के गांव सितोली में औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने किसानों के साथ बैठक कर खतौनी संबंधी शिकायतें सुनीं और राजस्व अधिकारियों को उनका त्वरित निस्तारण करने के निर्देश दिए। एसडीएम ने अभियान के तहत अंश निर्धारण करा चुके किसानों से भी बातचीत कर फीडबैक लिया। उन्होंने बताया कि सह-खातेदारों के नाम दर्ज होने और छोटे-छोटे विवादों के कारण अंश निर्धारण के लिए किसानों को न्यायालय के चक्कर लगाने पड़ते हैं, जिससे समय और धन दोनों की बबार्दी होती है। इसी समस्या के समाधान के लिए शासन ने राजस्व गांवों में विशेष अभियान चलाया है, ताकि किसानों को मौके पर ही राहत मिल सके।उन्होंने स्पष्ट कहा कि निरीक्षण की रिपोर्ट जिलाधिकारी को भेजी जाएगी। अभियान में लापरवाही बरतने वाले लेखपालों और राजस्व कर्मियों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।

पड़ोसी की पत्नी को घर में रखने का आरोप

फतेहपुर सीकरी। थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम पंचायत नगर सीकरी चार हिस्सा में अपने पड़ोसी की ही पत्नी को अपने घर में रखने का आरोप लगाते हुए पीड़ित पति ने ग्रामीणों के संग थाना फतेहपुर सीकरी पुलिस व एसीपी अछनेरा को शिकायती पत्र देते हुए आरोपी के खिलाफ कार्रवाई व पत्नी को दिलाए जाने की मांग की है। ग्राम पंचायत नगर सीकरी हिस्सा चार निवासी एक युवक ने बस्ती के लोगों के साथ एसीपी अछनेरा को शिकायती पत्र देते हुए आरोप लगाया है कि उसकी बस्ती के रहने वाले रोहित पुत्र रामेश्वर ने उसकी पत्नी व दो साल की बच्ची को अपने घर में जबरन रख रखा है। जब वह आरोपी युवक के घर शिकायत करने गया तो रोहित उसके माता-पिता बहनों ने उसके साथ गंदी गंदी गालियां देते हुए मारपीट की है। एसीपी निर्देश पर कस्बा इंचार्ज ने पुलिस बल के साथ आरोपी के घर पहुंच मामले की जानकारी के बाद पीड़ित को उचित कार्यवाही का भरोसा दिया है।

अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार की मौत

फतेहाबाद। आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस वे पर सोमवार की रात अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत सूचना पर पहुंची पुलिस व यूपीडा की टीम ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार दीपक कुमार पुत्र बृजपाल निवासी 41/ 8 काशीराम आवास योजना पारा मानकनगर लखनऊ बाइक लखनऊ से नोएडा जा रहे थे। सोमवार की रात 12:20 बजे के करीब थाना फतेहाबाद क्षेत्र के आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे के किलोमीटर 30 पर पहुंचा तो पीछे से अज्ञात वाहन ने बाइक में टक्कर मार दी। जिससे बाइक सवार युवक की मौके पर ही मौत हो गई। सूचना मिलने पर फतेहाबाद पुलिस व यूपीडा की टीम मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। वहीं परिजन के मुताबिक दीपक नोएडा में कार चलाते हैं। यूपीडा के सहायक सुरक्षा अधिकारी प्रथम सुधीश कुमार शुक्ला ने बताया कि अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार युवक मौत हो गई।शव को पुलिस ने पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

दबंगों ने फिर रोकी दलित की बारात

पुलिस ने दिखाई सतर्कता, रातभर तैनात रहा फोर्स

फतेहाबाद। थाना निबोहरा क्षेत्र के गांव रामपुर में दलित समाज की बारात को लेकर सोमवार शाम उत्पन्न हुआ विवाद पुलिस की सतर्कता से शांत हो गया। तनावपूर्ण माहौल को देखते हुए पुलिस प्रशासन ने पूरी रात गांव में सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखी। मंगलवार सुबह दुल्हन की विदाई भी पुलिस की मौजूदगी में सकुशल कराई गई। रामपुर निवासी गुरचरण सिंह वाल्मीकि की पुत्री जसोदा की बारात बिचपुरी क्षेत्र के गांव सैंथा निवासी जितेंद्र पुत्र सोहन की आई थी। बारात निकालने के लिए परंपरागत मार्ग के बजाय दूसरे रास्ते का चयन किए जाने पर कुछ ग्रामीणों ने आपत्ति जताई, जिससे दोनों पक्ष आमने-सामने आ गए। सूचना मिलते ही निबोहरा सहित मंसुखपुरा, फतेहाबाद, शमशाबाद और इरादतनगर थानों का पुलिस बल मौके पर पहुंच गया। एसीपी शमशाबाद राजीव रंजन तथा डीसीपी पूर्वी अभिषेक अग्रवाल ने दोनों पक्षों से वार्ता कर मामला शांत कराया। इसके बाद कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच बारात निकाली गई। तनाव की आशंका को देखते हुए पुलिस बल पूरी रात गांव में तैनात रहा। मंगलवार सुबह दुल्हन की विदाई भी सुरक्षा घेरे में शांतिपूर्वक कराई गई। सहायक पुलिस आयुक्त शमशाबाद राजीव रंजन ने बताया कि बारात के मार्ग को लेकर दो पक्षों में विवाद की स्थिति बनी थी। एहतियातन सर्किल का पुलिस बल दुल्हन की विदाई तक गांव में तैनात रखा गया।

बच्चों के विवाद पर महिलाओं में मारपीट

टीएनएफ टुडे, शमसाबाद।

थाना क्षेत्र के गांव मधुपुर में मंगलवार सुबह करीब 8 बजे बच्चों के मामूली विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। आरोप है कि दो महिलाओं ने पड़ोसी के घर में घुसकर एक महिला के साथ मारपीट की। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

बताया गया कि बच्चों के बीच हुए विवाद के बाद दोनों परिवारों में कहासुनी हुई थी। आरोप है कि इसके कुछ देर बाद दोनों आरोपित महिलाएं पीड़िता के घर में घुस गईं और उसके साथ मारपीट करने लगीं। अचानक हुए इस हमले से पीड़िता खुद को बचा नहीं पाई। आसपास के लोगों ने शोर सुनकर मौके पर पहुंचकर बीच-बचाव किया। घटना के बाद पीड़िता ने शमसाबाद थाने में शिकायत दर्ज कराई है। उसने आरोपित महिलाओं के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। उधर, मारपीट का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसे पुलिस ने अपनी जांच का आधार बनाया है। शमसाबाद थाना प्रभारी निरीक्षक सुरेंद्र राव ने बताया कि मामले की शिकायत मिल गई है। मामले की जांच की जा रही है। दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

...और सैन्य छावनी में तब्दील हो गया श्री राम आदर्श महाविद्यालय, पनवारी

कंप में नेतृत्व क्षमता का विकास होता है:- कर्नल दीपक जुयाल

- 6 जुलाई से 15 जुलाई, दस दिनों तक चलेगा कंप

टीएनएफ टुडे, आगरा।

आगरा। वन यूपी बटालियन एनसीसी, आगरा द्वारा दस दिवसीय संयुक्त वार्षिक प्रशिक्षण शिविर (सी ए टी सी-6) का आयोजन श्री राम आदर्श महाविद्यालय पनवारी में प्रारंभ हुआ।ओपनिंग एड्रेस में कैंप कमांडेंट कर्नल दीपक जुयाल ने कैडिटों को संबोधित करते हुए कहा कि अनुशासन का पालन करना साथ ही कैंप की ट्रेनिंग को पूरी एकाग्रता से करने पर नेतृत्व क्षमता का विकास होता है। कैंप के दौरान जल के उचित प्रयोग, हाइजीन और सेनिटेशन पर ध्यान देने पर विशेष जोर दिया। जाति धर्म क्षेत्र से ऊपर उठकर अनेकता में एकता का परिचय देकर आदर्श कैडिट बनने पर जोर दिया।उन्होंने आगे कहा कि कैंप का उद्देश्य कैडिटों को सैन्य जीवन की जानकारी देना जिससे वह भविष्य में सेना में अपना करियर बनाने को प्रेरित हो सकें। कैम्प में सूबेदार मेजर निर्मल सिंह ने बताया कि ओपनिंग एड्रेस के बाद फायर फाइटिंग की टीम के द्वारा कैडिटों को प्रशिक्षित किया गया। कैंप में मेजर शम्भूजी पांडे ने नेतृत्व क्षमता के विकास में किन गुणों की आवश्यकता होती है पर व्याख्यान दिया।कैंप में डी ई आई, आगरा कॉलेज,सैंट जोन्स कॉलेज,श्री राम आदर्श महाविद्यालय,सरस्वती विद्या मंदिर,कमला नगर, सेंट कॉनरैड, महाराजा अग्रसेन आदि के छात्र व छात्रा एनसीसी कैडिटों ने भाग लिया। कैम्प में मेजर शंभूजी पांडे, कैप्टेन मनीष कुमार, लेफ्टिनेंट वरुण कुमार, फर्स्ट अफसर ज्ञानेंद्र तिवारी, फर्स्ट अफसर विकास मिश्रा, सेकंड अफसर रजनी कैडिटों के साथ उपस्थिति रहे। कैंप की सभी व्यवस्थाएं सूबेदार मेजर निर्मल सिंह,सूबेदार बृजपाल सिंह,सूबेदार राजेंद्र लाल शाह, नायब सूबेदार एच आर यादव(ट्रेनिंग जेसीओ), नायब सूबेदार श्याम बुधाथोकि , नायब सूबेदार योगेश सिंह, नायब सूबेदार छब्बी लाल राणा हवलदार महेंद्र सिंह व हवलदार मोइनुद्दीन(बी एच एम) ने संभाली।

द आगरा शू फैक्टर्स फेडरेशन के दूसरी बार निर्विरोध निर्वाचित अध्यक्ष विजय सामा के शपथ ग्रहण एवं स्वागत समारोह में उमड़े जूता व्यापारी

टीएनएफ टुडे, आगरा।

वर्ष 1956 से सेवा, एकता, समर्पण और विश्वास जैसे मानवीय मूल्यों के साथ सशक्त नेतृत्व और समृद्ध उद्योग को अनवरत समर्पित द आगरा शू फैक्टर्स फेडरेशन द्वारा हींग की मंडी स्थित फेडरेशन के नवनिर्मित भव्य सभागार में मंगलवार को फेडरेशन के दूसरी बार निर्विरोध निर्वाचित अध्यक्ष विजय सामा को को निर्वाचन अधिकारी चाँद दीवान और प्रदीप मेहरा द्वारा अध्यक्ष पद की शपथ ग्रहण करवाई गई। इस दौरान दूसरी बार निर्विरोध निर्वाचित अध्यक्ष विजय सामा के स्वागत के लिए जूता व्यापारी उमड़ पड़े।

व्यापारियों ने उनका फूल मालाओं, साफों, पटकों, बुके से हार्दिक स्वागत किया। विकास की पहचान विजय सामा, व्यापारियों की शान विजय सामा जैसे नारे लगाए गए। इससे पूर्व अध्यक्ष विजय सामा ने फेडरेशन के संस्थापक व्यापारी नेता स्वर्गीय श्री राजकुमार सामा की प्रतिमा पर माल्यार्पण करके कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ किया।व्यापारियों ने विजय सामा को व्यापारियों का सच्चा हितेषी बताते हुए उनके कार्यकाल की मुक्त कंठ से प्रशंसा की। कार्यक्रम का संचालन करते हुए अजय महाजन ने बताया कि जीएसटी विभाग छोटी-छोटी बातों पर माल रोक लेता था। व्यापारियों का उत्पीड़न करता था किंतु विजय सामा जी के अध्यक्ष बनने के बाद उनके प्रयासों से यह समस्या दूर हो गई। नगर निगम का मैन्युफैक्चरिंग टैक्स भी खत्म करवाया। फेडरेशन के सभागार का भी नव निर्माण करवाया। इस दौरान संगठन की शक्ति और व्यापारियों की एकता भी बड़ी और यही वजह रही कि विजय सामा जी को दूसरी बार निर्विरोध अध्यक्ष निर्वाचित किया गया। भाव भरे स्वागत से अभिभूत अध्यक्ष विजय सामा ने सभी का आभार जताते हुए कहा कि हम व्यापारिक समस्याओं के लिए प्रतिबद्ध हैं। फेडरेशन के संस्थापक स्वर्गीय श्री राजकुमार सामा जी आज भी हम सबके दिलों में जिंदा हैं। उनसे प्रेरणा लेकर व्यापारी हित में हमेशा संघर्ष जारी रहेगा। समारोह में शोभाराम पुरुषनानी, नरेंद्र पुरुषनानी (जेठा भाई), रंजीत सामा, एफमेक के उपाध्यक्ष रूबी सहगल, टेकचंद, प्रमोद महाजन, अनिल अरोड़ा, दलप्रीत सिंह, संजय अरोड़ा, सोल एसोसिएशन के अध्यक्ष चंद्र मोहन सचदेवा, फोम एसोसिएशन के अध्यक्ष रामनाथ डंग, श्याम भोजवानी,संजय मगन, धर्मपाल कश्यप, गुन्नी भाई, राजू भाई, घनश्याम रोड़ा, चतरूमल जी, हितेश, अजय महाजन, हरीश वनजानी और घनश्याम लालवानी भी प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

हेलीकॉप्टर से ससुराल पहुंची दुल्हन

सिर्फ 10 मिनट का सफर, महिलाओं ने मंगलगीत गाकर किया स्वागत

आगरा। मंगलवार को गांव रजरई में सुबह उस समय लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी, जब दुल्हन हेलीकॉप्टर में सवार होकर अपनी ससुराल पहुंची। हेलीकॉप्टर के उतरने की सूचना मिलते ही आसपास के गांवों से बड़ी संख्या में लोग मौके पर पहुंच गए। महिलाओं ने मंगलगीत गाकर स्वागत किया।

रजरई निवासी किसान राम विनोद उपाध्याय के पुत्र अंशु उपाध्याय की बारात सोमवार को थाना डौकी क्षेत्र के गांव पावासर नगरिया कुंडौल में राकेश कुमार शर्मा के यहां गई थी। अंशु उपाध्याय स्नातक की पढ़ाई कर रहे हैं। विवाह के बाद दुल्हन ऋतु शर्मा की विदाई हेलीकॉप्टर से कराई गई। बताया गया कि हेलीकॉप्टर ने सुबह 10:20 बजे पावासर नगरिया से उड़ान भरी और करीब 10:30 बजे मात्र 10 मिनटमें रजरई स्थित लंबरदार कृषि फार्म हाउस में बनाए गए हेलीपैड पर सुरक्षित लैंड किया। हेलीकॉप्टर को देखने के लिए बड़ी संख्या में लोग मौके पर पहुंचे। बच्चों और युवाओं ने मोबाइल फोन से फोटो और वीडियो बनाए। दुल्हन की हेलीकॉप्टर से विदाई पूरे क्षेत्र में चर्चा का विषय बनी रही। महिलाओं ने मंगलगीत गाकर नवविवाहिता का भव्य स्वागत किया।

रैली निकाल रोगों प्रति किया जागरूक

संचारी रोग नियंत्रण को लेकर निकाली जन जागरूकता रैली

फतेहाबाद। संचारी रोग नियंत्रण अभियान के तहत मंगलवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र फतेहाबाद की ओर से जागरूकता रैली निकाली गई। रैली का शुभारंभ उपजिलाधिकारी स्वाति शर्मा ने हरी झंडी दिखाकर किया। इस दौरान एसीएमओ डॉ. पीयूष जैन भी मौजूद रहे। संचारी रोग नियंत्रण अभियान 31 जुलाई तक संचालित किया जा रहा है। जबकि दस्तक अभियान 11 जुलाई से 31 जुलाई तक चलेगा। अभियान का उद्देश्य लोगों को संचारी रोगों की रोकथाम, स्वच्छता, साफ-सफाई, मच्छर जनित बीमारियों से बचाव तथा समय पर उपचार के प्रति जागरूक करना है। जागरूकता रैली सीएचसी परिसर से शुरू होकर कस्बे के प्रमुख मार्गों से होकर गुजरी। स्वास्थ्य कर्मियों ने लोगों को स्वच्छ वातावरण बनाए रखने, घरों के आसपास जलभराव न होने देने, साफ पानी का उपयोग करने तथा बुखार या अन्य लक्षण दिखाई देने पर तत्काल स्वास्थ्य केंद्र पर जांच कराने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर सीएचसी अधीक्षक डॉ. अभिषेक चौहान सहित चिकित्सक, स्वास्थ्य कर्मी, आशा एवं एएनएम मौजूद रहीं।

फेम ने आरबीआई को बताईं व्यापारियों की समस्याएं

आगरा। फेडरेशन ऑफ आल इंडिया व्यापार मंडल के प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह सोबती ने मंगलवार को व्यापारी/उपभोक्ता को होने वाली दिक्कतों की जानकारी दी। उन्होंने समस्याओं के समाधान संबंधी सुझाव का एक पत्र वित्तमंत्री, भारत सरकार एवं आरबीआई के गवर्नर संजय मल्होत्रा को लिखा। उन्होंने सबसे ज्यादा केवाईसी के नाम पर आने वाली परेशानी का उल्लेख किया। कहा कि केवाईसी को लेकर खाता बंद भी कर दिया जाता है। जो खाता नियमित चल रहा होता है। तब भी इसी का बहाना बनाया जाता है। जबकि उसमें कोई परिवर्तन न होने पर भी कागजात मांगे जाते हैं। उन्होंने ऐसी सभी समस्याओं के समाधान के लिए आरबीआई को अपने सुझाव भी दिए।

सीएचसी की व्यवस्थाओं को परखा

टीएनएफ टुडे, फतेहाबाद।

मंगलवार को उपजिलाधिकारी व एसीएमओ ने सीएचसी की व्यवस्थाओं को परखा सुधार को लेकर विचार विमर्श किया गया। जहां कुछ दिन पूर्व उपजिलाधिकारी फतेहाबाद स्वाति शर्मा के द्वारा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र फतेहाबाद का निरीक्षण किया गया था जिसमें प्रसव केंद्र में गंदगी सहित अन्य कमियां मिली थी जिसको लेकर उच्चाधिकारी को पत्र लिखा गया था इसी को लेकर मंगलवार को एसीएमओ डॉ. पीयूष जैन व उपजिलाधिकारी फतेहाबाद स्वाति शर्मा के द्वारा सीएचसी पर पहुंचे जहां गंदगी सहित अन्य समस्याओं को लेकर विचार-विमर्श किया तथा प्रसव केंद्र को पीछे खाली पड़ी जगह में स्थापित करने को लेकर विचार विमर्श हुआ। उपजिलाधिकारी फतेहाबाद स्वाति शर्मा से बात करने पर बताया कि सीएचसी पर समस्याओं को लेकर एसीएमओ के साथ बातचीत हुई थी जिसमें प्रसव केंद्र को पीछे खाली जगह में शिफ्ट करने सहित अन्य पर विचार विमर्श हुआ है।

डेढ़ घंटे बिना टोल निकलते रहे वाहन

टोल मैनेजर और कर्मचारियों में विवाद, गाली-गलौज

- तहरीर पर चार कर्मचारियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज

टीएनएफ टुडे, फतेहाबाद।

आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे के टोल प्लाजा 21 पर टोल मैनेजर के साथ शराब के नशे में गाली-गलौज करने पर चार कर्मचारियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गय। विरोध में कर्मचारी धरने पर बैठ गए। इस बीच करीब डेढ़ घंटे तक बिना टोल के वाहन गुजरते रहे। चारों कर्मचारियों के खिलाफ पुलिस ने शांतिभंग में कार्रवाई की गई। टोल प्रबंधन ने नौकरी से निकाला।

आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर काम करने वाले टोल कर्मचारियों के द्वारा टोल प्रबंधन को अपनी मांगों को लेकर पूर्व में ज्ञापन दिया गया था। जिसमें टोल प्रबंधन के द्वारा 8 घंटे नियमित ड्यूटी एक साप्ताहिक अवकाश तथा नियमानुसार मानदेय देने की बातों को मान लिया था। जिसके तहत जुलाई माह से यह व्यवस्था लागू की गई थी। जिसको लेकर कुछ कर्मचारियों के द्वारा विरोध किया जा रहा था।

एक कर्मचारी के द्वारा सोमवार की शाम व्हाट्सएप ग्रुप पर इस व्यवस्था के विरोध में फांसी लगाने की धमकी दी थी। जिस पर टोल प्लाजा के प्रोजेक्ट मैनेजर प्रमोद धनगर के द्वारा कर्मचारियों को समझाया जा रहा था। तभी कुछ कर्मचारी नशे में टोल मैनेजर को गाली-गलौज करने लगे। जिसकी सूचना मैनेजर के द्वारा थाना फतेहाबाद पुलिस को दी गई। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और चार कर्मचारियों को मौके से पकड़ लिया। इस पर अन्य कर्मचारी टोल संचालन बंद कर धरने पर बैठ गए। जिससे रात्रि 12:00 बजे से 1:30 तक निर्बाध वाहन निकलते रहे। जहां टोल प्रबंधक के द्वारा कर्मचारियों से बातचीत कर समझाया गया। तभी वह काम पर लौटे। जहां डेढ़ घंटे में लगभग 700 के करीब वाहन बिना टोल दिए निकले। जिससे लगभग 7 से 8 लाख रुपए का टोल प्रबंधन को नुकसान हुआ है।

टोल प्लाजा के प्रोजेक्ट मैनेजर प्रमोद कुमार धनगर की तहरीर पर सचिन गोस्वामी पुत्र शिवशंकर निवासी दीनूकि थाना टूण्डला फिरोजाबाद, हरिगोविन्द सिंह पुत्र स्वरूप सिंह निवासी बिरेहरू थाना सैंया आगरा, दिलीप पाण्डेय पुत्र रमेश बाबू पाण्डेय निवासी सेमरा अतिकाबाद थाना सिरसागंज जनपद फिरोजाबाद, राजू यादव पुत्र शान्तिलाल निवासी मलगाँव थाना सकीट जनपद एटा के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। वहीं चारों को शांतिभंग में भेजा गया।

चार कर्मचारियों को नौकरी से हटाया

टोल प्रबंधक प्रमोद कुमार धनगर ने बताया कि चार कर्मचारी मेरे साथ गाली-गलौज अभद्रता कर रहे थे। सूचना पर पहुंची पुलिस चारों कर्मचारियों को थाने ले गई है। इस पर टोल का कर्मचारियों ने बूम बैरियर हटा दिया। जिससे बिना टोल दिए लगभग 700 वाहन निकल गए। इससे टोल प्रबंधन को 7 से 8 लाख रुपए का नुकसान हुआ है। चारों कर्मचारियों को प्रबंधन तंत्र ने हटा दिया है।

महंगे शौक और महिला मित्रों पर रुतबा जमाने के लिए रात में बन जाते थे चोर, जीजा-साले गिरफ्तार;

2.82 लाख नकदी और 89.07 ग्राम सोना बरामद

टीएनएफ टुडे, आगरा।

आगरा पुलिस ने थाना सदर बाजार क्षेत्र में हुई लाखों रुपये की चोरी का सनसनीखेज खुलासा करते हुए जीजा-साले की एक ऐसी शातिर चोर जोड़ी को गिरफ्तार किया है, जो अपने महंगे शौक पूरे करने और महिला मित्रों पर रुतबा जमाने के लिए रात के अंधेरे में बंद मकानों को निशाना बनाती थी। पुलिस ने दोनों आरोपियों को उखर्रा रोड स्थित 16 बीघा के पास मुर्गी फार्म के निकट से गिरफ्तार किया। उनके कब्जे से 89.07 ग्राम सोना, 2.82 लाख रुपये नकद तथा चोरी में प्रयुक्त एक मोटरसाइकिल बरामद की गई है।पुलिस के अनुसार, 18 जून को थाना सदर बाजार क्षेत्र की एक महिला ने शिकायत दर्ज कराई थी कि 16 और 17 जून की रात वह घर में अकेली होने के कारण अपने पुराने मकान पर चली गई थी। इसी दौरान अज्ञात चोरों ने उसके घर का ताला तोड़कर अलमारी में रखे सोने-चांदी के जेवरात और नकदी चोरी कर ली। सूचना मिलते ही थाना सदर बाजार पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। जांच के दौरान पुलिस ने घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली, तकनीकी साक्ष्य जुटाए और मुखबिर तंत्र को सक्रिय किया। सटीक सूचना मिलने पर पुलिस टीम ने उखर्रा रोड स्थित 16 बीघा के पास से दो आरोपियों रजनीकांत उर्फ चण्डी और विजय को गिरफ्तार कर लिया।

पूछताछ में दोनों ने कबूल किया कि वे आपस में जीजा-साले हैं और उन्होंने ही उखर्रा रोड स्थित शांति फार्म हाउस के पास एक बंद मकान का ताला तोड़कर चोरी की थी। आरोपियों ने मकान की ऊपरी मंजिल पर रखी अलमारी से जेवरात और एक लाख रुपये नकद चोरी किए थे। चोरी के बाद उन्होंने आभूषणों को गलवाकर उनका कुछ हिस्सा राह चलते एक व्यक्ति को बेच दिया और उससे मिले रुपये आपस में बांट लिए। पुलिस पूछताछ में यह भी सामने आया कि दोनों आरोपी चोरी से मिले पैसों को महंगे शौक, मौज-मस्ती और महिला मित्रों पर खर्च करते थे। खर्च के बाद बची हुई 2.82 लाख रुपये नकद और 89.07 ग्राम सोना पुलिस ने बरामद कर लिया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान रजनीकांत उर्फ चण्डी पुत्र जयकिशन उर्फ मुन्ना निवासी रंगनाथ टॉकीज, खटीकपाड़ा, घटिया आजम खां, थाना हरिपर्वत तथा विजय पुत्र मुकेश कुमार निवासी नंगला टेकचंद, देवरी रोड, थाना सदर बाजार, आगरा के रूप में हुई है। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ विधिक कार्रवाई करते हुए उन्हें न्यायालय में पेश किया है। साथ ही चोरी के माल की खरीद-फरोख्त में शामिल अन्य लोगों की भूमिका की भी जांच की जा रही है।

किराए पर स्कूटी लेकर रखते थे गिरवीं

- दो युवकों को गिरफ्तार कर छह स्कूटी की बरामद
- मथुरा से चार स्कूटी ली थी किराए पर

टीएनएफ टुडे, आगरा।

किराए पर स्कूटी लेने के बाद वे गिरवीं रखते थे। उनके पैसों को शौच मौत मस्ती में खर्च कर देते थे। थाना रकाबगंज पुलिस ने ऐसे दो युवकों को पकड़ा और उनके पास से आधा दर्जन स्कूटी बरामद की। इन्होंने मथुरा से भी चार स्कूटी किराए पर ली थी। एसीपी सदर ने बताया औलिया रोड स्थित चीलगढ़ पर एक युवक राज मोटर्स के नाम से मोटर्स का गैराज चलाता है। वह स्कूटी किराए पर देता है। तीन जुलाई को उसने रिषभ पुत्र कृष्ण कुमार निवासी कोटला रोड फिरोजाबाद और रिषभ कुमार पुत्र अजय सुहाग नगर फिरोजाबाद को दो स्कूटी किराए पर दी थी। उसी दिन से दोनों गायब हो गए और स्कूटी को जमा नहीं कराया। उसकी काफी दिनों तक तलाश भी की, लेकिन उनका पता नहीं चला। इसकी जानकारी मोटर्स मालिक ने थाने पर आकर दी। थाने पर मुकदमा दर्ज किया गया। दोनों को पकड़ने के लिए एक पुलिस टीम का गठन किया गया। थाना रकाबगंज के प्रभारी निरीक्षक योगेश कुमार ने मुखबिर की सूचना पर दोनों को डॉ. अम्बेडकर चौक मेट्रो स्टेशन के पास से पकड़ लिया। पूछताछ में पता चला कि ये स्कूटी को किराए पर लेने के बाद उसे मोटी रकम में गिरवीं रख देते हैं। उन पैसों को शौक मौज में खर्च कर देते थे। इन्होंने मथुरा से भी चार स्कूटी किराए पर ली थी। दोनों को न्यायालय में पेश करने के बाद जेल भेजा जाएगा।

कांग्रेसियों की गूंज से घबरा गई सरकार

तानाशाही प्रशासन ने कांग्रेसियों को किया अरेस्ट

- कई कांग्रेसियों को जबरन पड़कर ले गई पुलिस

टीएनएफ टुडे, आगरा।

अयोध्या में भगवान श्री राम मंदिर में श्रद्धालुओं के द्वारा दिए गए चंदे की चोरी को लेकर मंगलवार को कांग्रेस जिला अध्यक्ष रामनाथ सिकरवार के नेतृत्व में कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं एवं कार्यकताओं सहित समाज के समाजसेवियों ने एक सद्बुद्धि यात्रा निकाल जो कि छिपी टोला स्थित जैन मंदिर से शुरू होकर बिजलीघर, सुभाष बाजार चौराहा जोहरी बाजार, रावत पाडा होते हुए मनकामेश्वर महादेव मंदिर पर समापन होना था यात्रा को पुलिस प्रशासन द्वारा बीच में ही रोक दिया गया कांग्रेस कार्यकताओं और पुलिस के बीच में काफी नोंक झोंक हुई जिसमें कांग्रेस के पूर्व शहर प्रवक्ता अनुज शिव हरे सहित कई कांग्रेस कार्यकताओं को पुलिस जबरन अपने साथ थाने ले गई। और यात्रा को बीच में ही रोक दिया गया। कांग्रेस जिला अध्यक्ष रामनाथ सिकरवार ने पुलिस प्रशासन के द्वारा सद्बुद्धि यात्रा को रोके जाने को लेकर इसे लोकतंत्र और संविधान की हत्या बताया। और कहा कि बीजेपी की केंद्र व राज्य सरकार कांग्रेस के नेता हुआ कार्यकताओं से घबरा गई है इसलिए पुलिस प्रशासन द्वारा सद्बुद्धि यात्रा को रोका गया है। कांग्रेस जिला अध्यक्ष ने कहा कि अयोध्या में प्रभु श्रीराम के मंदिर में चढ़ावे की चोरी और अनियमितताओं एवं देश के लाखों श्रद्धालुओं की आस्था की हत्या सरकार ने की है और यह विश्वास से जुड़ा गंभीर विषय हैं और इसी जवाबदेही सुनिश्चित करने के उद्देश्य से सद्बुद्धियात्रा निकाली गई लेकिन कार्यक्रम के दौरान #पुलिस के माध्यम से हमें रोकने का प्रयास किया गया लोकतंत्र में अपनी बात रखना प्रत्येक नागरिक का अधिकार है। और साथ ही कहा कि चंदे की चोरी की पारदर्शिता को लेकर हम सरकार से पूरी ईमानदारी से निष्पक्ष जांच की माँग करते हैं । जिला अध्यक्ष ने सरकार पर बरसती हुई कहा कि प्रधानमंत्री मोदी श्रीरामभक्त श्रद्धालुओं, युवाओं ,किसानों, छात्रों और आम जनता की उठती आवाजें संदेश दे रही हैं कि देश जवाब चाहता है दबाने औरडराने से हमारी आवाजों को आप नहीं रोक सकते समाधान संवाद और पारदर्शिता से होता है, दमन से नहीं। पूर्व शहर अध्यक्ष देवेंद्र चीलू जी ने कहा कि आस्था के पावन केंद्र को भी अपनी कमाई का जरिया बनाने वाले भ्रष्टाचारियों के खिलाफ आज कांग्रेस पार्टी का गुस्सा सड़कों पर फूट पड़ा धर्म को केवल राजनीति का मोहरा बनाने वाली भाजपा सरकार के इस घिनौने कृत्य और महापाप का सच देश, प्रदेश के प्रत्येक नागरिक तक पहुंचाने का संकल्प लेकर कांग्रेस का हर कार्यकर्ता संघर्ष करता रहेगा। इस दौरान अरुण शर्मा, देवेंद्र चिल्लू, राम टंडन, अनुज शिवहरे ,अनिल शर्मा, मनोज बोहरा, नवीन गर्ग, सत्येंद्र कैम, सत्येंद्र दुबे, सचिन चौधरी, अजहर वारसी, लता कुमारी प्रमोद कुमारी, पवन शर्मा अशोक चौधरी, अमीचंद, सी एम पाराशर , प्रकाश चंद्र दुबे बच्चू सिंह आदि समस्त कांग्रेस जन उपस्थित रहे।

ससुराल में पति ने पत्नी को चाकू से किया घायल

दोनों के बीच न्यायालय में चल रहा था मुकदमा

- पुलिस ने मौके पर पति को चाकू समेत किया गिरफ्तार

टीएनएफ टुडे, आगरा।

आगरा। थाना ताजगंज क्षेत्र के कोलिहाई में मंगलवार की शाम चार बजे एक युवक ने ससुराल में जाकर पत्नी पर चाकू से ताबड़तोड़ वार किए। जिससे वह गंड्डीर रूप से घायल हो गई। इस पर वहां चीख पुकार मच गई। सूचना पर पहुंची थाना ताजगंज पुलिस ने महिला के पति को चाकू समेत पकड़ लिया। एसीपी ताजगंज ने बताया कोलिहाई की रहने वाली कुंती की शादी डौकी के रहने वाले रनवीर के साथ हुई थी। शादी के बाद दोनों के बीच किसी बात को लेकर हुए मनमुटाव से कुंती मायके में आ गई। मामला न्यायालय में तक पहुंच गया। मंगलवार की शाम करीब चार बजे रनवीर ससुराल कोलिहाई पहुंचा और पत्नी कुंती पर चाकू से कई वार किए। जिससे वह घायल हो गई। लोगों से मिली सूचना के आधार पर रनवीर को मौके पर जाकर पकड़ लिया और उससे चाकू ड्डाी बरामद कर लिया। घायल कुंती को इलाज के लिए अस्पताल में ड्डार्ती कराया है। तहरीर के आधार पर काईवाई की जाएगी।

12 फीट गहरी खाई में पलटा सीमेंट से लदा ट्रक

गलत साइड से आती स्कार्पियो कार को बचाने में हुआ हादसा

- 15 मिनट लटका रहा ट्रक, चालक ने कूदकर बचाई जान
- ट्रांस यमुना क्षेत्र में झरना नाले के पास की घटना, जुटी भीड़

टीएनएफ टुडे, आगरा।

ट्रांस यमुना क्षेत्र के फिरोजाबाद हाईवे स्थित झरना नाला के पास मंगलवार दोपहर एक बड़ा हादसा टल गया। रॉन्ग साइड से तेज रफ्तार में आ रही स्कॉर्पियो को बचाने के प्रयास में सीमेंट से लदा ट्रक अनियंत्रित होकर करीब 12 फीट गहरी खाई में जा गिरा। ट्रक पहले एक नीम के पेड़ पर अटक गया, जिससे चालक की जान बच गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार ट्रक करीब 15 मिनट तक नीम के पेड़ के सहारे लटका रहा। इसी दौरान चालक ओमप्रकाश ने खिड़की से बाहर छलांग लगाकर अपनी जान बचा ली। चालक के सुरक्षित बाहर निकलने के करीब 20 सेकंड बाद ही ट्रक पेड़ से फिसलकर खाई में जा गिरा।

जानकारी के अनुसार कुबेरपुर स्थित सीमेंट गोदाम से चालक ओमप्रकाश ट्रक में सीमेंट लेकर जेके नगर, नंदलालपुर पोइया की ओर जा रहा था। दोपहर करीब एक बजे झरना नाला के पास सर्विस रोड पर उतरते समय सामने से रॉन्ग साइड से तेज रफ्तार में एक स्कॉर्पियो आ गई। आमने-सामने की टक्कर से बचने के लिए चालक ने ट्रक मोड़ा, लेकिन संतुलन बिगड़ने से वाहन खाई में जा गिरा।

नीम का पेड़ बना जीवनदाता

ट्रक चालक ओमप्रकाश ने बताया कि उसे लगा कि अब उसकी जान नहीं बचेगी, लेकिन नीम का पेड़ उसके लिए जीवनदाता बन गया। पेड़ पर ट्रक अटकने से उसे बाहर निकलने का मौका मिल गया। सुरक्षित बाहर आने के बाद वह सीधे घटनास्थल के पास स्थित हनुमान मंदिर गया और भगवान के चरणों में माथा टेककर उनका आभार जताया।

सूचना पर पुलिस भी पहुंच गई

हादसे के समय ट्रक में करीब चार लाख रुपये का सीमेंट लदा हुआ था। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और चालक को प्राथमिक उपचार के लिए अस्पताल भेजा। हादसे में चालक के हाथ और पैर में मामूली चोटें आई हैं। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है।

फुटपाथ पर सोते लोगों की करता था जेब साफ, पकड़ा

टीएनएफ टुडे, आगरा।

फुटपाथ पर सोने वाले लोगों की जेब साफ करता था। जेब में रखे पैसे और मोबाइल ले जाता था। थाना रकाबगंज पुलिस ने उस युवक को हाथी घाट से पकड़ा और उसके पास से जेब से निकाले गए मोबाइल को बरामद किया। एसीपी सदर ने बताया बासौनी के रहने वाले एक युवक ने थाना रकाबगंज पर आकर सूचना दी। वह बिजली घर बस स्टैण्ड पर बस का इंतजार कर रहा था। पास में एक युवक भी बैठा था। कुछ क्षण के लिए नींद आ गई। जब नींद खुली तो जेब से मोबाइल फोन गायब था। पास में बैठे युवक पर शक हुआ। पीड़ित की तहरीर पर थाने में मुकदमा दर्ज किया गया और युवक की तलाश शुरू कर दी। थाना रकाबगंज के प्रभारी निरीक्षक योगेश कुमार ने एक सूचना के आधार पर हाथी घाट से एक युवक को पकड़ा। पूछताछ में उसने अपना नाम गुड्डू पुत्र सुरेश कुमार निवासी काजी पाड़ा बताया। पूछताछ में पता चला उसने की उक्त व्यक्ति की जेब से मोबाइल निकाला था। उसके पास से मोबाइल बरामद कर लिया गया। पकड़ा युवक फुटपाथ पर सोने वालों की जेबों से पैसे और मोाबाइल निकालता है और कई लोगों की जेबों को साफ कर चुका है। उसे जेल भेज दिया है ।

आगरा को मिली बड़ी सौगात

दयालबाग-खंदौली को जोड़ने वाले 147 करोड़ के यमुना पुल का हुआ भूमि पूजन, 2 साल में होगा तैयार

टीएनएफ टुडे, आगरा।

ताजनगरी के विकास को नई रफ्तार देने वाली एक महत्वपूर्ण परियोजना का सोमवार को शुभारंभ हो गया। दयालबाग के आनंदी भैरों से खंदौली के डेरा बंजारा (गिजोली) को जोड़ने वाले यमुना नदी पर बनने वाले नव दीर्घसेतु का भूमि पूजन एवं शिलान्यास केंद्रीय राज्यमंत्री प्रो. एसपी सिंह बघेल, उत्तर प्रदेश सरकार के राज्यमंत्री धर्मवीर प्रजापति तथा विधायक धर्मपाल सिंह चौहान ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच संयुक्त रूप से किया। करीब 147 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाला यह पक्का पुल क्षेत्र के विकास के साथ-साथ हजारों लोगों के आवागमन को आसान बनाएगा। परियोजना के अनुसार पुल का निर्माण कार्य दो वर्षों में पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। पुल के निर्माण के बाद दयालबाग और खंदौली क्षेत्र के बीच संपर्क पहले से कहीं अधिक सुगम हो जाएगा। खासतौर पर आसपास के एक दर्जन से अधिक गांवों के हजारों ग्रामीणों को रोजाना आवागमन में बड़ी राहत मिलेगी। अभी जिन लोगों को लंबा चक्कर लगाकर सफर करना पड़ता है, उन्हें सीधे मार्ग का लाभ मिलेगा। इस पुल के शुरू होने के बाद खंदौली से दयालबाग की दूरी घटकर मात्र 13 किलोमीटर रह जाएगी। साथ ही शहर के सबसे व्यस्त मार्गों में शामिल भगवान टॉकीज, रामबाग और टेढ़ी बगिया क्षेत्र में लगने वाले ट्रैफिक जाम से भी काफी हद तक राहत मिलने की उम्मीद है। इससे समय, ईंधन और परिवहन लागत में भी कमी आएगी।

स्थानीय लोगों का कहना है कि वर्षों से इस पुल की मांग की जा रही थी। अब भूमि पूजन होने के बाद परियोजना के जल्द पूरा होने की उम्मीद बढ़ गई है। पुल के निर्माण से न केवल ग्रामीण क्षेत्रों की कनेक्टिविटी मजबूत होगी, बल्कि व्यापार, शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार के अवसरों तक पहुंच भी पहले की तुलना में अधिक आसान हो जाएगी। यह परियोजना आगरा और खंदौली क्षेत्र के विकास में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित होगी।

फिरोजाबाद का गैंग शहर में कर रहा था वाहन चोरी की वारदात

वाहनों के पाट्स निकालकर दुकानों पर करते थे सप्लाई

- चोरी करने के बाद बाइकों को झाड़ियों में छिपाते थे
- पुलिस ने गैंग के दो सदस्यों को किया गिरफ्तार

टीएनएफ टुडे, आगरा।

फिरोजाबाद का गैंग शहर में वाहन चोरी की घटनाओं को अंजाम दे रहा था। वह बाइकों को चुराने के बाइ ईदगाह स्थित केन्द्रीय विद्यालय के पीछे झाड़ियों में छिपाते थे। यहां उनके पाट्स निकालने के बाद दुकानों पर सप्लाई करते थे। थाना रकाबगंज पुलिस ने गैंग से दो सदस्यों को गिरफ्तार कर उनकी निशानदेही से तीन बाइक और पाट्स बरामद किए। एसीपी सदर ने बताया थाना योगेश कुमार ने मुखबिर की सूचना पर पुलिस टीम के सहयोग से ईदगाह रेलवे के पास से शवनेश पुत्र राजेश कुमार निवासी नगला झील थाना जसराना और सुकेन्द्र पुत्र रामग्रेश निवासी गांव मीगना जसराना फिरोजाबाद को पकड़ा।

पूछताछ में पता चला दोनों शातिर वाहन चोर हैं। फिरोजाबाद से यहां वाहनों को चुराने आते हैं। वाहनों को चुराने के बाद ये रेलवे ईदगाह के पीछे झाड़ियों में छिपाकर रखते हैं। उनके पाट्स निकालकर बाजार में दुकानों को बेचते हैं। कई स्थानों से कई बाइकें चुरा चुके हैं। इनके पास से चोरी की तीन बाइक, एक बाइक के पाट्स किए हैं। तीनों के खिलाफ कार्रवाई कर दी गई है।

टीएनएफ टुडे मीडिया नेटवर्क प्राइवेट लिमिटेड के लिए **धीरज शर्मा** द्वारा श्रीराम मार्केट फूलपुर अड्डा, देवरी रोड, फतेहाबाद आगरा से प्रकाशित एवं मुद्रक पवन पाठक द्वारा इम्प्रेशन प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड गुरू का ताल सिकंदरा रोड आगरा से मुद्रित।

संपादकः धीरज शर्मा, फोनः 9412359817, E mail: tnftoday.com@gmail.com वेबसाइटः www.tnftoday.com

पंजीयन नं. UPHIN/25/A3702 (संपादक इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.पी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी।)

सम्पादकीय

सवालों से महत्व नहीं घट जायेगा ताज का

ताज महल को लेकर एक बार फिर अदालत में बहस तेज हो गई है। ताज महल विश्व धरोहर स्थल है और देश की पहचान भी। लेकिन किसी स्मारक का महत्व इस बात से कम नहीं होता कि उसके इतिहास पर सवाल पूछे जाएं। इतिहास की जांच कोई अपराध नहीं होती। लोकतंत्र में सवाल पूछना और तथ्यों की मांग करना स्वाभाविक प्रक्रिया है। अदालतें भी अंततः साक्ष्यों के आधार पर ही निर्णय देती हैं। सबसे अहम बात यह है कि याचिकाकर्ता केवल घोषणा नहीं मांग रहे, बल्कि जांच की मांग कर रहे हैं। वह कह रहे हैं कि अदालत की निगरानी में विशेषज्ञों की टीम जांच करे, तस्वीरें ले, संरचना का अध्ययन करे और सच्चाई सामने रखे। ऐसे में यह बहस अब केवल ताज महल तक सीमित नहीं रह गई है, बल्कि यह पारदर्शिता बनाम भय का सवाल बनती जा रही है। अब निगाहें इलाहाबाद उच्च न्यायालय पर टिकी हैं। अदालत के सामने केवल एक याचिका नहीं, बल्कि वह सवाल भी खड़ा है जो लगातार गूंज रहा है कि आखिर सर्वे से इतनी दिक्कत क्यों है? इलाहाबाद उच्च न्यायालय में दायर याचिका ने उस पुराने विवाद को फिर जगा दिया है जिसमें दावा किया जा रहा है कि ताज महल दरअसल प्राचीन शिव मंदिर "तेजो महालय" है। लेकिन इस पूरे विवाद के बीच सबसे बड़ा सवाल यह है कि आखिर सर्वे से इतनी परेशानी क्यों है? यदि दावे गलत हैं तो वैज्ञानिक और ऐतिहासिक जांच से डर किस बात का है, और यदि दावे सही नहीं ठहरते तो अदालत के सामने सच अपने आप आ जाएगा। फिर सर्वे कराने में हिचकिचाहट क्यों दिखाई जा रही है?ताज महल परिसर के कई हिस्से आज भी आम जनता के लिए बंद हैं और उन्हीं हिस्सों की जांच सबसे ज्यादा जरूरी है। इसी उद्देश्य से वर्ष 2019 में अदालत से मांग की गई थी कि एक अधिवक्ता आयुक्त नियुक्त कर ताजमहल का सर्वे कराया जाए, उसकी तस्वीरें ली जाएं और वीडियोग्रफी कराई जाए ताकि संरचना के वास्तविक स्वरूप की जांच हो सके। लेकिन आगरा की दीवानी अदालत ने यह मांग ठुकरा दी। अदालत ने कहा कि वादियों ने विवादित संपत्ति के पर्याप्त अभिलेख प्रस्तुत नहीं किए और संपत्ति के विवरण में भी विसंगतियां हैं। इसके बाद अतिरिक्त जिला न्यायाधीश के समक्ष दायर पुनरीक्षण याचिका भी यह कहते हुए खारिज कर दी गई कि वह विचारणीय नहीं है। अब यही मामला इलाहाबाद उच्च न्यायालय पहुंचा है।सोमवार को न्यायमूर्ति रोहित रंजन अग्रवाल की अदालत ने केंद्र सरकार और भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण से जवाब मांगा है। अदालत ने प्रतिवादी पक्ष को भी प्रति शपथपत्र दाखिल करने का निर्देश दिया है। हम आपको बता दें कि याचिकाकताओं की ओर से कहा गया है कि न केवल अधिवक्ता आयुक्त की मांग गलत तरीके से खारिज की गई, बल्कि परिसर की तस्वीरें लेने की मांग भी अनुचित ढंग से रोकी गई। देखा जाये तो यहीं से बहस का असली केंद्र शुरू होता है। यदि ताज महल को लेकर सभी ऐतिहासिक तथ्य इतने स्पष्ट हैं, यदि भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण पूरी दृढ़ता से इसे मुगलकालीन मकबरा मानता है, यदि दशकों से यही आधिकारिक इतिहास है, तो फिर एक निष्पक्ष सर्वे से परहेज क्यों है? सवाल यह भी उठता है कि आखिर वैज्ञानिक जांच और ऐतिहासिक परीक्षण से किसे खतरा है? अदालत की निगरानी में होने वाला सर्वे न तो किसी स्मारक को गिरा देगा और न ही किसी की आस्था पर हमला करेगा। फिर विरोध इतना तीखा क्यों दिखाई देता है?लेखक पीएन ओक ने भी अपनी पुस्तक में इसी प्रकार के दावे किए थे। वर्ष 2000 में उच्चतम न्यायालय ने उनकी याचिका खारिज कर दी थी। इसके बावजूद समय समय पर यह मुद्दा अदालतों और सार्वजनिक विमर्श में लौटता रहा है। कभी बंद कमरों को खोलने की मांग उठती है, तो कभी नए सर्वे की।

मोदी यूँ ही चुप नहीं हैं

'प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की चुप्पी या अनिर्णय को समझने के लिए हमें शायद उन दिनों को ध्यान में रखना चाहिए जब वे गुजरात के मुख्यमंत्री थे। अपने बारह साल के कार्यकाल में नरेंद्र मोदी ने कब किसकी बात मानी? क्या यह याद दिलाने की आवश्यकता है कि उन्होंने अपने प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी द्वारा राजधर्म का पालन करने की सीख को भी एक कान से सुनकर दूसरे कान से निकाल दिया था? क्या यह आईने की तरह साफ नहीं है कि नरेंद्र मोदी ने जनमत की कभी परवाह नहीं की? श्री मोदी की आलोचना चाहे निजी जीवन को लेकर की गई हो, चाहे मुख्यमंत्री के रूप में लिए गए निर्णयों पर, उन्होंने हर अवसर पर मौन रहना ही श्रेयस्कर समझा है। आज प्रधानमंत्री के रूप में भी संभवतः वे इस पुराने आजमाए गए नुस्खे का ही इस्तेमाल कर रहे हैं। देशव्यापी पैमाने पर नुस्खा कितना कारगर हो पाता है, यह कहना कठिन है, किंतु आज की सोच शायद यही है कि जो चिल्ला रहे हैं उन्हें चिल्लाने दो, एक दिन थककर सब अपने आप चुप हो जाएंगे। श्री मोदी को शायद यह विश्वास भी है कि वे जिस शीर्ष पर हैं, वहां उनके सामने कोई चुनौती, कोई खतरा नहीं है।'

-ललित सुरजन

पंजाब ने बड़ी कीमत देकर शांति पाई

"आज कुछ राजनीतिक दल और कथित बुद्धिजीवी पुलिसिया कार्रवाई को केवल एकतरफा तरीके से प्रस्तुत करने की कोशिश कर रहे हैं। लेकिन उन्हें यह भी याद रखना चाहिए कि उस समय पंजाब में किस दल की सरकार थी। उस समय राज्य और केंद्र दोनों स्तरों पर सत्ता किसके हाथ में थी और निर्णय कहां से लिए जाते थे, यह इतिहास का हिस्सा है। साथ ही जो लोग आज अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की दुहाई दे रहे हैं, उन्हें अपने अतीत में भी झांकना चाहिए। खासतौर पर कांग्रेस को यह बताना चाहिए कि आपातकाल के दौरान देश की अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता क्यों कुचल दी गई थी?

यह सही है कि इतिहास के कठिन अध्यायों पर चर्चा होनी चाहिए। पीड़ितों को न्याय और सम्मान मिलना चाहिए। लेकिन किसी भी चर्चा का उद्देश्य समाज को बांटना नहीं, बल्कि सीख देना होना चाहिए। पंजाब ने बहुत खून बहते देखा है। वहां की नई पीढ़ी शांति, विकास और भाईचारे के साथ आगे बढ़ना चाहती है। ऐसे समय में किसी भी प्रकार की ऐसी प्रस्तुति, जिससे अलगाववादी मानसिकता को बल मिले या सुरक्षा बलों के मनोबल पर आघात पहुंचे, उसे गंभीरता से देखने की आवश्यकता है।

बहरहाल, सरकार का निर्णय इसी व्यापक राष्ट्रीय हित और सुरक्षा के संदर्भ में समझा जाना चाहिए। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता महत्वपूर्ण है, लेकिन उससे भी ऊपर राष्ट्र की एकता, सामाजिक सद्भाव और सीमावर्ती राज्यों की स्थिरता है। पंजाब ने कठिन संघर्ष के बाद शांति हासिल की है। यह शांति किसी भी कीमत पर कमजोर नहीं पड़नी चाहिए। देश की जनता भी यही चाहती है कि अतीत की त्रासदियों से सीख लेते हुए आगे बढ़ा जाए, न कि उन्हें राजनीतिक और वैचारिक संघर्ष का नया हथियार बनाया जाए।

पंजाब के अशांत दौर, राष्ट्रीय सुरक्षा और अभिव्यक्ति की बहस के बीच एक बार फिर विवादों के केंद्र में आई फिल्म सतलुज ने देशभर में तीखी बहस छेड़ दी है। अभिनेता दिलजीत दोसांझ अभिनीत यह फिल्म मानवाधिकार कार्यकर्ता जसवंत सिंह खालड़ा के जीवन पर आधारित है। लेकिन यह सिर्फ एक फिल्म नहीं, बल्कि पंजाब के उस संवेदनशील और खून से सने दौर की कहानी को दोबारा सामने लाने की कोशिश है, जब आतंकवाद, अलगाववाद और सीमापार से प्रायोजित हिंसा ने पूरे राज्य को भय और अस्थिरता में धकेल दिया था। ऐसे समय में केंद्र सरकार द्वारा राष्ट्रीय सुरक्षा के आधार पर इस फिल्म को भारत में ओटीटी मंच से हटाने का फैसला न केवल उचित दिखाई देता है, बल्कि यह भी याद दिलाता है कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और राष्ट्रीय सुरक्षा के बीच संतुलन बनाए रखना किसी भी जिम्मेदार लोकतंत्र का कर्तव्य होता है। देखा जाये तो इन तथ्यों से किसी को इंकार नहीं हो सकता कि पंजाब ने उस दौर में अत्यंत पीड़ा झेली। हजारों निर्दोष लोग मारे गए, परिवार उजड़ गए और भय का वातावरण पूरे राज्य पर छाया रहा। जिन परिवारों ने अपने प्रियजनों को खोया, उनके दर्द के प्रति संवेदना व्यक्त करना हर संवेदनशील समाज का दायित्व है। लेकिन इसके साथ यह भी उतना ही महत्वपूर्ण है कि उस समय पंजाब किस परिस्थिति से गुजर रहा था, इसे भी ईमानदारी से समझा जाए। सीमापार से आतंकवाद को खुला समर्थन मिल रहा था। पाकिस्तान की खुफिया एजेंसियां पंजाब को अस्थिर करने के लिए सक्रिय थीं। अलगाववादी संगठन खुलेआम हथियारबंद हिंसा चला रहे थे। पुलिसकर्मियों, पत्रकारों, नेताओं और आम नागरिकों की हत्याएं रोजमर्रा की खबर बन चुकी थीं।

ऐसे भयावह दौर में पंजाब पुलिस ने जिस कठोर अभियान को चलाया, उसी के कारण राज्य धीरे धीरे सामान्य स्थिति में लौट सका। उस समय के पुलिस महानिदेशक केपीएस गिल को लेकर आज अलग अलग राय हो सकती है, लेकिन यह भी सच्चाई है कि अगर पंजाब पुलिस और सुरक्षा बल कठोर कार्रवाई नहीं करते, तो शायद पंजाब आज भी आतंकवाद की आग में झुलस रहा होता। जिन्होंने उस दौर को अपनी आंखों से देखा है, वह जानते हैं कि हालात कितने गंभीर थे। केपीएस गिल और उनकी टीम ने आतंकवाद के खिलाफ जो अभियान चलाया, उसी ने पंजाब को अलगाववाद और बंदूक की राजनीति से बाहर निकालने में निर्णायक भूमिका निभाई।

आज कुछ राजनीतिक दल और कथित बुद्धिजीवी पुलिसिया कार्रवाई को केवल एकतरफा तरीके से प्रस्तुत करने की कोशिश कर रहे हैं। लेकिन उन्हें यह भी याद रखना चाहिए कि उस समय पंजाब में किस दल की सरकार थी। उस समय राज्य और केंद्र दोनों स्तरों पर सत्ता किसके हाथ में थी और निर्णय कहां से लिए जाते थे, यह इतिहास का हिस्सा है। साथ ही जो लोग आज अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की दुहाई दे रहे हैं, उन्हें अपने अतीत में भी झांकना चाहिए। खासतौर पर कांग्रेस को यह बताना चाहिए कि आपातकाल के दौरान देश की अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता क्यों कुचल दी गई थी? अखबारों पर सेंसरशिप क्यों लगाई गई थी? विपक्षी नेताओं को जेलों में क्यों डाला गया था? यदि आज कोई सरकार राष्ट्रीय सुरक्षा के मद्देनजर कोई कदम उठाती है, तो उसे तानाशाही कहना इतिहास के साथ अन्याय होगा। इसी के साथ पंजाब में सत्तारुढ़ आम आदमी पार्टी की भूमिका पर भी सवाल उठना स्वाभाविक है। जिस तरह उसके कुछ नेता सतलुज फिल्म के पक्ष में खुलकर बयान दे रहे हैं, उससे यह आशंका भी पैदा होती है कि कहीं यह प्रयास राज्य सरकार की कथित नाकामियों से जनता का ध्यान हटाने की रणनीति तो नहीं है। कहीं आम आदमी पार्टी यह तो नहीं चाहती कि विधानसभा चुनावों में उसके कामकाज की बजाय इतिहास की घटनाएं ही मुद्दा बन जायें? सभी को यह समझना होगा कि इतिहास से सीख लेना आवश्यक है, लेकिन इतिहास को वर्तमान पर इस तरह हावी कर देना कि भविष्य ही प्रभावित होने लगे, किसी भी राज्य और समाज के लिए उचित नहीं माना जा सकता। पंजाब को आज विकास, रोजगार, नशे के खिलाफ कड़े कदम और कानून व्यवस्था सुधारने जैसे वास्तविक मुद्दों पर आगे बढ़ने की जरूरत है, न कि पुराने घावों को बार बार कुरेदकर राजनीतिक लाभ लेने की। फिल्म के प्रदर्शन को लेकर जिस प्रकार विवाद बढ़ा, उसने यह भी दिखाया कि ओटीटी मंचों के लिए स्पष्ट और कठोर नियमों की आवश्यकता है। फिल्म को केंद्रीय प्रमाणन बोर्ड ने अनेक कट लगाने के सुझाव दिए थे। पहले 21 कट और बाद में 120 से अधिक संशोधनों की बात सामने आई। इसके बावजूद फिल्म निमार्ताओं ने नया नाम देकर इसे ओटीटी मंच पर जारी कर दिया। ऐसे में सरकार द्वारा हस्तक्षेप करना स्वाभाविक था। यदि किसी सामग्री से सामाजिक तनाव या अलगाववादी भावनाओं को हवा मिलने की आशंका हो, तो सरकार का कर्तव्य है कि वह समय रहते कदम उठाए।

दिलचस्प बात यह भी रही कि अभिनेता दिलजीत दोसांझ ने स्वयं पहले ही आशंका जता दी थी कि फिल्म को भारत में हटाया जा सकता है। बाद में उन्होंने लोगों से इसे डाउनलोड कर दूसरों को दिखाने की अपील भी की। यह रवैया कई सवाल खड़े करता है। जब मामला इतना संवेदनशील हो, तब जिम्मेदार कलाकारों को समाज में शांति और संतुलन बनाए रखने का संदेश देना चाहिए, न कि विवाद को और भड़काने वाला व्यवहार करना चाहिए।

-नीरज

ड्रैगन का गेम हुआ ओवर, भारत का नेकलेन ऑफ डॉयमंड उड़ाएगा होश!

इंडोनेशिया भौगोलिक रूप से उस जगह बैठा है जहां से चीन का व्यापारिक और सैन्य रास्ता गुजरता है। अगर इंडोनेशिया के फाइटर जेट्स भारत की अस्त्र मिसाइल से लैस हो जाते हैं तो चीन की वायु सेना के लिए इस इलाके में घुसपैठ करना सुसाइड मिशन यानी आत्मघाती जैसा होगा। ब्रह्मोस के बाद अब बात अस्त्र की करें तो भारत ने पहले ब्रह्मोस देकर इंडोनेशिया की नौसेना को मजबूत किया, एमओयू साइन किया और अब अस्त्र देकर उसकी वायुसेना को अजय बना दिया है। यह पीएम मोदी का वो डबल अटैक है जिसने चीन के स्ट्रिंग ऑफ पर्ल्स के जवाब में भारत का नेकलेस ऑफ डायमंड्स तैयार कर लिया है। इतिहास गवाह है कि दुश्मन की घेराबंदी वहीं करनी चाहिए जहां उसे सबसे ज्यादा दर्द हो और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जकार्ता की धरती से चीन की दुखती रथ पर हाथ रख दिया। जब दुनिया की नजरें पीएम मोदी और राष्ट्रपति प्रोवोबो की मुलाकात पर थी तब बंद कमरे में एक ऐसी डील फाइलन हो रही थी जिसने बीजिंग के रक्षा एक्सपर्टों के पसीने छुड़ा दिए। इंडोनेशिया ने अब भारत की उस अस्त्र मिसाइल को खरीदने का फैसला किया है जिसने ऑपरेशन सिंदूर में अपनी मारक क्षमता का लोहा पाकिस्तान में घुसकर मनवाया। जकार्ता में मंगलवार को जो कुछ हुआ वो सिर्फ दो देशों की मुलाकात नहीं थी बल्कि एक नए डिफेंस सुपर पावर का उदय था। पीएम मोदी और राष्ट्रपति प्रोबोबो के बीच हुई द्विपक्षीय बैठक में कई अहम समझौते हुए। लेकिन सबसे ज्यादा चर्चा अस्त्र एयर टू एयर मिसाइल की हो रही है। भारत ने ना केवल इंडोनेशिया को ब्रह्मोस दी बल्कि अब अपनी सबसे आधुनिक अस्त्र मिसाइल भी सौंप दी है। इसका मतलब साफ है कि भारत ने इंडोनेशिया के जरिए चीन की घेराबंदी पूरी कर ली है।

दोनों देशों ने चुनाव में सहयोग के लिए एक टङ्व पर भी साइन किए हैं। इस समझौते के तहत, नई दिल्ली जकार्ता को कस्टमाइज्ड इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनें (एश्ट) उपलब्ध कराएगी। पीएम मोदी ने कहा कि लोकतांत्रिक मूल्य और विविधता में एकता भारत और इंडोनेशिया, दोनों की साझा ताकत रही है। हम दोनों देशों के चुनाव आयोगों के बीच टङ्व के जरिए अपने लोकतांत्रिक सहयोग को और मजबूत करने के लिए तैयार हैं। उन्होंने आगे कहा कि यह समझौता चुनाव टेक्नोलॉजी, क्षमता निर्माण, मानव संसाधन विकास और बेहतरीन तौर-तरीकों के आदान-प्रदान में सहयोग को बढ़ाएगा। खबरों के मुताबिक, भारत जिन एश्ट को तैयार करेगा, उन्हें जकार्ता 2029 के आम चुनावों में इस्तेमाल करेगा। दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा लोकतंत्र अभी भी पेपर बैलेट का इस्तेमाल करके चुनाव कराता है।

-अनाम

मीरा जैसी विद्रोही तीजनबाई

सुप्रसिद्ध पंडवानी गायिका तीजनबाई ने लोककला के मंच को सूना करते हुए इस संसार से विदा ले ली है। हालांकि उनके तंबूरे की धुन और बुलंद लेकिन मधुर आवाज लोक कला संसार में उसी तरह गूंजती रहेगी, जैसे तानपूरा लिए मीरा बाई के भजन। कृष्ण की भक्ति में डूबी मीरा ने जमाने के बनाए नियमों के विरुद्ध जाकर अपने गिरधर गोपाल के भजन लिखे और गाए। भक्तिभाव हर इंसान का हक है और उसे जाहिर करने में स्त्री-पुरुष का भेद नहीं होना चाहिए, इस बराबरी के सिद्धांत को मीरा ने सारे संघर्षों के साथ निभाया। तो उन्हीं की तरह तीजनबाई ने भी पंडवानी गायन की कला में स्त्री-पुरुष के भेद को चुनौती दी। और उस कापालिक शैली की पंडवानी को अपने जीवन से जोड़ा जो एक वक्त तक केवल पुरुषों के अधिकार क्षेत्र में थी। इस तरह तीजनबाई का जाना सिर्फ एक कलाकार का जाना नहीं, बल्कि लोककला में उस सांस्कृतिक क्रांति के एक युग का अंत है जिसने आधी आबादी को खुलकर अपनी कला प्रदर्शित करने का हौसला दिया। तीजनबाई को छत्तीसगढ़ के गांवों से लेकर अंतरराष्ट्रीय मंचों तक खूब सराहना मिली, उनकी कला की कद्र हुई। देश के दूसरे सबसे बड़े नागरिक सम्मान पद्मविभूषण से उन्हें नवाजा गया। डी लिट् की उपाधि उन्हें मिली। इंदिरा गांधी से लेकर हबीब तनवीर तक कई अहम हस्तियां उनकी कला की प्रशंसक रहीं, इन सबके बावजूद तीजनबाई के जीवन संघर्ष खत्म नहीं हुए। लेकिन उन्होंने अपनी कला को जीवित रखने और आगे बढ़ाने का अद्भुत जज्बा दिखाया और किसी भी हाल में टूटी नहीं। दुर्ग जिले के गनियारी गांव में जन्मी तीजनबाई 'पारधी' अनुसूचित जनजाति से आती थीं। इस जनजाति को अंग्रेजों ने आपराधिक जनजाति अधिनियम, 1871 के तहत अपराधी जाति घोषित कर दिया था, बाद में जवाहर लाल नेहरू के प्रयास से 31 अगस्त, 1952 को यह अधिनियम निरस्त कर दिया गया। मगर वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 के आ जाने से इस जाति के लोगों की रोजी-रोटी पर गहरा संकट छा गया। इस समुदाय के अधिकतर लोग दिहाड़ी मजदूरी करके जीवनयापन करने को मजबूर हो गए। ऐसे समुदाय से आने वाली तीजनबाई ने बचपन से ही पंडवानी के लिए अपना रुझान दिखाया और फिर इससे ऐसी पहचान बनाई कि पंडवानी और तीजनबाई एक-दूसरे के पूरक हो गए।

सितारों की चाल: आपका भविष्यफल

दिनांक 09 जुलाई 2026 गुरुवार आषाढ़ कृष्ण एकादशी

कल का दिन कैसा होगा? इसकी तैयारी आज ही करें!

प्रिय पाठकों, TNF टुडे हमेशा आपकी सुविधा को सर्वोपरि रखता है। इसी उद्देश्य से हम आपको एक दिन अग्रिम (Advance) राशिफल प्रदान कर रहे हैं ताकि आप अपने महत्वपूर्ण कार्यों, बैठकों और यात्राओं की योजना आज रात ही बना सकें। सितारों की चाल जानकर संभावित चुनौतियों के प्रति पहले से सजग रहना ही सफलता की पहली सीढ़ी है।

मार्गदर्शन: आचार्य दीदी
डॉ. सरस्वती देवकृष्ण गौड़
(एस्ट्रो वास्तु शोधनम)
मो. 9119336673

शुभकार्य हेतु आज का चंद्रबल

आज मेष मिथुन कर्क सिंह तुला और धनु राशि के जातकों का आत्मबल मानसिक उत्साह और भाग्य का सहयोग बहुत उत्तम रहेगा। गुरुवार का दिन साक्षात भगवान विष्णु जी और बृहस्पति देव की साधना और उपासना के लिए विशेष रूप से फलदायी माना जाता है। आज के दिन भगवान विष्णु जी को पीले पुष्प अर्पित करना विष्णु सहस्रनाम का मानसिक जप करना और पीले रंग के वस्त्र धारण करना जीवन में असीम बुद्धि विवेक सामाजिक मान सम्मान आरोग्यता और व्यापारिक सुख समृद्धि में भारी वृद्धि लेकर आता है।

मेष

आज आपकी सामाजिक प्रतिष्ठा और राजनैतिक प्रभाव में भारी वृद्धि होगी जिससे कार्यक्षेत्र में आपका वर्चस्व बढ़ेगा और सोचे हुए सभी सरकारी काम गति पकड़ेंगे। व्यापारिक क्षेत्र में चल रही पुरानी मंदी आज पूरी तरह समाप्त होगी और अचानक नए माध्यमों से प्रचुर धन लाभ होने के सुंदर योग बन रहे हैं। भगवान विष्णु जी को पीले फल अर्पित करें जिससे आपके मार्ग की सभी बाधाएं हमेशा के लिए दूर होंगी।

वृष

आज का दिन आपके लिए आर्थिक और पारिवारिक दृष्टिकोण से अत्यंत भाग्यशाली सिद्ध होगा और भूमि भवन से जुड़े पुराने विवाद पूरी तरह हल होंगे। कार्यक्षेत्र में वरिष्ठ अधिकारियों के सहयोग से आपको किसी बड़े और प्रतिष्ठित कार्य की जिम्मेदारी मिल सकती है जिससे मन अत्यंत प्रसन्न रहेगा। मुख्य द्वार पर शुद्ध घी का दीपक जलाएं जिससे आपके घर में स्थाई सुख और ऐश्वर्य का वास होगा।

मिथुन

आज आप अपनी तीव्र बुद्धिमत्ता और प्रखर वाणी के बल पर जटिल से जटिल सांगठनिक और व्यापारिक समस्याओं को बेहद आसानी से हल कर लेंगे। स्वास्थ्य के प्रति बिल्कुल भी लापरवाही न बरतें और विशेष रूप से अत्यधिक काम के बोझ के कारण होने वाली शारीरिक थकावट से खुद को बचाएं। किसी जरूरतमंद को चने की दाल का दान करें जिससे आपके भाग्य के बंद द्वार शीघ्र खुलेंगे।

कर्क

मानसिक रूप से आज आप खुद को अत्यधिक ऊर्जावान और शांत महसूस करेंगे जिससे किसी बड़े व्यावसायिक निवेश का निर्णय लेने में आपको सफलता मिलेगी। परिवार की ओर से कोई अत्यंत सुखद और गौरवमयी समाचार प्राप्त हो सकता है जिससे पूरे परिवार में उल्लास का माहौल बना रहेगा। नारायण कवच का पाठ करें जिससे आपकी आर्थिक चिंताएं समाप्त होंगी।

सिंह

आज कार्यस्थल पर सहकर्मियों या व्यावसायिक साझेदारों के साथ किसी भी प्रकार के व्यर्थ के अहंकार के टकराव से आपको पूरी तरह बचना होगा। वाहन या किसी भी प्रकार की मूल्यवान वस्तु खरीदते समय अपने बजट का विशेष ध्यान रखें और अत्यधिक फिजूलखर्ची पर नियंत्रण रखें। मस्तक पर केसर का तिलक लगाएं जिससे राजनीति के क्षेत्र में आपकी ऐतिहासिक विजय होगी।

कन्या

आज आपको मित्रों और वरिष्ठ सहयोगियों की मदद से किसी बड़े नए व्यावसायिक अनुबंध की प्राप्ति होगी जिससे आपकी संचित पूंजी में वृद्धि होगी। विद्यार्थियों को परीक्षा में अपनी कठिन मेहनत का बेहद सकारात्मक और मनोनुकूल परिणाम प्राप्त होने के सुंदर योग बन रहे हैं। पक्षियों के लिए अनाज की व्यवस्था करें जिससे आपके यश और कीर्ति में निरंतर वृद्धि होगी।

तुला

आज सामाजिक और राजनैतिक क्षेत्र से जुड़े जातकों का प्रभाव क्षेत्र बढ़ेगा और समाज में उनके द्वारा किए गए कार्यों की हर स्तर पर सराहना होगी। दांपत्य जीवन में मधुरता बनी रहेगी और जीवनसाथी के सहयोग से कोई बड़ा रुका हुआ पारिवारिक काम आज आसानी से पूरा हो जाएगा। किसी मंदिर में पीले अनाज का दान करें जिससे आपके जीवन के सभी भ्रम दूर होंगे।

वृश्चिक

धार्मिक यात्राओं और देव दर्शन के सुंदर योग बन रहे हैं जिससे आपकी आंतरिक व्याकुलता पूरी तरह शांत होगी और मन को असीम संबल मिलेगा। व्यावसायिक क्षेत्र में किसी भी अपरिचित व्यक्ति पर जरूरत से ज्यादा भरोसा न करें अन्यथा आपको बड़ा आर्थिक नुकसान उठाना पड़ सकता है। गुरु स्तोत्र का पाठ करें जिससे आपके मार्ग की सभी गुप्त राजनैतिक बाधाएं दूर होंगी।

धनु

आज सेहत को लेकर विशेष रूप से सावधान रहने की आवश्यकता है क्योंकि अत्यधिक कार्यभार के कारण शारीरिक कमजोरी महसूस हो सकती है। सगे संबंधियों के साथ धन का बड़ा लेन देन करते समय पूरी सावधानी बरतें और बिना लिखा पढ़ी के कोई बड़ा आर्थिक व्यवहार न करें। गायत्री मंत्र का मानसिक जाप करें जिससे आपके भीतर एक अद्भुत और नई सकारात्मक ऊर्जा का संचार होगा।

मकर

साझेदारी में चल रहे व्यापार में आज मनोनुकूल प्रगति होगी और नए बड़े व्यावसायिक सहयोगी जुड़ने से आपके काम को बाजार में एक नई गति प्राप्त होगी। प्रेम संबंधों और पारिवारिक रिश्तों में आपसी तालमेल बहुत मधुर रहेगा तथा सभी सदस्य एक दूसरे की भावनाओं का पूरा सम्मान करेंगे। लक्ष्मी नारायण जी को प्रणाम करें जिससे आपके पारिवारिक जीवन के सभी कष्ट हमेशा के लिए दूर होंगे।

कुंभ

आज आप अपने पराक्रम और कुशल कूटनीति के बल पर विरोधियों और शत्रुओं के हर चक्रव्यूह को पूरी तरह से ध्वस्त करने में सफल रहेंगे। पुराने कानूनी मामलों में आज आपके पक्ष में कोई बहुत बड़ी और सुखद खबर सुनने को मिल सकती है। किसी गरीब व्यक्ति को पीले वस्त्र का दान करें जिससे आपके मन का अज्ञात भय पूरी तरह समाप्त हो जाएगा।

मीन

कला साहित्य लेखन और रचनात्मक क्षेत्रों से जुड़ी प्रतिभाओं को आज कोई बड़ा राष्ट्रीय सम्मान या विशिष्ट पहचान मिलने के सुंदर योग बन रहे हैं। संतान पक्ष की शिक्षा या करियर को लेकर चल रही पुरानी चिंताएं आज पूरी तरह समाप्त होंगी जिससे मन को बड़ी राहत मिलेगी। विष्णु जी के मंदिर में जाकर शुद्ध घी का दीपक प्रज्वलित करें जिससे आपके सुख और भौतिक साधनों में निरंतर वृद्धि होगी।

आज का वास्तु शोधनम सूत्र

गुरुवार के दिन घर के उत्तर पूर्व कोण यानी ईशान कोण में तांबे के एक छोटे पात्र में थोड़ा सा जल भरकर उसमें हल्दी और एक सिक्का रखने से घर का भयंकर वास्तु दोष पूरी तरह शांत होता है तथा साक्षात लक्ष्मी नारायण जी की असीम कृपा से परिवार के सदस्यों का मानसिक व आर्थिक संकट दूर होता है और सुख समृद्धि हमेशा बढ़ती रहती है।

प्रतिष्ठान सील से व्यापारी परेशान तो अधिकारी भी खुश नहीं हैं

लखनऊ हादसे के बाद अधिकारियों को जेल में देख विचलित है प्रशासन

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, मथुरा।

सैद्धांतिकता और व्यवहारिकता में बहुत अंतर होता है। किसी भी व्यापार के लिए सुरक्षा, सतर्कता के शासन के नियम-शर्तें आदर्श हो सकती हैं लेकिन, इनका क्रियान्वयन और अनुपालन उतना आसान नहीं है। लखनऊ हादसे के बाद गेस्ट हाउसों पर कार्रवाई से संचालक परेशान हैं, तो अधिकारी भी खुश नहीं हैं। उन्हें भी आशंकित स्थिति का डर सताया हुआ है। लेकिन, वे चाहते हैं कि जितना संभव हो, प्रतिष्ठान संचालन के मानक पूरे कर लिए जाएं। इसके लिए क्या हो सकता है बीच का

रास्ता, इसके लिए गेस्ट हाउस संचालकों के साथ जल्द ही संबंधित विभागों के अधिकारी बैठेंगे।

छोटे-छोटे गेस्ट हाउस सील किए जाने से परेशान गेस्ट हाउस संचालकों द्वारा नगर उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल के नगर अध्यक्ष सुनील अग्रवाल के नेतृत्व में नगर मजिस्ट्रेट से मुलाकात कर अपना पक्ष रखा गया। गेस्ट हाउस के संचालन में आ रही व्यावहारिक परेशानियों व विभिन्न विभागों में लगातार चक्कर लगाए जाने के बाद भी विभिन्न परेशानियां दूर न होने का विषय रखा।

नगर महामंत्री शशिभानु गर्ग ने बताया कि व्यापार मंडल

- कार्रवाई मजबूरी लेकिन बीच का रास्ता भी निकालना चाहते हैं अधिकारी
- मथुरा शहर के गेस्ट हाउस संचालकों के साथ जल्द ही बैठक करेंगे संबंधित विभागों के अधिकारी

पदाधिकारियों द्वारा नगर मजिस्ट्रेट से सभी समस्याओं का हल एकल खिड़की प्रणाली से करने व सभी गेस्ट हाउस संचालकों की एक वृहद बैठक जिसमें फायर विभाग, पर्यटन विभाग, मथुरा वृंदावन विकास प्राधिकरण व प्रशासनिक अधिकारी के मौजूद रहने का सुझाव रखा। इसके लिए नगर मजिस्ट्रेट अनुपम मिश्र ने सहमति जताई।

इस अवसर पर नगर अध्यक्ष सुनील अग्रवाल, उपाध्यक्ष गुरमुख दास, चौधरी राजवीर सिंह, संयुक्त महामंत्री श्रीभगवान चतुर्वेदी, नगर मंत्री व जन्मभूमि लिंक रोड व्यवसाय समिति के अध्यक्ष विजयवीर सिंह महामंत्री कृष्ण गोपाल शर्मा, बलवीर सिंह, सुधीर तोमर, देवी सिंह, ओंकार गौतम, किशन चंद शर्मा, पवन शर्मा, भगवान सिंह आदि उपस्थित रहे।

कांग्रेस ने चढ़ावे व चंदा चोरों से मुक्ति के लिए निकाली सद्बुद्धि पद यात्रा

टीएनएफ टुडे, मथुरा।

- भूतेश्वर स्थित श्रीजी बाबा आश्रम हनुमान मंदिर से से श्रीकृष्ण जन्म भूमि तक निकाली गई

उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के आवाह्न पर जिला कांग्रेस ने जिलाध्यक्ष मुकेश धनगर के नेतृत्व में अयोध्या स्थित श्री राम मंदिर में चढ़ावे एवं चंदा चोरों से मुक्ति के लिए सद्बुद्धि पदयात्रा भूतेश्वर स्थित श्रीजी बाबा आश्रम हनुमान मंदिर पूजा अर्चना कर शुभारंभ की। भगवान श्री कृष्ण जन्मभूमि के गेट पर हनुमान चालीसा पढ़कर यात्रा का समापन किया गया।पदयात्रा का नेतृत्व कर रहे कांग्रेस जिलाध्यक्ष ने कहा कि अयोध्या स्थित भगवान श्री राम मंदिर में चढ़ावे की चोरी एवं वित्तीय अनियमितताओं से जुड़ी खबरों से करोड़ों करोड़ों राम भक्तों की आस्था आहत हुई हैं। कांग्रेस पार्टी का स्पष्ट मानना है की आस्था से जुड़ी इस संपूर्ण घटना की उच्च न्यायालय के सिटिंग जज से निष्पक्ष जांच कराई जाए और ट्रस्ट को तत्काल भंग किया जाए । चारों पीठों के शंकराचार्य एवं श्री राम मंदिर के सम्मानित महंतों को इसकी संपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी जाए। पूर्व महानगर अध्यक्ष विक्रम बाल्मीकि ने कहा कि भाजपा सरकार के इशारे प्रभु श्री राम मंदिर में चंदे की चोरी किया जाना बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण है।

सद्बुद्धि पैदलयात्रा में लता चौहान, पुनीत बघेल, अबरार कुरेशी, रूपा लवानिया, शालू अग्रवाल, नीलम कुलश्रेष्ठ, गीता दिवाकर, अनाम धन्य तिवारी, प्रवीण ठाकुर, विपुल पाठक, हर्ष चौरसिया, काशन रिजवी, प्रेम शंकर शर्मा, आशीष अग्रवाल, गौरांग अग्रवाल, संदीप चौधरी, कुंवर सिंह निषाद, करन निषाद, रमेश कश्यप, जिलानी कादरी, अमित राज, विनोद दिवाकर, मुस्लिम कुरैशी, शैलेंद्र चौधरी आदि कांग्रेस जन उपस्थित रहे।

चौमुंहा में ऐतिहासिक नाग पंचमी मेला 17 अगस्त को, तैयारी बैठक

जयकुंड परिसर में हुई बैठक में श्रद्धालुओं की सुविधा, सुरक्षा और धार्मिक आयोजनों हुई चर्चा

टीएनएफ ब्यूरो, चौमुहाँ।

थाना जैंत क्षेत्र के गांव जैंत स्थित प्राचीन जयकुंड परिसर नाग मंदिर में 17 अगस्त को आयोजित होगा। ऐतिहासिक नाग पंचमी मेले की तैयारियों को लेकर मेला समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में मेले को भव्य, व्यवस्थित और शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए विभिन्न व्यवस्थाओं पर विस्तार से चर्चा की गई। मेला समिति के सदस्यों और क्षेत्र के गणमान्य लोगों ने आयोजन को और अधिक आकर्षक बनाने के लिए अपने-अपने सुझाव भी दिए।

बैठक में निर्णय लिया गया कि मेले की शुरूआत प्रभात फेरी से होगी। इसके बाद नाग मंदिर में ठाकुरजी के भव्य दर्शन,

महाअभिषेक और विशेष पूजा-अर्चना होगी। श्रद्धालुओं के लिए दिनभर धार्मिक अनुष्ठानों का आयोजन किया जाएगा। शाम के समय सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ प्रसिद्ध रासलीला एवं कालिया मर्दन लीला का मंचन होगा।

बैठक में श्रद्धालुओं की सुविधा को प्राथमिकता देते हुए पेयजल, साफ-सफाई, प्रकाश व्यवस्था, पार्किंग, यातायात नियंत्रण तथा सुरक्षा व्यवस्था को बेहतर बनाने पर विशेष जोर दिया गया। समिति के सदस्यों ने कहा कि मेले में आने वाले श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए सभी आवश्यक तैयारियां समय रहते पूरी कर ली जाएंगी। इसके अलावा प्रशासन से भी आवश्यक सहयोग लेने पर सहमति बनी।

मेला समिति ने क्षेत्र के लोगों से आयोजन को सफल बनाने में सहयोग करने की अपील करते हुए कहा कि नाग पंचमी मेला क्षेत्र की धार्मिक और सांस्कृतिक पहचान का प्रतीक है। समिति का प्रयास है कि इस वर्ष का आयोजन पहले से अधिक भव्य और यादगार बनाया जाए।

बैठक में आनंद यादव, प्रमोद ठाकुर, पदम सिंह, लाखन सिंह, हेमेंद्र राजावत, रितेश गौतम, प्रवेश ठाकुर, रोबिन ठाकुर, गौरव राजपूत, भूदेव प्रजापति, बच्चू सिंह सहित मेला समिति के सदस्य एवं क्षेत्र के अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

जैथरा में भाजपा मंडल की मासिक योजना बैठक संपन्न, संगठन को मजबूत करने का दिया गया संदेश

टीएनएफ टुडे, जैथरा/एटा।

जैथरा स्थित मिलन गेस्ट हाउस में भारतीय जनता पार्टी मंडल जैथरा की मासिक योजना बैठक का आयोजन किया गया। बैठक के मुख्य अतिथि जिला महामंत्री श्री सुशील गुप्ता जी रहे।

अपने ओजस्वी एवं प्रेरणादायी संबोधन में श्री सुशील गुप्ता ने पार्टी पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं का उत्साहवर्धन करते हुए पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाभियां 2026 के अंतर्गत डिजिटल लर्निंग प्रोग्राम ऑनलाइन प्रशिक्षण एवं संगठन की शक्ति केंद्र बैठक , बूथ पर मोदी जी के मन की बात एवं बूथ बैठक तथा आगामी संगठनात्मक कार्यक्रमों एवं जनहितकारी योजनाओं को प्रत्येक व्यक्ति तक पहुंचाने का आह्वान किया। उनके विचारों से उपस्थित कार्यकताओं में नई ऊर्जा और उत्साह का संचार हुआ।

बैठक का सफल संचालन महेश पाल सिंह (महामंत्री, भाजपा मंडल जैथरा) द्वारा किया गया। इस अवसर पर पूर्व चेयरमैन श्री बिजेन्द्र सिंह चौहान जी, डॉ. रूपराम वर्मा जी, डॉ. विनय प्रताप जी , जुगेन्द्र सिंह फौजी जी , मंडल अध्यक्ष श्री विमल पांडेय जी , चन्दहाश राजपूत जी, सचिन दुबे आई टी सेल , भीष्म पाल जी,गौरव ठाकुर जी ,अरविंद प्रताप जी,रंजना पांडे जी,सचिन भामाशाह जी, राजेश राजपूत, दीपक मिश्र, हेमराज यादव सहित मंडल के पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

बैठक के अंत में संगठन की मजबूती एवं आगामी कार्यक्रमों को सफल बनाने के लिए सभी कार्यकताओं से पूर्ण समर्पण एवं सक्रियता के साथ कार्य करने का आह्वान किया गया।

वर्ष दर वर्ष मथुरा वृंदावन महानगर के संसाधनों पर बढ़ रहा बेजा दबाव

टीएनएफ टुडे, मथुरा।

- नगर निगम में वर्ष 2023 में 180 से 190 टन कूड़ा उठता था, अब उठ रहा 500 टन
- यातायात से लेकर भीड़ प्रबंधन को लेकर जूझ रहे हैं नगर निगम और जिला प्रशासन

महानगर के संसाधनों पर वर्ष दर वर्ष दबाव बढ रहा है। जनपद भर में यही स्थिति है, ब्रजभूमि दुनियाभर के लोगों को आकर्षित कर रही है। लाखों में लोग यहां आकर बस रहे हैं। करोडों की संख्या में प्रतिवर्ष लोग ब्रज धरा पर आ रहे हैं। 27 लाख की आबादी वाले जनपद में प्रतिवर्ष करीब 10 करोड़ श्रद्धालु और पर्यटक आते हैं। वर्ष 2023 में जहां प्रतिदिन 180 से 190 टन कूड़ा उठाया जाता था, वहीं अब यह बढ़कर 500 टन से अधिक हो गया है। वर्ष 2017 में मुख्यमंत्री के मथुरा आगमन के समय शहर की स्वच्छता रैंकिंग 512वीं थी। लगातार प्रयासों से वर्ष 2019 में यह 129वें स्थान पर पहुंची और मथुरा को देश में सबसे तेज सुधार करने वाले शहर के रूप में सम्मानित किया गया। इसके बाद शहर ने 60वीं, 55वीं और 35वीं रैंक हासिल की तथा वर्तमान श्रेणीगत व्यवस्था में 11वां स्थान प्राप्त किया है। शहर के संसाधनों पर लगातार दबाव बढ रहा है। इसका खामियाजा स्थानीय लोगों को भी भुगतना पड रहा है। विकास के तामम प्रयास अभी तक मथुरा को सुकून नहीं दे सके हैं। फॉलोअप कार्यशाला में उद्यमियों, व्यापारियों और स्वयंसेवकों ने स्वच्छ ब्रज के लिए अपने सुझाव दिए। नेशनल चौंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के अध्यक्ष राजीव ब्रजवासी ने कहा कि स्वच्छता संकल्प को व्यवहार में उतारना जरूरी है। उन्होंने औद्योगिक क्षेत्रों में कूड़ा फैलाने और जलाने वालों पर कार्रवाई की मांग की। नेशनल चौंबर के निवर्तमान अध्यक्ष राजेश बजाज ने जल निकासी, सफाई व्यवस्था और नालों पर अतिक्रमण का मुद्दा उठाते हुए टेक्सटाइल उद्योगों से कपड़े के थैले उपलब्ध कराने का सुझाव दिया। उद्यमी पवन चतुर्वेदी ने जनसहभागिता बढ़ाने और यमुना संरक्षण पर जोर दिया। पूर्व अध्यक्ष राजेंद्र हाथी वालों ने नालों की नियमित सफाई, बाजारों में दिन में दो बार सफाई तथा अतिक्रमण हटाने की मांग की। विनीत गोयल ने डेयरियों और सब्जी मंडियों से फैल रही गंदगी का मुद्दा उठाया, जबकि विपुल अग्रवाल ने कचरे का अलग-अलग श्रेणियों में पृथक्करण कर उसके वैज्ञानिक निस्तारण का सुझाव दिया। सीनियर सिटीजन एसोसिएशन के अध्यक्ष दीपक गोयल ने शहर को सुंदर और व्यवस्थित बनाने की योजना रखी। साथ ही उन्होंने थेले भी भेंट किए। विपिन सिंघल ने कुछ क्षेत्रों को मॉडल स्वच्छता क्षेत्र बनाने तथा छत्ता बाजार में कचरा प्रबंधन और मुफ्त पॉलीथीन वितरण पर सख्ती की आवश्यकता बताई। राजेश कुमार मित्तल ने पूरे ब्रज क्षेत्र को अभियान से जोड़ने का सुझाव दिया। नगर निगम के उपनेता मुकेश सारस्वत ने साधु-संतों और भागवत वक्ताओं को अभियान से जोड़कर श्रद्धालुओं को स्वच्छता का संकल्प दिलाने की बात कही। कार्यशाला में रवि यादव, अजय कुमार अग्रवाल, गोपाल सक्सेना, महेंद्र राजपूत सहित अन्य प्रतिभागियों ने भी अपने सुझाव दिए।

ऐतिहासिक तालाब से जुड़े नाले की सफाई न होने से जलभराव, संक्रामक बीमारियों का बढ़ा खतरा

प्राचीन कैलाश मंदिर क्षेत्र में गंदगी से श्रद्धालु और स्थानीय नागरिक परेशान, नगर पालिका से तत्काल कार्रवाई की मांग

टीएनएफ टुडे, एटा।

नगर पालिका परिषद क्षेत्र के एक वार्ड में स्थित प्राचीन कैलाश मंदिर से जुड़े ऐतिहासिक तालाब के निकासी नाले की लंबे समय से सफाई न होने के कारण क्षेत्र में जलभराव और गंदगी की गंभीर समस्या उत्पन्न हो गई है। बरसात शुरू होते ही नाला पूरी तरह अवरुद्ध हो जाने से जल निकासी व्यवस्था चरमरा गई है, जिससे सड़कों और गलियों में पानी भर रहा है। इससे आमजन का आवागमन प्रभावित होने के साथ-साथ डेंगू, मलेरिया, चिकनगुनिया सहित अन्य संक्रामक बीमारियों के फैलने की आशंका भी बढ़ गई है।

स्थानीय नागरिकों के अनुसार ऐतिहासिक तालाब से निकलने वाला यह नाला वर्षों से आसपास के क्षेत्र के बरसाती एवं गंदे पानी की निकासी का प्रमुख माध्यम रहा है। लेकिन लंबे समय से सफाई न होने के कारण इसमें गाद, प्लास्टिक, पॉलीथिन तथा अन्य कूड़ा-कचरा जमा हो गया है। परिणामस्वरूप नाले का अधिकांश भाग चोक हो चुका है और पानी का प्राकृतिक प्रवाह पूरी तरह बाधित हो गया है।

बारिश के दौरान नाले का पानी सड़कों और गलियों में फैल जाता है। कई घरों और दुकानों के सामने घंटों तक पानी जमा रहने से लोगों को भारी असुविधा का सामना करना पड़ता है। दोपहिया वाहन चालकों के लिए

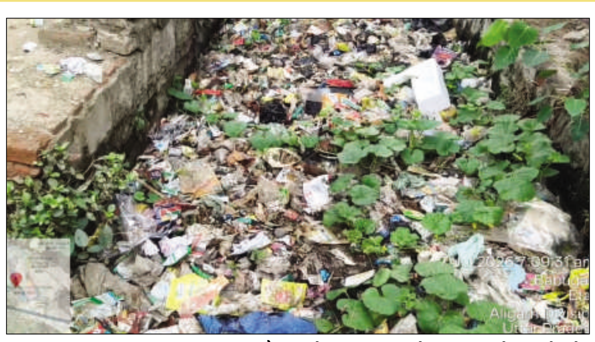

दुर्घटना का खतरा बना रहता है, जबकि पैदल राहगीरों को गंदे पानी से होकर गुजरना पड़ता है। बच्चों, बुजुर्गों और महिलाओं को सबसे अधिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है।

क्षेत्रवासियों का कहना है कि नाले में जमा गंदगी के कारण पूरे इलाके में दुर्गंध फैल रही है। जलभराव से मच्छरों का प्रकोप लगातार बढ़ रहा है, जिससे डेंगू, मलेरिया, चिकनगुनिया तथा अन्य संक्रामक रोग फैलने की आशंका गहरा गई है। लोगों का कहना है कि यदि समय रहते सफाई नहीं कराई गई तो बरसात के दिनों में स्थिति और अधिक गंभीर हो सकती है। स्थानीय नागरिकों का आरोप है कि इस समस्या को लेकर नगर पालिका प्रशासन एवं नगर पालिका अध्यक्ष को कई बार लिखित और मौखिक शिकायतें दी जा चुकी हैं, लेकिन अब तक कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई। उनका कहना है कि सफाई व्यवस्था की नियमित निगरानी न होने के कारण नाले की सफाई महीनों से नहीं कराई गई है।

क्षेत्र के लोगों ने यह भी बताया कि प्राचीन कैलाश मंदिर एवं उसके समीप स्थित ऐतिहासिक तालाब धार्मिक, सांस्कृतिक और सामाजिक दृष्टि से महत्वपूर्ण स्थल हैं। प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु यहां दर्शन के लिए आते हैं, लेकिन मंदिर परिसर के आसपास फैली गंदगी और जलभराव से उन्हें भी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। लोगों का कहना है कि ऐसी ऐतिहासिक एवं धार्मिक धरोहरों के आसपास स्वच्छता बनाए रखना नगर पालिका की प्राथमिक जिम्मेदारी होनी चाहिए।

वार्डवासियों का कहना है कि प्रत्येक वर्ष बरसात से पूर्व नालों की सफाई के दावे किए जाते हैं, लेकिन धरातल पर स्थिति इसके विपरीत दिखाई देती है। यदि समय रहते नाले की समुचित सफाई कर दी जाती तो आज क्षेत्रवासियों को जलभराव और गंदगी जैसी समस्याओं का सामना नहीं करना पड़ता।

सिरफिरे ने दौड़ लगा रहे युवकों को रौंदा, सात की हालत गंभीर

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, मथुरा।

सेना सहित दूसरी भर्तियों की तैयारी में जुटे युवाओं पर किसी सिरफिरे ने पीछे से वाहन चढ़ा दिया। युवकों को रौंदते हुए वाहन चालक वाहन को लेकर फरार हो गया। इस घटना से क्षेत्र में अफरातफरी मच गई। सभी युवक मगोर्रा थाने के गांव बछगांव के रहने वाले हैं जो भर्ती की तैयारी कर रहे थे। सीओ अनिल कुमार सिंह का कहना है कि दौड़ कर रहे युवाओ में अज्ञात वाहन ने पीछे से टक्कर मार दी है। घायलों को उपचार के लिए हॉस्पिटल में भर्ती कराया है। हादसा मंगलवार की सुबह करीब 5.30 बजे गोवर्धन रोड स्थित गांव तसिया के समीप हुआ। यहां 15 से अधिक युवा नौकरी की तैयारी के लिए दौड़ कर रहे थे। तभी पीछे से अज्ञात वाहन ने युवकों को रौंद दिया। घटना में करीब नौ युवक बुरी तरह से घायल हो गए।घटना में बीनू, टीटू, कन्हैया लाल, चिंटू, जगमोहन, सौरव, दीपक, कन्हैया सिंह, पुष्पेंद्र बुरी तरह से घायल हैं। घटना के बाद मौके पर अफरा तफरी मच गई। स्थानीय लोगों और राहगीरों ने तुरंत घायलों को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया। चार घायल युवकों को उपचार के लिए पाली स्थित केएम हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है, जबकि तीन की गंभीर हालत को देखते हुए उन्हें भरतपुर रेफर किया गया।

निशांत को मिला महानगर कांग्रेस में सचिव पद का दायित्व

मथुरा। लम्बे समय से पार्टी के लिए काम कर रहे और कांग्रेस समर्पित पारिवारिक पृष्ठभूमि से आने वाले निशांत शर्मा को महानगर कांग्रेस में महत्वपूर्ण जिम्मेदारी दी गई है। प्रदेश अध्यक्ष अजय राय अनुमति व पूर्व सीएलपी लीडर प्रदीप माथुर की सहमति से महानगर अध्यक्ष कांग्रेस कमेटी यतेन्द्र मुकद्दम ने निशांत शर्मा को महानगर की कार्यकारिणी में सचिव नियुक्त किया है। निशांत शर्मा के पिता कन्हैयालाल शर्मा मथुरा बार एसोसिएशन के पूर्व उपाध्यक्ष रहे हैं तथा फौजदारी के वरिष्ठ अधिवक्ता हैं। निशांत शर्मा के मनोनयन पर कांग्रेसियों ने बधाई दी है।

मांट ब्लाक आशा कार्यकर्ता संगठन की सीमा अध्यक्ष व पूनम बनी सचिव

मथुरा। जनपद के मांट ब्लांक में आशा कार्यकताओं का सम्मेलन आयोजन किया गया। जिसमें संगठन को मजबूत बनाने, आशा कार्यकताओं की समस्याओं और अधिकारों पर विस्तार से चर्चा की गई। सम्मेलन में बड़ी संख्या में आशा कार्यकताओं ने भाग लेकर संगठन को सशक्त बनाने का संकल्प लिया।

सम्मेलन को संबोधित करते हुए का. राधा चौधरी ने कहा कि आशा कार्यकर्ता स्वास्थ्य व्यवस्था की रीढ़ हैं, लेकिन उन्हें आज भी उचित मानदेय, सामाजिक सुरक्षा और सम्मानजनक सुविधाएं नहीं मिल पा रही हैं। उन्होंने कहा कि आशा कार्यकताओं को संगठित होकर अपने अधिकारों के लिए लोकतांत्रिक तरीके से संघर्ष करना होगा। एडवोकेट रवि शर्मा ने अपने संबोधन में कहा कि आशा कार्यकताओं के संवैधानिक एवं श्रम अधिकारों की रक्षा होना आवश्यक है। उन्होंने आश्वस्त किया कि आशा बहनों की जायज मांगों और अधिकारों के लिए हर स्तर पर कानूनी एवं सामाजिक सहयोग दिया जाएगा। सर्वसम्मति से आशा कार्यकर्ता संगठन की ब्लाक अध्यक्ष सीमा, उपाध्यक्ष कामनी, सचिव पूनम शर्मा,सहसचिव बृजेश, सहसचिव साधना, कोषाध्यक्ष अनुराधा, मीडिया प्रभारी बीनू नियुक्त किया गया।

कांग्रेस ने चढ़ावे व चंदा चोरों से मुक्ति के लिए निकाली सदबुद्धि पद यात्रा

मथुरा। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के आवाह्न पर जिला कांग्रेस ने जिलाध्यक्ष मुकेश धनगर के नेतृत्व में अयोध्या स्थित श्री राम मंदिर में चढ़ावे एवं चंदा चोरों से मुक्ति के लिए सद्बुद्धि पदयात्रा भूतेश्वर स्थित श्रीजी बाबा आश्रम हनुमान मंदिर पूजा अर्चना कर शुभारंभ की। भगवान श्री कृष्ण जन्मभूमि के गेट पर हनुमान चालीसा पढ़कर यात्रा का समापन किया गया।पदयात्रा का नेतृत्व कर रहे कांग्रेस जिलाध्यक्ष ने कहा कि अयोध्या स्थित भगवान श्री राम मंदिर में चढ़ावे की चोरी एवं वित्तीय अनियमितताओं से जुड़ी खबरों से करोड़ों करोड़ों राम भक्तों की आस्था आहत हुई हैं। कांग्रेस पार्टी का स्पष्ट मानना है की आस्था से जुड़ी इस संपूर्ण घटना की उच्च न्यायालय के सिटिंग जज से निष्पक्ष जांच कराई जाए और ट्रस्ट को तत्काल भंग किया जाए । चारों पीठों के शंकराचार्य एवं श्री राम मंदिर के सम्मानित महंतों को इसकी संपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी जाए। पूर्व महानगर अध्यक्ष विक्रम बाल्मीकि ने कहा कि भाजपा सरकार के इशारे प्रभु श्री राम मंदिर में चंदे की चोरी किया जाना बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण है।

सद्बुद्धि पैदलयात्रा में लता चौहान, पुनीत बघेल, अबरार कुरेशी, रूपा लवानिया, शालू अग्रवाल, नीलम कुलश्रेष्ठ, गीता दिवाकर, अनाम धन्य तिवारी, प्रवीण ठाकुर, विपुल पाठक, हर्ष चौरसिया, काशन रिजवी, प्रेम शंकर शर्मा, आशीष अग्रवाल, गौरांग अग्रवाल, संदीप चौधरी, कुंवर सिंह निषाद, करन निषाद, रमेश कश्यप, जिलानी कादरी, अमित राज, विनोद दिवाकर, मुस्लिम कुरैशी, शैलेंद्र चौधरी आदि कांग्रेस जन उपस्थित रहे।

शनि जात मेले में श्रद्धालुओं की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता

एटा। तहसील जलेसर क्षेत्र में आषाढ़ मास के प्रत्येक शनिवार एवं बुधवार को कई वर्षों से पारंपरिक रूप से आयोजित होने वाले प्रसिद्ध शनि जात मेले के सकुशल एवं व्यवस्थित आयोजन को लेकर जिला प्रशासन पूरी तरह सतर्क है।

इसी क्रम में जिलाधिकारी अरविन्द सिंह एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक इलामारन ने शनिवार को छोटे मियां-बड़े मियां की दरगाह एवं मेला क्षेत्र का स्थलीय निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का गहन जायजा लिया तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने कहा कि लाखों श्रद्धालुओं की आस्था से जुड़े इस मेले में सुरक्षा, सुगम आवागमन एवं मूलभूत सुविधाओं में किसी प्रकार की शिथिलता नहीं बरती जानी चाहिये। उन्होंने निर्देश दिए कि मेला क्षेत्र में पर्याप्त बैरिकेडिंग कर श्रद्धालुओं की आवाजाही को व्यवस्थित बनाया जाए, जिससे कहीं भी भीड़ का अनावश्यक दबाव अथवा भगदड़ जैसी स्थिति उत्पन्न न होने पाए। प्रत्येक तैनात अधिकारी एवं कर्मचारी पूरी संवेदनशीलता, सतर्कता एवं जिम्मेदारी के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करें।

जिलाधिकारी ने पेयजल, साफ-सफाई, मोबाइल शौचालय, प्रकाश व्यवस्था एवं अन्य नागरिक सुविधाओं को निरंतर संचालित रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी व्यवस्थाओं की नियमित मॉनिटरिंग की जाए तथा किसी भी प्रकार की समस्या सामने आने पर उसका तत्काल समाधान सुनिश्चित किया जाए। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक इला मारन जी ने निर्देश दिए कि मेला क्षेत्र एवं आसपास के संवेदनशील स्थानों पर पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती रहे तथा सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से लगातार निगरानी की जा रही है। अराजक एवं असामाजिक तत्वों पर विशेष नजर रखी जाए तथा किसी भी अप्रिय स्थिति की सूचना मिलते ही तत्काल प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। यातायात व्यवस्था भी सुचारु रहे ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े।

वृहद वृक्षारोपण अभियान के अन्तर्गत रोपित पौधों की जीवितता पर दिया जाये विशेष ध्यान, रोपित पौधों की देखभाल के किये जायें उचित प्रबन्धः जिलाधिकारी

ऋषिकान्त दुबे

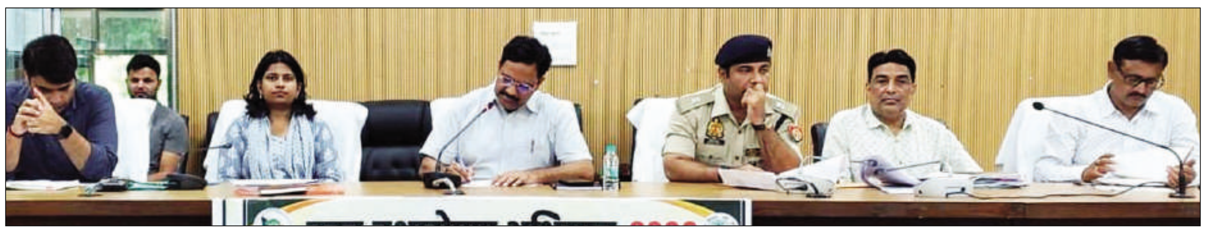

मैनपुरी। जिलाधिकारी डॉ. इंद्रमणि त्रिपाठी ने वृहद वृक्षारोपण अभियान की तैयारियों की समीक्षा करते हुये कहा कि दि. 12 जुलाई को वृक्षारोपण अभियान के अन्तर्गत ''एक पेड़ माँ के नाम'' अवश्य रोपित करें। उन्होने कहा कि अभियान के दौरान पौधे रोपित किये जायें वह जीवित रहें, यही लक्ष्य निर्धारित किया जाए, पौधा रोपण के साथ रोपित पौधे की जीवितता पर विशेष ध्यान दिया जाये, पौधा रोपण स्थल पर पौधों की देखभाल हेतु कर्मी की लिखित में ड्यूटी लगायी जाये। उन्होंने उपस्थित अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि पौधारोपण दिवस दि. 12 जुलाई को संबंधित अधिकारी प्रत्येक घंटे के पौधारोपण की प्रगति की सूचना वन विभाग कार्यालय में स्थापित कंट्रोल रूम को उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें। उन्होने कहा कि पौधारोपण कार्यक्रम को निर्वाचन की तरह इलेक्शन मोड से कराने हेतु जनपद को 06 जोन एवं 09 सेक्टर में विभाजित कर प्रत्येक जोन में उप जिलाधिकारी को जोनल मजिस्ट्रेट एवं जिला स्तरीय अधिकारियों को सेक्टर मजिस्ट्रेट के रूप में पौधा रोपण लक्ष्य की पूर्ति हेतु तैनात किया गया है। उन्होने बताया कि वृहद वृक्षारोपण अभियान के तहत मुख्य कार्यक्रम में विकास खंड मैनपुरी के ग्राम गढ़ेरी में लगभग 11 हेक्टेयर भूमि पर 21 हजार पौधे रोपित किए जाएंगे, नगर क्षेत्र के संसारपुर में 03 हजार पौधे रोपित करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

> **प्रत्येक पौधा रोपण स्थल पर हरितिमा अमृत वन मोबाइल एप से वृक्षारोपण की की जाये फोटोग्राफी एवं जियो टैगिंग- डॉ. त्रिपाठी**

श्री त्रिपाठी ने कहा कि शासन द्वारा इस वर्ष जनपद में 39 लाख 51 हजार 600 पौधे रोपित करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है, निर्धारित लक्ष्य के सापेक्ष सर्वाधिक पौधा रोपण ग्राम विकास विभाग द्वारा 14 लाख 47 हजार, वन विभाग द्वारा 10 लाख 36 हजार, कृषि विभाग द्वारा 04 लाख 48 हजार, उद्यान विभाग द्वारा 02 लाख 24 हजार, पर्यावरण विभाग द्वारा 01 लाख 99 हजार, पंचायती राज विभाग द्वारा 01 लाख 73 हजार, राजस्व विभाग द्वारा 01 लाख 12 हजार एवं नगर विकास द्वारा 40 हजार पौधे रोपित किए जाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है, निर्धारित लक्ष्य के सापेक्ष विश्व पर्यावरण दिवस दि. 05 जून के अवसर पर जनपद में 05 लाख 36 पौधे रोपित किये जा चुके हैं, जिसमें से ग्राम विकास विभाग द्वारा 03 लाख 34 हजार, कृषि विभाग द्वारा 84 हजार, वन विभाग द्वारा 36 हजार, पंचायती राज विभाग द्वारा 22 हजार पौधे रोपित किये जा चुके हैं। उन्होने कहा कि वृहद वृक्षारोपण अभियान के दौरान कम से कम 01-01 हे. भूमि पर मैनपुरी रेंज में च्यवन ऋषि आश्रम में महर्षि चरक वन, पड़रिया वन ब्लाक में ऊर्जा वन, करहल रेंज के आलमगीरपुर वन ब्लाक में सामाजिक समरसता वन, नगला मांझ में फलदार प्रजातियों की वाटिका, किशनी रेंज के समान वन ब्लाक में समृद्धि वन, नहर कानपुर ब्रांच पर वंदे-मातरम् वाटिका, भोगांव रेंज के टोडरपुर नहर पटरी पर ऑक्सीवन विकसित होंगे।

प्रभागीय निदेशक सामाजिक वानिकी शिवम मिश्रा ने बताया कि जनपद के लिए संशोधित वृक्षारोपण लक्ष्य की पूर्ति हेतु जनपद की 24 नर्सरी में 61 लाख 13 हजार पौध तैयार है, जहां से मांग के अनुसार विभागों को पौधे उपलब्ध कराए जाएंगे, वन विभाग द्वारा संरक्षित वन क्षेत्र की भूमि पर वृहद स्तर पर वृक्षारोपण होगा। उन्होने बताया कि जिन विभागों को वृक्षारोपण के लक्ष्य आवंटित किये गये है, उनके द्वारा स्थल चयन, गड्ढा खुदान सम्बन्धित सूचना उपलब्ध करा दी गयी है साथ ही पौध उठान का मांग पत्र भी अधिकांश विभागों द्वारा उपलब्ध कराया गया है, मांग के अनुसार समीपवर्ती पौधशालाओं से संम्बन्धित विभागों को पौध उपलब्ध करायी जा रही है।

बैठक में मुख्य विकास अधिकारी नेहा बंधु, अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण अभिषेक तिवारी, मुख्य चिकित्साधिकारी डा. आर.सी. गुप्ता, जिला विकास अधिकारी अजय कुमार, परियोजना निदेशक डी.आर.डी.ए. शोभनाथ चौरसिया, उपायुक्त एनआरएलएम शौकत अली, मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. सोमदत्त, जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी अरूण कुमार शुक्ला, जिला विद्यालय निरीक्षक सतीश कुमार, जिला बेसिक शिक्षाधिकारी सूर्य प्रताप, अधिशाषी अभियंता लोक निर्माण ए.के. अरुण, उप प्रभागीय वनाधिकारी वंदना सिंह, उप क्षेत्रीय वनाधिकारी राजीव दीक्षित, अधिशासी अधिकारी नगर निकाय, खंड विकास अधिकारी सहित अन्य संबंधित अधिकारी आदि उपस्थित रहे।

न्याय की आस में किसान 18 महीने से करहल तहसील के काट रहा चक्कर, फाइल गायब करने का भी लगा है आरोप

टीएनएफ टुडे, करहल।

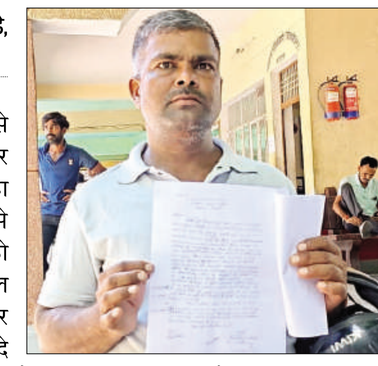

करहल में 18 महीने से न्याय की आस में दर दर की ठोकरे खा रहा किसान। महीनों से न्याय की आस को लेकर करहल तहसील मुख्यालय के चक्कर काटता हुआ दिखाई दे रहा है। पीडित ने बताया है कि मेरे भाई का नाम पृथक कर दिया है। जिसका वाद एसडीएम कोर्ट में चल रहा है। लेकिन अब आख्या के बहाने टहला रहे है। अब वह फाइल गायब करा दी गई। जब भी लेखपाल और कानूनगो से पूछते है तो जबाब आता है फाइल हमारे पास नही है। पीड़ित ने फाइल को गायब करने का भी आरोप लगाया है।

पीड़ित सिकंदरपुर निवासी भानू प्रताप ने करहल तहसील मुख्यालय पहुचकर फिर से न्याय की आस जगाई है। और अपनी आपबीती भी सुनाई है।

पीडित ने बताया है कि बिना किसी आदेश के मेरा नाम पृथक कर दिया है। जिसका एक वाद करहल एसडीएम के न्यायालय वाद दायर किया है। जिसमें न्यायालय ने पुनः आख्या रिपोर्ट तहसीलदार करहल से आज से करीब 18 महीने से मेरी पत्रावली आख्या रिपोर्ट के लिये लंबित है। आज तक तहसीलदार, राजस्व निरीक्षक, व लेखपाल स्तर पर पत्रावली है। लेखपाल से जब पूछा जाता है तो बोलते है तुम्हारी पत्रवली राजस्व निरीक्षक के पास है और राजस्व निरीक्षक से पूछते है तो कहते है तुम्हारी पत्रावली मेरे पास नही है। आज तक मुझ प्रार्थी को पत्रावली को सही जानकारी नही मिल पा रही है। जिस कारण में 18 माह से परेशान हूं।

रोडवेज बस की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत, तीन अन्य घायल

कुरावली/मैनपुरी। थाना कुरावली क्षेत्र के अंतर्गत जीटी रोड पर तहसील के नजदीक मंगलवार शाम करीब 4 बजे एक दर्दनाक सड़क दुर्घटना हुई। मैनपुरी से अपना काम निपटाकर मोटरसाइकिल से घर लौट रहे बरखेड़ा निवासी रोहित कुमार (27 वर्ष) और नरेंद्र (24 वर्ष) को पीछे से आ रही एक अनियंत्रित और तेज रफ्तार रोडवेज बस ने जोरदार टक्कर मार दी। इस भीषण टक्कर के कारण रोहित कुमार पुत्र अजय पाल की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई, जबकि नरेंद्र गंभीर रूप से घायल हो गए।

इसी दौरान पास से गुजर रही एक अन्य मोटरसाइकिल भी इस हादसे की चपेट में आ गई, जिससे उस पर सवार विनेश (तिसौली निवासी) और रामनरेश (कमलापुर निवासी) भी गंभीर रूप से चोटिल हो गए। दुर्घटना को अंजाम देने के बाद रोडवेज बस का चालक वाहन सहित मौके से फरार हो गया। स्थानीय लोगों की सूचना पर तत्काल पहुँची कुरावली थाना पुलिस ने सभी तीनों घायलों को इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुँचाया, जहाँ से प्राथमिक उपचार के बाद नाजुक हालत को देखते हुए उन्हें जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। पुलिस ने मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और परिजनों को सूचित कर मामले की वैधानिक जांच शुरू कर दी है।

अवैध हथियार के साथ एक आरोपी गिरफ्तार, दर्जनों आपराधिक मामले हैं दर्ज

दन्नाहार/ मैनपुरी। दन्नाहार थाना क्षेत्र के अंतर्गत सथिनी रेलवे क्रॉसिंग के पास बने अंडरपास के समीप से एक व्यक्ति को अवैध हथियार के साथ पकड़ा गया है। तलाशी के दौरान आरोपी के पास से एक अवैध तमंचा (315 बोर) और दो जिंदा कारतूस बरामद किए गए हैं। पकड़े गए व्यक्ति की पहचान पुष्पेन्द्र उर्फ करू (उम्र 36 वर्ष) पुत्र राजू गिहार के रूप में हुई है, जो मैनपुरी के आगरा रोड स्थित गिहार कॉलोनी का निवासी है। पुलिस द्वारा आरोपी को हिरासत में लेकर विधिक कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई है और उसे स्थानीय न्यायालय में पेश किया गया है।

पकड़े गए आरोपी का लंबा आपराधिक इतिहास रहा है। उस पर पहले से ही चोरी, धोखाधड़ी, आर्म्स एक्ट, गैंगस्टर एक्ट, जुआ अधिनियम, वन्यजीव संरक्षण अधिनियम और मारपीट जैसी विभिन्न गंभीर धाराओं के तहत मैनपुरी के अलग-अलग थानों में करीब एक दर्जन से अधिक मामले दर्ज हैं। वह क्षेत्र में वांछित अपराधी के रूप में चिन्हित था, जिसके बाद यह कार्रवाई अमल में लाई गई।

मैनपुरी में मानव तस्करी और बाल श्रम के खिलाफ एएचटीयू की कार्रवाई, दुकानों और मंदिरों पर हुई

टीएनएफ टुडे, मैनपुरी।

भारत सरकार के महिला एवं बाल विकास मंत्रालय के निदेशों के क्रम में जनपद में मानव तस्करी, बाल श्रम, बाल विवाह और बाल भिक्षावृत्ति की रोकथाम के लिए विशेष अभियान चलाया गया। इस अभियान के तहत एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट (एएचटीयू) की टीम ने शहर के विभिन्न हिस्सों में औचक चेकिंग करने के साथ ही आम लोगों को जागरूक किया।

अभियान के दौरान उपनिरीक्षक सुनील कुमार वर्मा के नेतृत्व में पुलिस टीम ने स्थानीय मैकेनिकल दुकानों और मंदिर परिसरों की सघन चेकिंग की, ताकि बाल श्रम या भिक्षावृत्ति में लिप्त बच्चों को रेस्क्यू किया जा सके। इस दौरान टीम ने दुकानदारों को सख्त हिदायत दी कि किसी भी नाबालिग से काम कराना कानूनी अपराध है और ऐसा पाए जाने पर कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

इसके साथ ही टीम ने नागरिकों को जागरूक करते हुए बताया कि मानव तस्करी एक गंभीर अपराध है, जिसमें महिलाओं, बच्चों और कमजोर वर्ग के लोगों को रोजगार, विवाह या शिक्षा का झांसा देकर शोषण का शिकार बनाया जाता है। उन्होंने आमजन से अपील की कि वे किसी भी अपरिचित व्यक्ति के प्रलोभन में न आएं। यदि कहीं भी बाल श्रम, बाल विवाह, बाल भिक्षावृत्ति या मानव तस्करी से जुड़ी कोई संदिग्ध गतिविधि दिखाई देती है, तो तत्काल हेल्पलाइन नंबर 112, 181 या चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 पर इसकी सूचना दें, ताकि समय रहते पीड़ित की मदद की जा सके।

पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह आज जिले में

टीएनएफ टुडे, मैनपुरी।

पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री उ.प्र. शासन जयवीर सिंह दि. 08 जुलाई को जनपद भ्रमण पर पधार रहे हैं, मंत्री जी पूर्वान्ह 10.30 बजे से राज मैरिज होम में मुख्यमंत्री शिक्षक कैशलेस चिकित्सा योजना का शुभारंभ करेंगे तदोपरांत डी.बी.टी. वितरण एवं अन्य कार्यक्रमों में सम्मिलित होंगे, दोपहर 12.10 बजे नटराज होटल वाली गली में राम बाबू कुशवाहा के आवास पर जायेगें, दोपहर 12.20 बजे लखनऊ के लिए प्रस्थान करेंगे।

मैनपुरी नगर पालिका में रिश्वतखोरी के खिलाफ फूटा किसानों का गुस्सा, धरना प्रदर्शन के बाद जारी हुआ मृत्यु प्रमाण पत्र

टीएनएफ टुडे, मैनपुरी।

मैनपुरी नगर पालिका परिषद में व्याप्त कथित रिश्वतखोरी के विरोध में भारतीय किसान यूनियन महाशक्ति के पदाधिकारियों और कार्यकताओं ने जोरदार प्रदर्शन किया। संगठन का आरोप है कि उनकी एक महिला कार्यकर्ता अपने दिवंगत पिता का मृत्यु प्रमाण पत्र बनवाने के लिए पिछले छह महीनों से नगर पालिका कार्यालय के चक्कर काट रही थी। प्रमाण पत्र पूरी तरह तैयार होने के बावजूद उसे देने के एवज में कथित तौर पर छह हजार रुपये की रिश्वत मांगी जा रही थी। इस बात से आक्रोशित होकर बड़ी संख्या में संगठन के कार्यकताओं ने नगर पालिका परिसर का घेराव कर दिया और प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की।

धरने को बढ़ता देख अधिशासी अधिकारी बुद्धि प्रकाश तुरंत मौके पर पहुंचे और प्रदर्शनकारियों के साथ बातचीत शुरू की। संगठन के दबाव के आगे प्रशासन ने पीड़ित महिला कार्यकर्ता को मौके पर ही उनके पिता का मृत्यु प्रमाण पत्र उपलब्ध करा दिया, जिसके बाद वहां उपस्थित लोगों का गुस्सा शांत हुआ। इस दौरान किसान नेताओं ने यह भी स्पष्ट किया कि उनका यह विरोध केवल मृत्यु प्रमाण पत्र तक सीमित नहीं था, बल्कि नगर पालिका में आने वाले आम नागरिकों और किसानों से अवैध रूप से लिए जा रहे वाहन पार्किंग शुल्क तथा शहर में लंबे समय से बनी सड़क व जलभराव की गंभीर समस्याओं के खिलाफ भी था।

अधिशासी अधिकारी ने संगठन के पदाधिकारियों को आश्वासन दिया कि भविष्य में नगर पालिका परिसर में आने वाले किसान यूनियन के

सेंट मैरीज स्कूल मैनपुरी में देश को हरा-भरा बनाओ कार्यक्रम का आयोजन, छात्रों ने पर्यावरण और स्वच्छता का दिया संदेश

टीएनएफ टुडे, मैनपुरी।

आश्रम रोड स्थित सेंट मैरीज स्कूल में देश को हरा-भरा बनाओ कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया, जिसमें कक्षा दो से बारहवीं तक के सभी छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। ग्रीष्मावकाश गृहकार्य के अंतर्गत छात्रों ने अपने घरों में गमलों में बीज बोकर पौधों को उगाया और उनका संरक्षण किया, जिन्हें वे विद्यालय में लेकर उपस्थित हुए। चारों ओर फैली इस हरियाली का दृश्य अत्यंत विहंगम और सराहनीय था। कार्यक्रम के दौरान छात्रों को वर्तमान समय में बढ़ते प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए वृक्षारोपण की अनिवार्यता के बारे में बताया गया और उनके द्वारा किए गए इस नेक कार्य को पूरी दुनिया के लिए एक अनुपम संदेश कहा गया। इस अवसर पर विद्यालय के प्रबंधक दीपक जी. दास ने अपने संबोधन में छात्रों द्वारा लगाए गए नीम, तुलसी, आँवला, पीपल, नींबू और संतरा जैसे पौधों की सराहना करते हुए कहा कि ये पौधे न केवल हरियाली फैलाते हैं बल्कि स्वास्थ्य के लिए आरोग्यवर्धक भी हैं। इसी क्रम में कक्षा दस के छात्र भावेश चौहान ने प्रार्थना सभा में स्वच्छता के महत्व पर अपने विचार व्यक्त किए और कहा कि सफाई का पहला पाठ स्वयं को और अपने विद्यालय परिसर को साफ रखना है, क्योंकि एक स्वच्छ शरीर में ही स्वस्थ मस्तिष्क का निवास होता है। इस गरिमामयी कार्यक्रम में प्रधानाचार्या मनोरमा, सहायक निदेशक कुशाग्र दास, प्रधानाचार्य दामियन एंथनी, उप-प्रधानाचार्य दीपांकर विश्वास, इंचार्ज कमलेश गेरा, शिवानी चौहान और संपूर्ण विद्यालय परिवार उपस्थित रहा।

अभियान संचालित कर झोलाछाप चिकित्सकों के विरुद्ध की जाए प्रभावी कार्यवाही

किसी भी दशा में अनाधिकृत रूप से अल्ट्रासाउंड सेंटर, चिकित्सालय संचालित न रहेः जिलाधिकारी

टीएनएफ टुडे, मैनपुरी।

जिलाधिकारी डॉ. इंद्रमणि त्रिपाठी ने विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत जिला स्वास्थ्य समिति की समीक्षा के दौरान संतोष व्यक्त करते हुए कहा कि संचारी रोग अभियान के प्रथम सप्ताह में सम्बन्धित विभागों के अधिकारियों, कर्मचारियों ने बेहतर कार्य किया है, सभी पैरामीटर्स में जनपद प्रदेश में इस सप्ताह शीर्ष पर कायम है, सभी अधिकारी अवशेष दिनों में भी इसी प्रकार कार्य करें, अभियान के दौरान विशेष तौर पर जल-भराव वाले स्थानों पर ध्यान दें, जल-निकासी के बेहतर प्रबंध किए जाएं, झाड़ियों के कटान के साथ नियमित रूप से शहरी क्षेत्र से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों तक एंटी-लारवा का छिड़काव, फॉगिंग कराया जाए, ग्राम पंचायत वार्ड में जागरूकता अभियान संचालित किए जाएं, जनपद के प्रत्येक विद्यालय में नियमित रूप से छात्रों को वेक्टर जनित बीमारियों से बचाव हेतु बरती जाने वाली सावधानियों के प्रति जागरूक किया जाए, जन-सामान्य को जलपात्रों की साप्ताहिक सफाई करने के लिए प्रेरित किया जाये, दि. 11 जुलाई से प्रारंभ हो रहे दस्तक अभियान के दौरान आशा, ए.एन.एम घर-घर जाकर लोगों के स्वास्थ्य की जानकारी करें, जो लोग बुखार, खांसी सहित अन्य बीमारियों से ग्रसित है, उनकी सूची तैयार कर संबंधित प्र. चिकित्साधिकारी को उपलब्ध करायें, प्र. चिकित्साधिकारी बीमारी से ग्रसित व्यक्तियों को स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करें, जिन ग्रामों में ज्यादा मरीज हों, वहां स्वास्थ्य कैंप आयोजित कर लोगों को स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान की जाएं, अनटाइड फंड से एंटी-लारवा छिड़काव हेतु मशीन क्रय की जाए, प्रत्येक ग्राम पंचायत में फागिंग मशीन की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए।

श्री त्रिपाठी ने असंतोष व्यक्त करते हुए कहा कि जनपद में झोला-छाप चिकित्सकों के इलाज से मरीजों की मृत्यु होने की घटनाएं प्रकाश में आ रही हैं साथ ही अनाधिकृत रूप से अल्ट्रासाउंड सेंटर के संचालन की भी शिकायतें मिल रही हैं, स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी ऐसी घटनाओं की रोकथाम हेतु प्रभावी कार्यवाही करें। उन्होने प्र. चिकित्साधिकारियों से कहा कि अपने-अपने स्वास्थ्य क्षेत्र के अंतर्गत लोगों को सेवाओं के साथ स्वास्थ्य विभाग की संचालित योजनाओं का लाभ नेतृत्व देकर प्रदान करें। उन्होनें संस्थागत प्रसव की समीक्षा के दौरान पाया की वार्षिक लक्ष्य 51024 के सापेक्ष अब तक 11183 संस्थागत प्रसव हो चुके हैं। उन्होंने प्र. चिकित्साधिकारियों से कहा कि अपने-अपने क्षेत्र की प्रसूताओं की आशावार ड्यू लिस्ट तैयार करायें, गर्भवती महिलाओं एवं उनके परिजनों को संस्थागत प्रसव करने के लिए प्रेरित करें साथ ही गर्भावस्था के दौरान उन्हें भरपूर पोषक आहार लेने, उनके स्वास्थ्य की नियमित जांच कर ऑयरन, कैल्शियम की टेबलेट उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने कहा कि राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत माइक्रो-प्लान तैयार कर जनपद के सभी आंगनबाड़ी केन्द्रो, प्राथमिक, उच्च प्राथमिक, माध्यमिक विद्यालयों के शत-प्रतिशत छात्रों का स्वास्थ्य परीक्षण कराया जाए, स्वास्थ्य परीक्षण में जिन बच्चों में स्वास्थ्य संबंधी कमियां मिलें उन्हें बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं के साथ स्वास्थ्य विभाग की संचालित योजना से लाभान्वित किया जाए, नियमित टीकाकरण के तहत कोई भी लक्षित बच्चा पूर्ण रूप से प्रतिरक्षित होने से शेष न रहे। उन्होंने कहा कि मैटरनल डेथ का शत-प्रतिशत ऑडिट कर मौत के कारणों की जानकारी की जाए। उन्होने जिला क्षय रोग अधिकारी को निर्देशित करते हुए कहा कि जनपद में चिन्हित क्षय रोगियों की बेहतर देखभाल की जाए, उन्हें योजना में मिलने वाली धनराशि समय से उपलब्ध करायी जाए, प्रतिमाह पोषण पोटली भी उपलब्ध करायी जाए। उन्होंने जननी सुरक्षा कार्यक्रम, राष्ट्रीय अधंता निवारण कार्यक्रम, जननी शिशु सुरक्षा योजना, परिवार कल्याण कार्यक्रम आदि की बिंदुवार गहन समीक्षा की।

मुख्य विकास अधिकारी नेहा बंधु ने कहा कि आशा, संगिनी के मानदेय के भुगतान में किसी भी स्तर पर विलंब न हो, जनपद में संचालित अल्ट्रासाउंड सेंटर की नियमित जांच हो, अल्ट्रासाउंड सेंटर संचालकों से नियमों, मानकों का पालन कराया जाए, एंबुलेंस-102, 108 निर्धारित रिस्पांस टाइम में मरीज तक पहुंचे। उन्होंने कहा कि जनपद के चिन्हित सैम बच्चों को पोषण पुनर्वास केंद्र में भर्ती कराकर उनकी सेहत में सुधार लाया जाए।

बैठक में मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. आर.सी. गुप्ता, मुख्य चिकित्साधीक्षक डॉ. राज सिंह, अपर मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. अनिल वर्मा, चिकित्साधिकारी डॉ. सुरेंद्र सिंह, डॉ. अभिनव दुबे, जिला क्षय रोग अधिकारी डॉ. आशुतोष, जिला पंचायत राज अधिकारी राजेश बघेल, जिला कार्यक्रम अधिकारी अशोक कुमार, जिला मलेरिया अधिकारी हिलाल अहमद, महामारी रोग विशेषज्ञ डॉ. अनिल यादव, स्वास्थ्य शिक्षा अधिकारी रविंद्र गौर, डी.पी.एम. संजीव वर्मा सहित स्वास्थ्य विभाग के अन्य चिकित्सक, प्रभारी चिकित्साधिकारी अन्य संम्बन्धित अधिकारी आदि उपस्थित रहे।

दमिश्क में मैक्रों के दौरे के दौरान होटल के पास धमाका, सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट

एजेंसी, दमिश्क।

सीरिया की राजधानी दमिश्क में उस समय सुरक्षा एजेंसियों की सतर्कता अचानक बढ़ गई, जब फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के आधिकारिक दौरे के दौरान उनके ठहरने की व्यवस्था वाले होटल के नजदीक विस्फोट होने की सूचना मिली। धमाके के बाद सुरक्षा बलों ने तत्काल पूरे क्षेत्र को सील कर दिया और आसपास की सड़कों पर आवाजाही रोक दी। शुरूआती जानकारी के अनुसार घटना में किसी के हताहत होने की पुष्टि नहीं हुई है, हालांकि सुरक्षा एजेंसियां पूरे घटनाक्रम की गहन जांच में जुट गई हैं।

स्थानीय मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक, धमाके के समय इलाके में एक के बाद एक तेज आवाजें सुनाई दीं। सोशल मीडिया पर सामने आए कुछ वीडियो में ब्लास्ट के बाद धुएं का गुबार उठता दिखाई दिया। हालांकि प्रशासन ने अभी तक विस्फोट की प्रकृति या इसके पीछे किसी संगठन की भूमिका को लेकर आधिकारिक जानकारी साझा नहीं की है।

सत्ता परिवर्तन के बाद पहली बड़ी यूरोपीय यात्रा

फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों हाल ही में सत्ता परिवर्तन के बाद सीरिया का दौरा करने वाले पहले प्रमुख यूरोपीय नेता बने हैं। दमिश्क पहुंचने पर उनका स्वागत सीरिया के विदेश मंत्री असद अल-शैबानी ने किया। इसके बाद उन्होंने राष्ट्रपति अहमद अल-शरा के साथ द्विपक्षीय वार्ता की। दोनों नेताओं ने ऐतिहासिक उमय्यद मस्जिद का भी दौरा किया और सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण पर चर्चा की। इस यात्रा को सीरिया और यूरोपीय देशों के बीच संबंधों को नए सिरे से मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

पुनर्निर्माण और निवेश पर फोकस मैक्रों की इस यात्रा का मुख्य उद्देश्य युद्ध प्रभावित सीरिया के पुनर्निर्माण, विदेशी निवेश, ऊर्जा सहयोग और आतंकवाद के खिलाफ साझा रणनीति पर चर्चा करना है। दोनों देशों के बीच बुनियादी ढांचे, वित्तीय सहयोग और ऊर्जा परियोजनाओं को लेकर भी कई महत्वपूर्ण प्रस्तावों पर विचार किया जा रहा है। विशेषज्ञों का मानना है कि ऐसे संवेदनशील समय में हुआ यह धमाका सुरक्षा एजेंसियों के लिए बड़ी चुनौती है। फिलहाल जांच एजेंसियां विस्फोट के कारणों और संभावित साजिश की सभी पहलुओं से जांच कर रही हैं। प्रशासन का कहना है कि स्थिति नियंत्रण में है और आम नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं।

मैक्रों की यात्रा के बीच बढ़ाई गई सुरक्षा

धमाके के तुरंत बाद फ्रांसीसी प्रतिनिधिमंडल और राष्ट्रपति मैक्रों की सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत कर दिया गया। होटल और आसपास के इलाकों में अतिरिक्त सुरक्षा बल तैनात किए गए हैं। अधिकारियों ने बताया कि राष्ट्रपति की यात्रा निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार जारी है, लेकिन सुरक्षा प्रोटोकॉल को और कड़ा कर दिया गया है।

तीन कमरों में चल रही आठ कक्षाओं की पढ़ाई

सरकारी स्कूल की ये हकीकत कर देगी हैरान, ऐसे पढ़ रहे हैं 170 बच्चे

एजेंसी, पिनगवां।

सरकारी स्कूलों में बेहतर शिक्षा के दावों के बीच हरियाणा ने नूंह जिले स्थित गांव सुल्तानपुर (काटपुरी) के राजकीय माध्यमिक विद्यालय में संसाधनों की कमी साफ दिखाई देती है। स्कूल में करीब 170 छात्र-छात्राएं पढ़ाई करते हैं, लेकिन पढ़ाई के लिए केवल तीन कमरे ही उपलब्ध हैं। ऐसे में कई कक्षाओं के विद्यार्थियों को एक साथ बैठाकर पढ़ाना पड़ता है, जिससे शिक्षण कार्य प्रभावित होता है।

2011 में अपग्रेड हुआ था स्कूल

जानकारी के अनुसार वर्ष 2011 में इस विद्यालय को मिडिल स्कूल में अपग्रेड किया गया था। उस समय छह नए कमरे, रसोईघर और शौचालय का निर्माण कराया गया था। बाद में एक कमरा आंगनवाड़ी केंद्र को दे दिया गया, एक कमरा स्टाफ कार्यालय के रूप में उपयोग होने लगा, जबकि एक कमरा जर्जर होने के कारण उपयोग के लायक नहीं रहा। इसके चलते अब विद्यार्थियों के लिए केवल तीन कमरे ही बचे हैं।

स्कूल में नहीं खेल का मैदान

स्कूल में मिडिल स्तर पर चार और प्राइमरी स्तर पर दो शिक्षक कार्यरत हैं। शिक्षकों की संख्या भी आवश्यकता के अनुसार कम है, लेकिन उपलब्ध शिक्षक सीमित संसाधनों के बावजूद बच्चों की पढ़ाई में पूरी मेहनत कर रहे हैं। विद्यालय में खेल मैदान का भी अभाव है, जिससे बच्चों को खेलकूद गतिविधियों का पर्याप्त अवसर नहीं मिल पाता।

प्रिंसिपल क्या बोले

हाल ही में विद्यालय में मुख्य अध्यापक के रूप में कार्यभार संभालने वाले सोहराब खान स्कूल की शैक्षणिक स्थिति सुधारने में जुटे हुए हैं। उन्होंने बताया कि जब उन्होंने कार्यभार संभाला था, तब मिडिल स्कूल में केवल 40 विद्यार्थियों का नामांकन था। अभिभावकों से संपर्क और जागरूकता अभियान चलाने के बाद 27 नए विद्यार्थियों का दाखिला कराया गया है।

'इथेनॉल मिश्रित पेट्रोल से किस गाड़ी को हुई दिक्कत?' परिवहन मंत्री गडकरी की आलोचकों को चुनौती

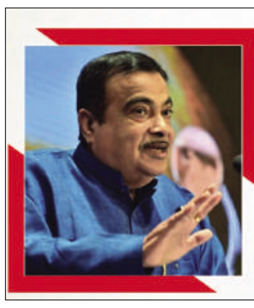

एक भी ऐसी गाड़ी का नाम बताएं जिसे मिश्रित ईंधन से परेशानी हुई हो। जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता एक आर्थिक बोझ है। इसलिए स्वच्छ ऊर्जा अपनाना देश की प्रगति के लिए महत्वपूर्ण है।

नितिन गडकरी, केंद्रीय मंत्री

एजेंसी, नई दिल्ली।

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने मंगलवार को इथेनॉल मिश्रित पेट्रोल (ई20) की बिक्री पर हो रही आलोचनाओं का जवाब दिया। उन्होंने आलोचकों को चुनौती दी कि वे एक भी ऐसी गाड़ी का नाम बताएं जिसे मिश्रित ईंधन से परेशानी हुई हो। गडकरी ने 'विकसित भारत कॉन्क्लेव' में कहा कि भारत की जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता एक आर्थिक बोझ है। ईंधन आयात पर सालाना 22 लाख करोड़ रुपये खर्च होते हैं। यह पर्यावरण के लिए भी खतरा है, इसलिए स्वच्छ ऊर्जा अपनाना देश की प्रगति के लिए महत्वपूर्ण है।

क्या भारत में ईंधन चुनने का विकल्प है?

भारत में वाहन मालिकों के पास पेट्रोल पंप पर अलग-अलग ईंधन चुनने का विकल्प नहीं है। ब्राजील में ग्राहकों को अलग-अलग कीमतों पर ईंधन चुनने का विकल्प मिलता है। ब्राजील के कानून के तहत, उच्च इथेनॉल मिश्रण वाले ईंधन पर मूल्य छूट देना अनिवार्य है। भारत में अभी ऐसा कोई विकल्प नहीं है।

क्या गडकरी के परिवार की कंपनियां इथेनॉल उत्पादन में शामिल हैं?

इथेनॉल उत्पादन में परिवार के सदस्यों की कंपनियों के शामिल होने के आरोपों पर भी गडकरी ने जवाब दिया। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री ने कहा कि उनके परिवार के सदस्यों के पास चीनी मिलें हैं। उनकी कंपनियां इथेनॉल उत्पादन पर निर्भर नहीं हैं।

उन्होंने बताया कि देश में इथेनॉल अधिशेष में है। मक्का से इथेनॉल बनाने के कदम से उत्तर प्रदेश और बिहार के किसानों को 45,000 करोड़ रुपये की अतिरिक्त आय हुई है। मक्का का बाजार मूल्य 1,200 रुपये प्रति क्विंटल था, जो बढ़कर 2,800 रुपये प्रति क्विंटल हो गया।

क्या इथेनॉल मिश्रित पेट्रोल से गाड़ियों को नुकसान होता है?

गडकरी ने कहा कि ई20 पेट्रोल के कारण किसी भी गाड़ी को कोई समस्या नहीं हुई है। उन्होंने कहा कि उच्च इथेनॉल मिश्रित पेट्रोल के उपयोग को लेकर झूठी बातें फैलाई जा रही हैं। उन्होंने इसे "भुगतान किए गए अभियान" बताया। भारत ने पहले ही पेट्रोल में 20 फीसदी इथेनॉल मिश्रण का लक्ष्य हासिल कर लिया है। यह गन्ने, मक्का या चावल जैसे बायोमास से बनता है। इससे आयातित कच्चे तेल पर निर्भरता कम हुई है और कार्बन उत्सर्जन में भी कटौती हुई है।

केतन अग्रवाल को मारने से पहले ही सिया ने चेतन संग कर ली थी शादी, व्हाट्सएप चैट से हुआ बड़ा खुलासा

एजेंसी, पुणे।

पुणे के लोहगढ़ किले से युवक केतन अग्रवाल की कथित हत्या के मामले में जांच लगातार नए मोड़ ले रही है। पुलिस का दावा है कि डिजिटल साक्ष्यों की जांच के दौरान ऐसे संकेत मिले हैं, जिनसे पता चलता है कि मामले की मुख्य आरोपी सिया गोयल और सह-आरोपी चेतन चौधरी ने कथित तौर पर परिवारों से छिपाकर पहले ही विवाह कर लिया था। हालांकि, इस संबंध में अंतिम पुष्टि जांच और न्यायिक प्रक्रिया के बाद ही होगी। जांच एजेंसियों के अनुसार, आरोपियों के मोबाइल फोन, कॉल रिकॉर्ड, लोकेशन डेटा और व्हाट्सएप चैट की विस्तृत पड़ताल की गई है। पुलिस का कहना है कि इन डिजिटल रिकॉर्ड्स से दोनों के बीच लंबे समय से करीबी संबंध और कथित गुप्त विवाह के संकेत मिले हैं। अधिकारियों का मानना है कि यह कथित शादी केतन अग्रवाल से सगाई होने से पहले हुई थी।

परिवारों से छिपाई गई थी कथित शादी पुलिस सूत्रों के मुताबिक, सिया गोयल और चेतन चौधरी ने करीब चार महीने पहले अपने-अपने परिवारों को बिना बताए विवाह किया था। जांच के दौरान मिले डिजिटल दस्तावेज और संदेश इस दिशा में महत्वपूर्ण सुराग माने जा रहे हैं। फिलहाल पुलिस इस दावे की पुष्टि के लिए अन्य साक्ष्य भी जुटा रही है। अधिकारियों का कहना है कि जांच में पिछले छह से सात महीनों की कॉल डिटेल, इंटरनेट सर्च हिस्ट्री और अन्य इलेक्ट्रॉनिक रिकॉर्ड भी खंगाले गए हैं, जिनसे दोनों आरोपियों की गतिविधियों को समझने का प्रयास किया जा रहा है।

हत्या की पहली कोशिश का भी दावा पुलिस का दावा है कि केतन अग्रवाल की हत्या की पहली कथित कोशिश 14 जून को की गई थी, लेकिन वह सफल नहीं हो सकी। जांचकर्ताओं के अनुसार, उस समय योजना पूरी नहीं हो पाई और बाद में दोनों आरोपियों के बीच कई संदेशों का आदान-प्रदान हुआ, जिनमें आगे की रणनीति पर चर्चा होने की बात सामने आई है। हालांकि, इन दावों की पुष्टि अभी अदालत में पेश किए जाने वाले साक्ष्यों और न्यायिक प्रक्रिया के दौरान होगी।

व्हाट्सएप चैट बनी जांच का अहम आधार पुलिस के अनुसार, जांच में बरामद व्हाट्सएप चैट इस मामले का महत्वपूर्ण हिस्सा बन गई है। अधिकारियों का दावा है कि कुछ संदेशों में कथित तौर पर घटना को अंजाम देने को लेकर बातचीत हुई थी। इन्हीं डिजिटल साक्ष्यों के आधार पर पुलिस साजिश के एंगल की जांच कर रही है। जांच एजेंसियों का कहना है कि डिजिटल फॉरेंसिक रिपोर्ट, मोबाइल डेटा और अन्य इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों को केस डायरी का हिस्सा बनाया जा रहा है, ताकि पूरे घटनाक्रम की कड़ियां स्पष्ट की जा सकें। जांच जारी, अदालत में होगी साक्ष्यों की पड़ताल पुलिस ने इस मामले में सिया गोयल और चेतन चौधरी को गिरफ्तार कर लिया है।

दिल्ली को ग्रीन कवर: 100 जलाशय, 70 लाख पौधे और ई-बसें

राजधानी के लिए अमित शाह ने पेश किया ग्रीन मास्टर प्लान

एजेंसी, नई दिल्ली।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को कहा कि सरकार दिल्ली के 'सेंट्रल रिज' (केंद्रीय रिज) की जैव विविधता, मिट्टी और पानी की सुरक्षा के लिए कानूनी रास्ता अपनाएगी। यहां एक मेगा वृक्षारोपण अभियान का उद्घाटन करने के बाद शाह ने कहा कि रिज क्षेत्र में जामुन, आम, अर्जुन और नीम जैसे पेड़ लगाए जाएंगे, जो 100 वर्षों से अधिक समय तक जीवित रहते हैं। इस मेगा वृक्षारोपण अभियान के तहत शहर में 70 लाख पौधे लगाने का लक्ष्य रखा गया है।

ई-बसें और बुनियादी ढांचा

केंद्रीय गृह मंत्री ने 300 ई-बसों को हरी झंडी दिखाई। इसके साथ ही

उन्होंने नरेला में एक उच्च सुरक्षा वाली जेल की डिजिटल रूप से आधारशिला रखी, तीन बस डिपो और नंद नगरी में एक स्वचालित वाहन परीक्षण स्टेशन का उद्घाटन किया।

यमुना की सफाई और कचरा प्रबंधन

उन्होंने घोषणा की कि अगले सप्ताह राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर किए जाएंगे, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि दिल्ली की डेयरियों से एक किलोग्राम गाय का गोबर भी बहकर यमुना नदी में न जाए। शाह ने यह भी रेखांकित किया कि यमुना की सफाई के लिए फिलहाल 129 सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट चालू हैं और 29 अन्य पाइपलाइन में हैं।

रिज क्षेत्र को मिलेगा ग्रीन कवर

उन्होंने बताया कि दिल्ली सरकार अगले चार वर्षों में स्थानीय वृक्ष प्रजातियों के एक करोड़ पौधे, बड़ी वृक्ष प्रजातियों के 23 लाख पौधे और 65 लाख झाड़ियां व औषधीय पौधे लगाकर रिज क्षेत्र के 6,300 हेक्टेयर हिस्से को हरित क्षेत्र (ग्रीन कवर) में बदलेगी।

दिल्ली को प्रदूषण मुक्त और हरा-भरा बनाने का लक्ष्य

शाह ने रिज को 'ग्रीन रिज' में बदलने के लिए एक 'भव्य मास्टर प्लान' का भी उल्लेख किया। इस मास्टर प्लान के तहत दिल्ली को प्रदूषण मुक्त और हरा-भरा बनाने के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए रिज में 100 जलाशय, रेस्तरां और 'नक्षत्र वन', 'तीर्थंकर वन' व 'वामन वन' जैसे छोटे उद्यान विकसित किए जाएंगे। उन्होंने जोर देकर कहा कि रिज की जैव विविधता, मिट्टी और पानी का संरक्षण सुनिश्चित करने के लिए कानूनी सुरक्षा का उपयोग किया जाएगा।

अंतरराज्यीय चोरी गिरोह का पदार्फाश: पौड़ी पुलिस ने चार को किया गिरफ्तार, बंद मकानों को बनाते थे निशाना

कोटद्वार। पौड़ी पुलिस ने अंतरराज्यीय चोरी गिरोह का पदार्फाश किया है। पुलिस ने चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। ये आरोपी बंद मकानों को निशाना बनाते थे। वे चोरी की मोटरसाइकिल से रेकी करते थे। पुलिस ने चार दिनों में ही गिरोह की पूरी कुंडली खोल दी।

बता दें कि उमेश चंद बमोला निवासी कोटद्वार ने एक लिखित शिकायती पत्र दिया गया। बताया कि जून माह की छुट्टियों के दौरान वह अपने परिवार सहित पैतृक गांव गए हुए थे। इस दौरान उनके घर में अज्ञात चोर द्वारा घर में रखी नगदी एवं आभूषण चोरी कर लिए गए हैं। इस मामले में शिकायत दर्ज कर जांच शुरू की गई थी। जिसके बाद चोरी की घटना में संलिप्त चार आरोपियों मोहित, निवासी-गाजियाबाद उत्तर प्रदेश, कासिफ उर्फ नन्हे निवासी- बरेली उत्तरप्रेदश, आमिर, निवासी- बरेली उत्तरप्रेदश व आसिफ उर्फ अमन, निवासी- बरेली उत्तरप्रेदश को गिरफ्तार किया गया। उनके पास से चोरी के 13,600 रुये बरामद किए गए। पूछताछ के दौरान यह भी खुलासा हुआ कि 26.जून को आरोपियों ने उधम सिंह नगर के किच्छा थाना क्षेत्र से एक अपाचे मोटरसाइकिल चोरी की थी व इसी मोटरसाइकिल का उपयोग करते हुए उन्होंने लाखों रुपये की सोने-चांदी की ज्वेलरी व नकदी भी चोरी की थी।

43 हजार बिजली बोर्ड कर्मचारियों और पेंशनरों को मिलेगा 1.5 करोड़ तक का बीमा कवर

एजेंसी, शिमला

राज्य बिजली बोर्ड के करीब 43 हजार कर्मचारियों और पेंशनभोगियों को अब कॉरपोरेट सैलरी पैकेज का लाभ मिलेगा। इसके तहत उन्हें विशेष बैंकिंग सुविधाओं के साथ 30 लाख रुपये से लेकर 1.50 करोड़ रुपये तक का बीमा कवर उपलब्ध कराया जाएगा। इस व्यवस्था से बोर्ड पर कोई अतिरिक्त वित्तीय बोझ नहीं पड़ेगा। इस संबंध में मंगलवार को शिमला स्थित विद्युत भवन में बोर्ड और सात प्रमुख बैंकों के बीच समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए गए। कार्यक्रम में बोर्ड के अध्यक्ष प्रबोध सक्सेना, निदेशक (वित्त) श्रवण कुमार मांटा, कार्यकारी निदेशक (कार्मिक) ईशा ठाकुर और मुख्य लेखा परीक्षक अर्जुन सिंह ठाकुर सहित विभिन्न बैंकों के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। कॉरपोरेट सैलरी पैकेज में पंजाब नेशनल बैंक, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, बैंक ऑफ बड़ौदा, आईसीआईसीआई बैंक, एचडीएफसी बैंक, हिमाचल प्रदेश राज्य सहकारी बैंक और कांगड़ा केंद्रीय सहकारी बैंक को शामिल किया गया है।

खामेनेई की अंतिम विदाई में दिखे वे चेहरे जिन्हें मृत बताया गया था, अहमदीनेजाद समेत तीन नेताओं की मौजूदगी से उठे सवाल

एजेंसी, तेहरान।

ईरान के पूर्व सर्वोच्च नेता अयातुल्लाह अली खामेनेई की अंतिम विदाई के दौरान एक ऐसा घटनाक्रम सामने आया, जिसने हालिया ईरान-इजराइल संघर्ष से जुड़ी कई अटकलों को फिर चर्चा में ला दिया। अंतिम यात्रा और श्रद्धांजलि समारोह में तीन ऐसे प्रमुख चेहरे सार्वजनिक रूप से दिखाई दिए, जिनके बारे में युद्ध के दौरान विभिन्न रिपोर्टों में उनके मारे जाने के दावे किए गए थे। इनमें पूर्व राष्ट्रपति महमूद अहमदीनेजाद, इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स से जुड़े अहमद वाहिदी और कुद्स फोर्स के प्रमुख इस्माइल कानी शामिल हैं। इन नेताओं की मौजूदगी के बाद यह सवाल उठने लगे हैं कि युद्ध के दौरान सामने आई कई मौतों की खबरें कितनी विश्वसनीय थीं। हालांकि, इस संबंध में अलग-अलग पक्षों के दावों की स्वतंत्र पुष्टि उपलब्ध नहीं है।

तेहरान से कोम पहुंचा पार्थिव शरीर तेहरान में आयोजित अंतिम

यात्रा में बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए। स्थानीय रिपोर्टों के अनुसार, भारी भीड़ के कारण अंतिम यात्रा कई स्थानों पर धीमी पड़ गई और कुछ समय के लिए जुलूस को रोकना भी पड़ा। श्रद्धांजलि कार्यक्रम के बाद पार्थिव शरीर को धार्मिक अनुष्ठानों के लिए पवित्र शहर कोम ले जाया गया। इसके बाद निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार उन्हें उनके गृह नगर मशहद में सुपुर्द-ए-खाक किया जाना है। मुज्तबा खामेनेई की अनुपस्थिति चर्चा में समारोह में एक और महत्वपूर्ण बात यह रही कि अयातुल्लाह खामेनेई के पुत्र मुज्तबा खामेनेई सार्वजनिक रूप से नजर नहीं आए। ईरानी अधिकारियों का कहना है कि मौजूदा सुरक्षा परिस्थितियों और संभावित खतरे को देखते हुए उन्होंने सार्वजनिक कार्यक्रम में हिस्सा नहीं लिया। युद्ध के बाद से मुज्तबा को लेकर कई तरह की अटकलें लगाई जाती रही हैं। कुछ रिपोर्टों में उनके घायल होने का दावा किया गया था, जबकि ईरानी अधिकारियों ने कहा कि वह सुरक्षित हैं। उनकी अनुपस्थिति में वरिष्ठ धर्मगुरु अयातुल्लाह हसन नूरी द्वारा अंतिम धार्मिक रस्में संपन्न कराए जाने की जानकारी दी गई। ईरानी नेतृत्व का सख्त संदेश अंतिम विदाई के दौरान

अहमदीनेजाद की मौजूदगी ने बढ़ाई चर्चा

पूर्व राष्ट्रपति महमूद अहमदीनेजाद अंतिम यात्रा में शामिल होते हुए दिखाई दिए। हालिया संघर्ष के दौरान कुछ रिपोर्टों में दावा किया गया था कि वह इजराइली हमले में मारे गए हैं। उस समय इन दावों पर ईरान की ओर से विस्तृत आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई थी। बाद में कुछ मीडिया रिपोर्टों में यह भी दावा किया गया कि अमेरिका उन्हें भविष्य में ईरान के नेतृत्व के संभावित विकल्प के रूप में देख रहा है, हालांकि इन दावों की न तो अमेरिकी प्रशासन और न ही अहमदीनेजाद ने पुष्टि की। अब सार्वजनिक कार्यक्रम में उनकी मौजूदगी ने उन सभी अटकलों को नया मोड़ दे दिया है।

अहमद वाहिदी भी सार्वजनिक रूप से आए सामने

आईआरजीसी से जुड़े वरिष्ठ अधिकारी अहमद वाहिदी भी अंतिम संस्कार में मौजूद रहे। युद्ध के दौरान उनके मारे जाने की खबरें भी सामने आई थीं। उस समय ईरान ने इन दावों को खारिज किया था, लेकिन वाहिदी लंबे समय तक सार्वजनिक रूप से नजर नहीं आए थे। समारोह के दौरान पत्रकारों से बातचीत में वाहिदी ने कहा कि ईरान किसी भी बाहरी दबाव के आगे झुकने वाला नहीं है। उन्होंने कहा कि देश को आत्मसमर्पण कराने की कोशिशें सफल नहीं होंगी और ईरान अपनी सुरक्षा तथा संप्रभुता की रक्षा करता रहेगा।

कुद्स फोर्स प्रमुख इस्माइल कानी भी दिखे

ईरान की कुद्स फोर्स के प्रमुख इस्माइल कानी भी अंतिम विदाई कार्यक्रम में शामिल हुए। संघर्ष के दौरान उनके मारे जाने की खबरें भी सामने आई थीं, जबकि बाद में उनके करीबी सूत्रों ने केवल घायल होने की बात कही थी। अब सार्वजनिक कार्यक्रम में उनकी मौजूदगी ने यह स्पष्ट कर दिया कि वह जीवित हैं। कानी को ईरान की सैन्य और रणनीतिक संरचना में बेहद प्रभावशाली माना जाता है और उन्हें शीर्ष नेतृत्व का करीबी सहयोगी समझा जाता है।

ईरानी नेतृत्व ने भी अपने राजनीतिक और सुरक्षा संबंधी संदेश दिए। राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियान ने कहा कि देश पूर्व सर्वोच्च नेता के सिद्धांतों और नीतियों पर आगे बढ़ने के लिए प्रतिबद्ध रहेगा। वहीं सेना प्रमुख अमीर हातमी ने कहा कि जिन लोगों ने ईरान के नेताओं को निशाना बनाया है, उन्हें जवाबदेह ठहराने के प्रयास जारी रहेंगे। हालांकि उन्होंने किसी विशेष देश का नाम नहीं लिया।चुनावी कवरेज विशेष विदेश मंत्री बोले- दबाव में नहीं होगी बातचीत ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने भी अंतिम संस्कार के दौरान अंतरराष्ट्रीय समुदाय को संदेश देते हुए कहा कि धमकियों और दबाव के माहौल में कोई भी व्यापक समझौता संभव नहीं है। उन्होंने कहा कि यदि बातचीत आगे बढ़ानी है तो पहले पहले से हुए समझौतों का सम्मान किया जाना चाहिए।

30 अरब रु. की रिश्वत लेने वाले पूर्व अधिकारी को मौत की सजा, 30 साल तक पद का किया दुरुपयोग

एजेंसी, बीजिंग।

चीन में भ्रष्टाचार के खिलाफ चल रहे अभियान के बीच एक बड़ी न्यायिक कार्रवाई सामने आई है। देश की एक अदालत ने पूर्व वरिष्ठ अधिकारी यांग यौलिन को भारी रिश्वत लेने, सरकारी धन के दुरुपयोग और मनी लॉन्ड्रिंग जैसे गंभीर अपराधों में दोषी ठहराते हुए मौत की सजा सुनाई है। अदालत का कहना है कि यांग ने लगभग तीन दशक तक अपने सरकारी पद का दुरुपयोग कर अवैध संपत्ति अर्जित की, जिससे राज्य और सार्वजनिक हितों को भारी नुकसान पहुंचा।

30 साल में जुटाई 2.21 अरब युआन की अवैध संपत्ति चीन के जियांग्सू प्रांत के चांगझोउ इंटरमीडिएट पीपुल्स कोर्ट ने अपने फैसले में कहा कि यांग यौलिन ने वर्ष 1993 से 2023 के बीच करीब 2.21 अरब युआन (लगभग 325 मिलियन अमेरिकी डॉलर या करीब 30 अरब रुपये) की रिश्वत और अवैध लाभ हासिल किए। अदालत के अनुसार, यह हाल के वर्षों में सामने आए सबसे बड़े भ्रष्टाचार मामलों में से एक है। कोर्ट

ने रिश्वत लेने के अलावा सरकारी धन के गबन, पद के दुरुपयोग और धन शोधन (मनी लॉन्ड्रिंग) के आरोपों को भी प्रमाणित माना।

इंजीनियरिंग ठेकों और जमीन सौदों में किया प्रभाव का इस्तेमाल मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, 69 वर्षीय यांग यौलिन ने अपने लंबे प्रशासनिक करियर के दौरान नानजिंग में कई महत्वपूर्ण पदों पर कार्य किया। वह आर्थिक और तकनीकी विकास से जुड़े विभागों में प्रभावशाली अधिकारी रहे। अभियोजन पक्ष के मुताबिक, उन्होंने अपने अधिकार और प्रभाव का इस्तेमाल कर कई लोगों को इंजीनियरिंग ठेके, भूमि हस्तांतरण, वित्तीय सुविधाएं और अन्य सरकारी लाभ दिलाने में मदद की। इसके बदले उन्होंने नकद राशि, महंगे उपहार और अन्य मूल्यवान संपत्तियों के रूप में भारी रिश्वत स्वीकार की।

अफगान के पूर्व क्रिकेटर शापूर जादरान का निधन, एसीबी ने जताया दुख

एजेंसी, नई दिल्ली।

क्रिकेट की दुनिया के लिए बेहद निराशाजनक खबर आई है। अफगानिस्तान के पूर्व क्रिकेटर शापूर जादरान का मंगलवार को लंबी बीमारी के बाद निधन हो गया। वह 38 साल के थे। जादरान एचएलएच से जूझ रहे थे, जो इम्यून सिस्टम की एक गंभीर बीमारी है जिससे खतरनाक सूजन हो सकती है और कई अंगों को नुकसान हो सकता है। रिपोर्ट के मुताबिक पिछले कुछ महीनों से उनका इलाज दिल्ली में चल रहा था। जादरान पहली बार पिछले अक्टूबर में बीमार पड़े थे, जिसके बाद अफगानिस्तान के डॉक्टरों ने उन्हें इलाज के लिए भारत आने की सलाह दी थी। शुरू में उनका इलाज ठीक रहा और उन्हें अस्पताल से छुट्टी मिल गई। अस्पताल से छुट्टी मिलने के ठीक 20 दिन बाद उनकी हालत फिर से बिगड़ गई। इसके बाद से वह अस्पताल में भर्ती थे।

अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड (एसीबी) ने जादरान के निधन पर शोक जताते हुए उन्हें श्रद्धांजलि दी है। एसीबी ने सोशल मीडिया पर लिखा, "अपने पूरे करियर में, शापूर ने सम्मान, हिम्मत और गर्व के साथ अफगानिस्तान क्रिकेट की सेवा की। उनका योगदान और उपलब्धियां हमेशा अफगानिस्तान क्रिकेट के इतिहास का एक अहम हिस्सा रहेंगी, और नेशनल टीम की सेवा में उनकी कोशिशों को कभी नहीं भुलाया जाएगा।" बोर्ड ने लिखा, "मैदान पर अपनी उपलब्धियों के अलावा, शापूर जादरान कई युवा अफगान क्रिकेटरों और दुनिया भर के क्रिकेट फैंस के लिए प्रेरणा थे। उनके लड़ने के जज्बे, पक्के इरादे और खेल के लिए प्यार ने कई लोगों को उम्मीद दी और एक पीढ़ी को बड़े सपने देखने और अफगानिस्तान क्रिकेट के भविष्य पर विश्वास करने के लिए हिम्मत दी।"

8 जुलाई 1987 को जन्मे शापूर बुधवार को अपना 39वां जन्मदिन मनाने वाले थे। बाएं हाथ के इस तेज गेंदबाज ने 2009 से 2020 के बीच अफगानिस्तान के लिए 44 वनडे और 36 टी20 मैच खेले थे। वनडे में उन्होंने 43 और टी20 में 37 विकेट लिए थे।

जिम्बाब्वे दौरे और एशियाई खेलों के लिए लक्ष्मण संभालेंगे जिम्मेदारी

एजेंसी, नई दिल्ली।

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) प्रमुख वीवीएस लक्ष्मण आगामी जिम्बाब्वे दौरे और आइची-नागोया में होने वाले एशियाई खेलों के लिए भारतीय टीम के मुख्य कोच की भूमिका निभाएंगे। उनके साथ बल्लेबाजी कोच के रूप में ऋषिकेश कानितकर और गेंदबाजी कोच के रूप में सुनील जोशी सहयोगी स्टाफ का हिस्सा होंगे।

सीनियर स्टाफ को आराम देने का फैसला

समाचार एजेंसी पीटीआई के अनुसार, यह फैसला इंग्लैंड के खिलाफ होने वाली सीमित ओवरों की सीरीज के बाद सीनियर राष्ट्रीय टीम के मुख्य सहयोगी स्टाफ को कुछ समय का आराम देने के उद्देश्य से लिया गया है। इंग्लैंड दौरा 19 जुलाई को होने वाले तीसरे वनडे मैच से समाप्त हो रहा है। इसके बाद भारत को जिम्बाब्वे के खिलाफ तीन मैचों की टी20 सीरीज खेलनी है। यह मैच 23, 25 और 27 जुलाई को हरारे में खेले जाएंगे। इंग्लैंड दौरा खत्म होने के महज चार दिन बाद ही इस दौरे की शुरूआत हो जाएगी।

एशियाई खेल और वेस्टइंडीज सीरीज का टकराव

लक्ष्मण और उनका सहयोगी स्टाफ एशियाई खेलों में भी भारतीय टीम की जिम्मेदारी संभालेगा। दरअसल, एशियाई खेलों का आयोजन ठीक उसी समय हो रहा है जब भारतीय टीम को घरेलू मैदान पर वेस्टइंडीज के खिलाफ सीमित ओवरों की सीरीज खेलनी है। वेस्टइंडीज के खिलाफ होने वाली इस वनडे सीरीज में मुख्य कोच गौतम गंभीर सीनियर टीम के साथ मौजूद रहेंगे।

पहले भी संभाल चुके हैं जिम्मेदारी

यह पहला मौका नहीं है जब लक्ष्मण को भारत की टीम की कमान सौंपी गई है। इससे पहले साल 2024 के जिम्बाब्वे दौरे पर भी वह मुख्य कोच थे, जब शुभमन गिल टीम के कप्तान थे और अभिषेक शर्मा ने अपना डेब्यू किया था। इसके अलावा साल 2023 के हांगझोऊ एशियाई खेलों में भी उन्होंने मुख्य कोच की भूमिका निभाई थी, क्योंकि उस वक्त तत्कालीन मुख्य कोच राहुल द्रविड़ वनडे विश्व कप के लिए सीनियर टीम के साथ व्यस्त थे।

जिम्बाब्वे दौरे के लिए भारत की टी20 टीम: श्रेयस अय्यर (कप्तान), वैभव सूर्यवंशी, अभिषेक शर्मा, तिलक वर्मा (उपकप्तान), ईशान किशन (विकेटकीपर), शिवम दुबे, सूर्यांश शेडगे, रिंकू सिंह, हर्ष दुबे, वरुण चक्रवर्ती, प्रिंस यादव, यश ठाकुर, अशोक शर्मा, मयंक यादव और प्रभसिमरन सिंह (विकेटकीपर)।

एशियाई खेलों के लिए भारतीय टीम: श्रेयस अय्यर (कप्तान), तिलक वर्मा (उपकप्तान), अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन (विकेटकीपर), ईशान किशन (विकेटकीपर), वैभव सूर्यवंशी, शिवम दुबे, नीतीश कुमार रेड्डी, अक्षर पटेल, वाशिंगटन सुंदर, रवि बिश्नोई, जसप्रीत बुमराह, हर्षित राणा, अर्शदीप सिंह।

मेरे नाम पर भ्रामक बयान फैलाए जा रहे, भारतीय टीम को मेरा पूर्ण समर्थन: सूर्यकुमार

एजेंसी, नई दिल्ली।

भारतीय टी20 टीम के पूर्व कप्तान और अपनी कप्तानी में टीम इंडिया को टी20 विश्व कप 2026 में चैंपियन बनाने वाले सूर्यकुमार यादव ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट साझा करते हुए भारतीय टीम को शुभकामना दी है, साथ ही किसी भी बयान से इनकार किया है, जिसे उनका दिया बताकर प्रचारित किया जा रहा है। सूर्यकुमार यादव ने एक्स पर लिखा, "मैं टीम के लिए बहुत खुश हूं और हमेशा उनके लिए अच्छे की दुआ करता हूं। मुझे पता है कि लड़के अपना सब कुछ दे रहे हैं, और उन्हें हमेशा मेरा पूरा समर्थन रहेगा। वैभव के लिए एक खास बात–तुम एक बहुत ही रोमांचक सफर की शुरूआत में हो। हर पल का आनंद लो और देश को गर्व महसूस कराते रहो।" उन्होंने आगे लिखा, "मैंने यह भी देखा है कि ऑनलाइन एक बयान फैलाया जा रहा है, जो गलत तरीके से मेरे नाम से बताया जा रहा है। मैं यह साफ करना चाहता हूं कि मैंने ऐसा कोई बयान नहीं दिया है और न ही उसे मंजूरी दी है। कृपया बिना जांची-परखी जानकारी पर विश्वास न करें और उसे साझा न करें।"

पूर्व कप्तान ने लिखा, "भारतीय क्रिकेट, मेरे साथी और खेल के लिए मेरा सहयोग हमेशा उन शब्दों से ज्यादा जोरदार रहेगा जो गलत तरीके से मेरे नाम से बताए गए हैं।"

पूर्व कप्तान सूर्यकुमार यादव के नाम पर हाल ही में सोशल मीडिया पर कुछ बयान भ्रामक तरीके से फैलाए गए हैं, जिनमें वे अपनी टी20 की कप्तानी जाने और वैभव सूर्यवंशी पर बोलते हुए दिख रहे हैं। सूर्या की सोशल मीडिया पोस्ट के बाद अब ऐसी भ्रामक जानकारियों पर निश्चित रूप से ताला लग गया है।

सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में भारतीय टीम ने निश्चित रूप से टी20 विश्व कप 2026 का खिताब जीता था और लगातार दूसरी बार इस फॉर्मेट की चैंपियन बनी, लेकिन उनका अपना प्रदर्शन लंबे समय से निराशाजनक रहा था। आईपीएल में भी उनका बल्ला साधारण रहा। इस वजह से भारतीय टी20 टीम के कप्तान पद से हटाने के साथ ही टीम से भी ड्रॉप कर दिया गया।

मनोरंजन

पेनेलोप क्रूज ने पति के साथ रिश्ते को लेकर की बात, बोलीं- मैं अभी भी सीख रही हूं

हॉलीवुड अभिनेत्री पेनेलोप क्रूज ने पति के साथ अपने रिश्ते के अनुभव का साझा किया है। उनका कहना है कि पति जेवियर बार्डेम के साथ उनका रिश्ता सीखने का एक अनुभव रहा है। 'पीपल' मैगजीन की रिपोर्ट के मुताबिक, अभिनेत्री पेनेलोप क्रूज ने कहा कि शादी के 15 साल से ज्यादा समय बीतने के बाद भी वह अपने पति जेवियर बार्डम के साथ अपने रिश्ते में "अभी भी सीख रही हैं"। 52 वर्षीय अभिनेत्री ने अपनी नई फिल्म 'द इनवाइट' के प्रमोशन के दौरान अपने रिश्ते के बारे में बात की। उनका मानना ??है कि ओलिविया वाइल्ड के डायरेक्शन में बनी कॉमेडी फिल्म एक डिनर पार्टी में दो जोड़ों के रिश्तों पर आधारित है। उनका कहना है कि लोगों को ऐसी कहानियां इसलिए इतनी पसंद आती है, क्योंकि बहुत से लोग अपने पार्टनर के बारे में नई-नई बातें पता करते रहते हैं, चाहे वे कितने भी समय से साथ क्यों न हों।

उन्होंने मैगजीन से कहा, "मुझे लगता है कि मैं (अपने रिश्ते में) अभी भी सीख रही हूं, आप जानते हैं? और मैं ऐसे व्यक्ति के साथ हूं जिसे मैं 33 साल से जानती हूं। मैं उस व्यक्ति को सच में जानती हूं, लेकिन बात यह है कि क्या कोई ऐसा दिन आता है जब आप सच में खुद को जान पाते हैं? नहीं। तो अपने पार्टनर के साथ भी ऐसा ही है।"

अभिनेत्री पेनेलोप क्रूज और 57 वर्षीय उनके पति जेवियर बार्डेम की पहली मुलाकात 1992 में स्पैनिश डार्क कॉमेडी 'जामोन जैमोन' की शूटिंग के दौरान हुई थी। मैगजीन के अनुसार, उनके बीच रोमांटिक रिश्ता तब तक नहीं बना जब तक कि वे 2008 की फिल्म 'विकी क्रिस्टीना बार्सिलोना' के लिए दोबारा साथ नहीं आए।

कॉमेडी-ड्रामा के सेट पर बिताए समय को याद करते हुए उन्होंने कहा, "हममें से कोई भी पहल नहीं कर रहा था।"

उन्होंने आगे कहा, "मुझे नहीं पता कि हम शर्मीले थे या बहुत ज्यादा प्रोफेशनल बनने की कोशिश कर रहे थे। शूटिंग का आखिरी दिन आ गया और कुछ नहीं हुआ। तो मैंने सोचा, 'अरे यार, बेहतर होगा कि हम ड्रिंक कर लें।' किस्मत से हमारे एक दोस्त ने रैप पार्टी रखी और बस, बाकी तो इतिहास है। भगवान का शुक्र है।"

2024 में 'जेंटलमैन जर्नल' के साथ एक इंटरव्यू में जेवियर बार्डेम ने कहा कि उनके खास रिश्ते की एक वजह यह है कि वे मशहूर होने से पहले से ही एक-दूसरे को जानते थे।

एक्टर ने कहा था, "हम एक-दूसरे से तब मिले और एक-दूसरे को तब जाना, जब कोई शोर-शराबा नहीं था, सफलता नहीं मिली थी और कोई हमें अलग नजरिए से नहीं देखता था (यानी हम जो अब बन गए हैं) उस वजह से नहीं।"

बता दें कि पेनेलोप क्रूज और जेवियर बार्डेम अपने रिश्ते को काफी निजी रखते हैं। दोनों ने जुलाई 2010 में बहामास में एक निजी समारोह में शादी की थी। उनके दो बच्चे हैं। बेटे लियो का जन्म 2011 में हुआ था। जबकि बेटी लूना एनसिनास क्रूज का जन्म 2013 में हुआ था।

'वे जुनून' में दिशा पाटनी का दिल जीत लेने वाला अंदाज, 'आवारापन 2' में बिखेरा नया रोमांस

'आवारापन 2' का पहला गाना 'वे जुनून' आखिरकार रिलीज हो गया है। इसकी धुन उस भावनात्मक दुनिया के प्रति पूरी तरह ईमानदार रहती है, जिसके लिए यह फ्रेंचाइजी जानी जाती है। लेकिन इस गीत में सबसे गहरी छाप छोड़ती हैं दिशा पाटनी। इमरान हाशमी के साथ उनकी जोड़ी फिल्म में एक नई ताजगी लेकर आती है, बिना उस भावनात्मक माहौल को बदले जिसने मूल फिल्म को एक कल्ट पसंदीदा बनाया था। 'वे जुनून' की कहानी लगभग पूरी तरह इमरान के किरदार की तड़प और इंतजार के जरिए सामने आती है। उनका किरदार किसी की तलाश में है, बीती यादों को संजोए हुए है और उन्हें छोड़ नहीं पा रहा। वहीं दिशा एक ऐसी याद बनकर सामने आती हैं, जिसे वह अपने दिल से निकाल नहीं सकता। यही भावनात्मक समीकरण इस गीत को बेहद खूबसूरत बनाता है। उनकी मुस्कान, एक ठहरी हुई नजर या साथ बिताया गया कोई छोटा-सा पल ही यह बताने के लिए काफी है कि वह इमरान के किरदार के लिए इतनी मायने क्यों रखती हैं। दिशा पाटनी को अक्सर ऊर्जावान और ग्लैमरस भूमिकाओं में देखा गया है, लेकिन 'वे जुनून' उन्हें ऐसा अवसर देता है जो उनके अब तक के अभिनय से बिल्कुल अलग है। यहां न कोई भव्य नृत्य है और न ही बड़े-बड़े दृश्य। गीत में उनकी पहली झलक लाल रंग की पोशाक में वायलिन बजाते हुए दिखाई देती है। वहीं एक दृश्य में वह सफेद रंग की खूबसूरत पोशाक पहनकर प्रार्थना करती नजर आती हैं, जिसमें वह बेहद मनमोहक लगती हैं। इस गीत में उन्हें संवादों से नहीं, बल्कि अपने हाव-भाव और भावनाओं से कहानी कहनी है, और वह इसे बेहद संयमित, सच्चे और दिल को छू लेने वाले अंदाज में निभाती हैं। 'Welcome to The Jungle' की सफलता का आनंद ले रहीं दिशा इस गंभीर और भावनात्मक कहानी कहने की शैली में पूरी तरह सहज नजर आती हैं, जो हमेशा से 'आवारापन' की पहचान रही है।

इमरान हाशमी के साथ उनकी जोड़ी भी बेहद स्वाभाविक लगती है। इमरान का सधा हुआ अभिनय हमेशा उन कलाकारों के साथ सबसे प्रभावशाली रहा है जो अनावश्यक रूप से ध्यान आकर्षित करने की कोशिश नहीं करते, और दिशा इस लय को बखूबी समझती हैं। वह केंद्र में आने की कोशिश नहीं करतीं, बल्कि हर दृश्य को पूरा करती हैं, जिससे दोनों के बीच का रोमांस उसी सहजता से उभरता है जिसकी इस फिल्म की भावनात्मक दुनिया मांग करती है।

मिथुन द्वारा संगीतबद्ध, सईद कादरी के गीतों और सुबोध शर्मा की आवाज से सजा 'वे जुनून' उस उदासी और भावनात्मक गहराई को बरकरार रखता है जिसे दर्शक इस फ्रेंचाइजी से जोड़कर देखते हैं। साथ ही यह फिल्म की नई मुख्य अभिनेत्री दिशा पाटनी से भी दर्शकों का परिचय कराता है। यदि इस गीत का उद्देश्य दर्शकों को 'आवारापन 2' की प्रेम कहानी और उसके रिश्ते से जोड़ना था, तो वह इसमें पूरी तरह सफल होता है।

इससे भी अधिक महत्वपूर्ण बात यह है कि यह गीत दिशा पाटनी को केवल मूल फिल्म द्वारा छोड़ी गई जगह भरने वाली अभिनेत्री के रूप में नहीं, बल्कि इस कहानी के नए अध्याय में अपनी अलग पहचान बनाने वाली कलाकार के रूप में प्रस्तुत करता है। सिर्फ एक गीत के साथ ही दिशा पाटनी ने 'आवारापन 2' को एक नई रोमांटिक पहचान दी है, साथ ही उन्होंने उस भावनात्मक गहराई का भी सफलतापूर्वक साथ निभाया है जिसे इमरान हाशमी लंबे समय से इस श्रृंखला की पहचान बनाते आए हैं।

गाँव की माटी से निकलकर अपने दम पर युवाओं के धड़कन बने पंडित सहदेव शर्मा

सियासी सिरमौर

- पथौली की माटी से निकलकर बिना किसी राजनैतिक पृष्ठभूमि के जिले के जननेता बने पंडित सहदेव शर्मा
- साजिशों को मात देकर सत्य की विजय से लेकर भाजपा के जिला उपाध्यक्ष पद तक जानिए सहदेव शर्मा के संघर्ष की पूरी गाथा
- कार्यकर्ताओं की आवाज को प्रशासन के सामने पूरी मजबूती से बुलंद करने वाले बेहद बेबाक नेता सहदेव शर्मा
- जब तक जीवन है तब तक भाजपा के संकल्पों को समर्पित रहेगा जीवन युवाओं के चहेते पंडित सहदेव शर्मा का प्रखर विजन

जब किसी व्यक्तित्व के भीतर समाज सेवा का सच्चा जज्बा और संगठन के प्रति अटूट निष्ठा होती है तो वह बिना किसी राजनैतिक घराने की पृष्ठभूमि के भी अपनी मेहनत के बल पर शिखर तक पहुँच जाता है। आगरा के पथौली निवास करने वाले पंडित सहदेव शर्मा आज इसी जमीनी संघर्ष और जीवंत जुझारूपन की एक अनुपम मिसाल बन चुके हैं। एक साधारण गैर राजनैतिक परिवार से आने वाले सहदेव शर्मा का स्वभाव अत्यंत मिलनसार और सहज है परंतु जब बात कार्यकताओं के सम्मान और संगठन के सिद्धांतों की आती है तो उनकी छवि एक बेहद बेबाक और मुंह पर सच बोलने वाले निडर नेता की बन जाती है। अपनी इसी स्पष्टवादिता और कुशल कार्यशैली की वजह से वे आज आगरा जिले में प्रत्येक गांव में युवाओं के बीच अत्यधिक लोकप्रिय हैं और बुजुर्गों का असीम स्नेह व आशीर्वाद हमेशा उनके साथ बना रहता है।

सह मीडिया प्रभारी से शुरू हुआ सांगठनिक सफर और संघर्ष के बीच सत्य की ऐतिहासिक विजय

पंडित सहदेव शर्मा के इस गौरवमयी राजनैतिक सफर की शुरूआत वर्ष 2012 में भारतीय जनता पार्टी के एक सामान्य सिपाही के रूप में हुई थी। उनकी कार्यकुशलता को देखते हुए तत्कालीन जिलाध्यक्ष अशोक राणा ने उन्हें जिला सह मीडिया प्रभारी और फिर मीडिया प्रभारी जैसी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी। इसके पश्चात युवा मोर्चा के जिलाध्यक्ष सोनू चौधरी की टीम में वे जिला महामंत्री बने। ग्रामीण अंचल से निकलकर जब वे इस बड़े पद पर पहुँचे तो उन्हें बहुत कुछ सीखने को मिला परंतु राजनीति के कुछ अंतर्विरोधों के कारण उन्हें साजिश का शिकार भी होना पड़ा। तत्कालीन प्रदेश अध्यक्ष को भ्रमित कर उन्हें उनके साथियों सहित पदमुक्त करा दिया गया था परंतु जैसा कि कहा जाता है कि सत्य परेशान हो सकता है पराजित नहीं। अंततः सत्य की बड़ी विजय हुई और उन्हें पूरे सम्मान के साथ बहाल किया गया जिसमें अशोक राणा ऋषि उपाध्याय और प्रशांत पौनिया ने सत्य का साथ देकर उनकी बहुत बड़ी मदद की थी।

युवा मोर्चा के जिलाध्यक्ष के रूप में पहचान और पूरे जिले में कार्यकर्ताओं का जीवंत नेटवर्क

इस भयंकर सांगठनिक परीक्षा में खरे उतरने के बाद सहदेव शर्मा ने पूरी मेहनत और शिद्दत के साथ नेतृत्व के सम्मुख अपनी बात रखी जिसके फलस्वरूप पार्टी ने उनकी निष्ठा को देखते हुए उन्हें युवा मोर्चा का जिलाध्यक्ष बनाया। युवा मोर्चा के जिला मुखिया रहते हुए उन्होंने दिन रात एक करके पूरे जिले के कोने कोने में प्रवास किया और बड़े बड़े कार्यक्रमों का सफल संयोजन किया। इसी दौर में जिले के हजारों कार्यकर्ताओं के साथ उनका एक ऐसा आत्मीय और जीवंत संबंध स्थापित हुआ जो आज भी अटूट है। वे स्वयं बहुत ही गर्व के साथ स्वीकार करते हैं कि वे एक साधारण ग्रामीण परिवेश से आते हैं और यदि भाजपा जैसी महान पार्टी उन्हें जनता की सेवा का यह अलौकिक अवसर नहीं देती तो इतनी व्यापक जन पहचान कभी संभव नहीं हो पाती। उनका संकल्प है कि जब तक उनके शरीर में सांस है उनका जीवन पूरी तरह भाजपा के सिद्धांतों के लिए ही समर्पित रहेगा।

पंडित सहदेव शर्मा

जिला उपाध्यक्ष की बड़ी जिम्मेदारी और कार्यकर्ताओं की बात मजबूती से रखने की अद्भुत क्षमता

युवा मोर्चा के सफल कार्यकाल के बाद पार्टी ने उनकी सांगठनिक क्षमता का उपयोग मुख्यधारा की भाजपा में किया जहाँ उन्हें पहले जिला मंत्री और वर्तमान में जिला उपाध्यक्ष जैसी अत्यंत गरिमामयी और महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है। उनकी सबसे बड़ी विशेषता यह है कि वे चौबीसों घंटे केवल और केवल संगठन के कार्यों में रमे रहते हैं और कार्यकताओं के सुख दुख में ढाल बनकर खड़े रहते हैं। प्रशासन में उनकी पकड़ इतनी मजबूत है कि जब भी किसी कार्यकर्ता के काम के लिए वे सिफारिश करते हैं तो बहुत ही दमदार और अधिकार के साथ अपनी बात रखते हैं जिससे हर काम आसानी से पूरा हो जाता है। अपनी बेबाक टिप्पणियों के कारण भले ही उनके विरोधी बने हों परंतु हर गांव में आज उनके वफादार साथियों की एक बहुत बड़ी फौज खड़ी है जो उनके एक आह्वान पर समाज सेवा के लिए तैयार रहती है।

नोट- सियासी सूरमा कॉलम में हम उन व्यक्तित्वों की कहानी प्रकाशित करते हैं जिनके पास 10 सालों का सक्रिय राजनीतिक अनुभव है और संगठन के प्रति अटूट निष्ठा है। अगर आप भी खुद को मानते हैं सियासी सूरमा, तो अपनी कहानी हमें हमारे व्हाट्सएप नबंर 9412359817 पर भेजें।